THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 20 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.3 2080 रविवार, 9 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ** : 16+32 **मूल्य** : 8 रुपये

PAN BAHAR

50 से भी ज़्यादा सालों से इंडिया का फ़ेवरेट ब्लेंड

अब हो गया है और भी बेहतर

This contains sodium saccharin (INS 954), sucralose (INS 955) and Neotame (INS 961).
Not recommended for children. No sugar added in the product.
CONTAINS ARTIFICIAL SWEETENER AND FOR CALORIE CONSCIOUS

पान बहार

द हेरिटेज इलायची

पहचान कामयाबी की

Toll Free No.: 1800 257 2258

अडानी पर शरद पवार के अलग बयान से

विपक्षी एकजुटता में आएगी दरार? संजय राउत ने कही ये बात

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अडानी के खिलाफ जेपीसी की मांग को एक टीवी इंटरव्यू में खारिज कर दिया। उनके इसी बयान पर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, महज किसी मुद्दे पर विचार नहीं मिलने को विपक्षी एकता में दरार नहीं कहा जा सकता है। राउत ने कहा, अडानी मामले पर चाहे तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी हों या एनसीपी के शरद पवार साहब हों इनकी अपनी-अपनी राय अलग हो सकती है लेकिन इस आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि विपक्षी एकता में किसी तरह से कोई दरार आ गई है।

शुक्रवार (7 अप्रैल) को दिए गए एक इंटरव्यू में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने अडानी के खिलाफ जेपीसी जांच की मांग को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था, जेपीसी की जांच की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि जेपीसी की कोई भी जांच प्रभावी तरीके से नहीं हो सकती है, क्योंकि जब जेपीसी बनेगी उसमें बीजेपी का बहुमत रहेगा और अन्य दलों को अधिकतम एक या दो सदस्यों का ही प्रतिनिधित्व मिल पाएगा, और ऐसे में वही निष्कर्ष निकाला जाएगा जो सत्ता पक्ष को चाहिए होगा। शरद पवार ने मांग करते हुए कहा कि अगर जांच होती है तो वह एससी की नॉमिनेट की हुई एक 5 सदस्यों की कमेटी के द्वारा कराई जाए जिसमें कम से कम एक रिटायर्ड जज और बाकी अन्य सदस्य हो सकते हैं क्योंकि अगर इस तरीके से जांच होती है तो ही जांच निष्पक्ष निष्कर्ष निकाल सकती है। उन्होंने कहा, जेपीसी की मांग से कोई फायदा नहीं निकलेगा।

'पाकिस्तान से मुंबई में आए तीन आतंकी'

पुलिस कंट्रोल को फोन पर एक शख्स ने दिया मोबाइल और गाड़ी नंबर

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस कंट्रोल को एक अज्ञात शख्स ने कॉल कर इस बात का दावा किया कि दुबई से शुक्रवार (7 अप्रैल) को तीन आतंकी मुंबई आए थे। इन आतंकियों का कनेक्शन पाकिस्तान से है। इतना ही नहीं कॉलर ने पुलिस को एक आतंकी का नाम मुजीब सैय्यद बताया और

उसका मोबाईल नंबर और गाड़ी का नंबर भी पुलिस को दिया। सूत्रों ने बताया कि कॉलर का नाम राजा ठोंगे है जिसने कंट्रोल रूम को कॉल किया था। पुलिस इस कॉल के बाद अलर्ट मोड पर आ गई है।

2024 चुनाव से पहले फिर निकला ईवीएम का जिन्न

उद्धव गुट ने 'सामना' में कहा- बांग्लादेश की तरह हिम्मत दिखाए बीजेपी

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने इस साल के आम चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल नहीं करने पर सहमति जता दी है। केवल भारत ही नहीं बांग्लादेश में भी ईवीएम राजनीतिक विवाद की वजह रहा है। अब भारत के पड़ोसी देश में ईवीएम हटाने और बैलेट पेपर के जरिए लोकसभा चुनाव कराने के फैसले के बाद भारत में भी राजनीति तेज हो गई है। 'सामना' के संपादकीय में इसे लेकर ठाकरे गुट ने बीजेपी को आड़े हाथ लिया है और कई गंभीर आरोप लगाए हैं। संपादकीय में आरोप लगाते हुए लिखा गया है कि भारत में लोकतंत्र की हत्या रोज हो रही है और लोकतंत्र बचाने के लिए विपक्ष रोज सड़कों पर उतर रहा है, लेकिन लोकतंत्र के नाम पर जारी तानाशाही की गाड़ी तेजी से दौड़

रही है। अवैध मार्ग से चुनाव जीतकर तानाशाह सत्ता में आते हैं और हमेशा के लिए कुर्सी से चिपककर बैठ जाते हैं। दुनियाभर में और हिंदुस्तान में यही चल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी 'ईवीएम' हैक करके बीजेपी लोकसभा चुनाव जीतती है। बीजेपी की लोकप्रियता और विजय का रहस्य उस 'ईवीएम' में है। इसलिए इस पद्धति को बंद करके फिर से बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं।

'ईवीएम पर लोगों का विश्वास नहीं'

सामना में लिखा गया है कि पिछले सात सालों से हमारे देश का विपक्ष ईवीएम बंद कराने की मांग कर रहा है। सभी को 'ईवीएम' पर संदेह है, क्योंकि इसपर लोगों का विश्वास नहीं रहा है। जिस चुनाव प्रणाली पर लोगों का विश्वास नहीं वहां का लोकतंत्र खतरे में है, ऐसा माना जाता है, लेकिन भारत के चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति ने 'ईवीएम' बंदी की मांग को हर बार ठुकरा दिया। विश्व भर में 'ईवीएम' बंद हो गई है, लेकिन भारत और बांग्लादेश जैसे देश में यह चलती रही। अब बांग्लादेश में भी 'ईवीएम' पर पाबंदी लगा दी गई है और आगामी आम चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएंगे, ऐसी घोषणा बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने की है।

बांग्लादेश में जनवरी 2024 में होंगे चुनाव

बांग्लादेश में आम चुनाव जनवरी 2024 में होने वाले हैं और मतदान बैलेट पेपर पर कराए जाएंगे। भारत में लोकतंत्र को कुचला जा रहा है फिर भी हमारे द्वारा ही निर्माण की गई सीमा से सटा एक राष्ट्र विपक्ष की मांग पर 'ईवीएम' बंद करता है और लोकतंत्र की रक्षा के लिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने जा रहा है। यह उस देश के शासकों की ईमानदारी और निडरता को दर्शाता है। लोगों के मन से शंकाएं दूर होनी चाहिए। निर्भय और पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न हो, इसके लिए ईवीएम की बजाय मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराने का फैसला बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने लिया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके चुनाव आयोग की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

ईवीएम से लोकतंत्र पर निशाना

भारत में लोकतंत्र के नाम पर अंधेरा बढ़ रहा है, लेकिन सीमापार उम्मीद की किरणें जगी हैं। उन्हीं किरणों से हमारे देश को प्रेरणा मिलेगी। हमारे देश में 'ईवीएम' बंद करने की बात कहने वालों को देशद्रोही या मोदी विरोधी ठहराया जाता है। 'ईवीएम' में गड़बड़ी है और घोटाला हो सकता है। बांग्लादेश ने जो हिम्मत दिखाई वह बीजेपी दिखाए। तब वे असली मर्द हैं। ईवीएम के खिलाफ शरद पवार के नेतृत्व में सभी विपक्षी दल एकजुट हुए। उन्हें बांग्लादेश से प्रेरणा लेनी चाहिए। बीजेपी को जीत दिलाने वाली राक्षसी मशीन को अब हमेशा के लिए बंद हो जाने दो! बांग्लादेश का अभिनंदन!

नशे में धुत यात्री

इंडिगो फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलने के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नशे में धुत एक 40 वर्षीय यात्री ने दिल्ली-बेंगलुरु इंडिगो फ्लाइट के आपातकालीन द्वार के फ्लैप को कथित तौर पर खोलने की कोशिश की। जिसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इंडिगो एयरलाइंस की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये घटना शुक्रवार सुबह करीब सात बजकर 56 मिनट पर आईजीआई हवाईअड्डे से उड़ान भरने वाली फ्लाइट संख्या 6ई 308 में हुई। इस घटना का विवरण देते हुए इंडिगो ने कहा, दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली उड़ान 6ई 308 में यात्रा कर रहे एक यात्री ने नशे की हालत में आपातकालीन एग्जिट के फ्लैप को खोलने की कोशिश की। एयरलाइंस ने कहा, इस उल्लंघन को नोटिस करने पर, बोर्ड पर मौजूद चालक दल ने कप्तान को सतर्क किया और यात्री को सावधान किया गया। उड़ान के सुरक्षित संचालन पर कोई समझौता नहीं किया गया। बेंगलुरु पहुंचने पर यात्री को सीआईएसएफ को सौंप दिया गया।

गो फर्स्ट फ्लाइट में 1 घंटे से भी ज्यादा यात्रियों को करना पड़ा 'पायलट' का इंतजार

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई से दिल्ली जा रही गो फर्स्ट फ्लाइट में पायलट की लापरवाही ने यात्रियों को एक घंटे से भी ज्यादा देर तक परेशान किया। आईएएस अधिकारी सोनल गोयल ने कैप्टन के फ्लाइट में समय से मौजूद नहीं होने पर गो फर्स्ट एयरलाइन की आलोचना की है। उन्होंने यात्रियों की फोटो ट्वीट कर लिखा है, "जी ओफर्स्टएयरवेज द्वारा उड़ान संचालन की अप्रत्याशित और दयनीय हैंडलिंग। फ्लाइट जी 8 345 मुंबई से दिल्ली के लिए 22:30 बजे प्रस्थान करने वाली थी। 1 घंटे से अधिक की देरी और यात्री विमान के अंदर फंसे हुए हैं। एयरलाइन स्टाफ का कहना है कि कैप्टन उपलब्ध नहीं है।" गोयल ने दूसरे ट्वीट में लिखा है, "यदि कप्तान उपलब्ध नहीं है। सभी यात्रियों को फ्लाइट में क्यों चढ़ाया गया। बोर्ड पर छोटे बच्चों, महिलाओं और वृद्ध यात्रियों के साथ। वे फ्लाइट में खाने के लिए पानी के अलावा कुछ भी नहीं परोस रहे हैं। पहले उड़ान में देरी के बारे में किसी भी माध्यम से कोई बातचीत नहीं थी।" इस पर गो फर्स्ट एयरलाइन ने माफी मांगते हुए कहा है, "हाय सोनल, हम आपको सुनते हैं और आपको हुई देरी के लिए क्षमा चाहते हैं। हम समय पर एयरलाइन चलाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं; हालांकि, अप्रत्याशित घटनाएं कभी-कभी हमें चुनौती देती हैं। क्षमा करें, यह आपकी उड़ान के साथ हुआ। भविष्य में हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे।"

गलत खबरें चलाना सही नहीं

एनसीपी नेता अजित पवार ने मीडिया पर जताई नाराजगी

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने 'अजीत पवार नॉट रीचेबल' की खबर पर सफाई देते हुए बेवजह बदनामी करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पूरे महाराष्ट्र में लगातार दौरे हो रहे थे। भीड़ में ठीक से आराम नहीं मिल रहा था। गरमी और ठीक से नींद न आने के कारण पित्त की समस्या बढ़ गई और तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि मैंने दौरा छोड़कर डॉक्टर की सलाह पर दवाई ली और जीजाई के पुणे स्थित आवास पर आराम कर रहा था। अजित पवार ने कहा, बिना किसी औचित्य के कोई किसी को कितना बदनाम कर सकता है, इसकी एक सीमा होती है। माना कि हम सार्वजनिक व्यक्ति हैं इसलिए मीडिया को हमारे बारे में रिपोर्ट करने का अधिकार है। लेकिन बिना किसी सत्यापन के गलत खबरें चलाना सही नहीं है। अजित पवार ने मीडिया को सलाह दी कि वह सुनिश्चित करके ही खबरें चलाएं। उन्होंने कहा कि मीडिया में अपने बारे में खबरें देखकर वो व्यथित हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव का महिलाओं के पहनावे पर विवादित बयान

इंदौर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियां बटोरते ही रहते हैं। इस बार बीजेपी नेता का लड़कियों के पहनावे को लेकर बेतुका बयान सामने आया है। उन्होंने लड़कियों के पहनावे को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने जैन समाज के एक कार्यक्रम में लड़कियों के पहनावे को लेकर उन्हें शूर्पणखा बताया है। विजयवर्गीय ने कहा लड़कियां इतने गंदे कपड़े पहनकर निकलती हैं। महिलाओं को हम देवियां कहते हैं, लेकिन उनमें देवी का स्वरूप ही नहीं दिखता। वे इंदौर के एयरपोर्ट रोड स्थित महावीर बाग में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं आज भी जब निकलता हूं, पढ़े-लिखे नौजवानों, बच्चों को झूमते हुए देखता हूं तो सच में ऐसी इच्छा होती है कि पांच-सात ऐसे दूं कि उनका नशा उतर जाए। सच कह रहा हूं, भगवान की कसम। हनुमान जयंती पर झूठ नहीं बोलूंगा। लड़कियां भी इतने गंदे कपड़े पहनकर निकलती हैं कि। अपन महिलाओं को देवी बोलते हैं। उनमें देवी का स्वरूप ही नहीं दिखता। बिल्कुल शूर्पणखा लगती है। सच में अच्छा सुंदर भगवान ने शरीर दिया है, जरा अच्छा कपड़ा पहनो यार। बच्चों में आप संस्कार डालिए। मैं बहुत चिंतित हूं।'

कुतुब परिसर की मस्जिद में नमाज़ पढ़ने की मांग

सुप्रीम कोर्ट में वक़्फ़ बोर्ड की याचिका ख़ारिज

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली वक्फ बोर्ड की प्रबंधन समिति की उस याचिका पर सुनवाई करने से साफ मना कर दिया है, जिसमें उसने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। दरअसल, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुतुब परिसर में स्थित मुगल मस्जिद में नमाज पर प्रतिबंध के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के आदेश के विरुद्ध आगे सुनवाई करने से इन्कार कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अब सुप्रीम कोर्ट ने भी वक़्फ़ बोर्ड की याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की बेंच ने हाई कोर्ट के 7 मार्च के आदेश के खिलाफ वक्फ की याचिका को देखने के बाद यह फैसला लिया है। अदालत ने अपने 5 अप्रैल के आदेश में कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष पहले से लंबित मामले में दखल देने का हमें कोई उचित आधार नहीं मिला। लिहाजा विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए हम उच्च न्यायालय से लंबित मामले पर सुनवाई करने और जितनी जल्दी हो सके उसके गुणदोष के आधार पर कानून के अनुसार, फैसला करने का आग्रह करते हैं।

श्रीनगर: अपराधी या आतंकवादी नहीं हूं

पासपोर्ट के लिए लड़ना जारी रखूंगी- इल्तिजा मुफ्ती

श्रीनगर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा को दो साल के लिए पासपोर्ट जारी किए जाने के एक दिन बाद कहा कि वह आतंकवादी या अपराधी नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा एक प्रतिकूल रिपोर्ट के बाद पासपोर्ट के लिए उसके आवेदन को मंजूरी नहीं मिलने के बाद उन्होंने फरवरी में जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय का रुख किया था। उनके पासपोर्ट की अवधि 2 जनवरी को समाप्त हो गई थी और उसने पिछले साल 8 जून को नए सिरे से आवेदन किया था। अदालत ने क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) को मामले को देखने का निर्देश दिया। इसके बाद इल्तिजा उच्च अध्ययन के लिए जाना चाहती हैं।

उनका कहना है कि उनको एक पासपोर्ट जारी किया गया है जो 5 अप्रैल, 2023 से 4 अप्रैल, 2025 तक वैध है। आरपीओ द्वारा अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को लिखे एक पत्र के अनुसार कश्मीर के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी दविंदर कुमार और सीआईडी ने न्यायपालिका को गुमराह किया है। इल्तिजा ने कहा, मुझे जारी किया गया पासपोर्ट दो साल का पासपोर्ट है और यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यह केवल संयुक्त अरब अमीरात के लिए वैध है। कहा कि वह एक भारतीय नागरिक और कानून का पालन करने वाली हैं। कोई कानून नहीं तोड़ा है। इल्तिजा ने दावा किया कि यहां तक कि दो साल का पासपोर्ट जारी करने के लिए भी मेरे खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम लागू किया गया है। यह अधिनियम आमतौर पर जासूसी के लिए लागू किया जाता है।

इल्तिजा ने कहा, मैं किरण पटेल की तरह भगोड़ा या ठग नहीं हूं। पीडीपी प्रमुख की बेटी ने आरोप लगाया कि उनके साथ एक शातिर अपराधी की तरह व्यवहार किया जा रहा है। अपनी याचिका वापस लेने के दबाव के बावजूद अदालत में अपना केस लड़ती रहेंगी। डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ताहिर माजिद शम्सी ने अदालत से मेरी याचिका को खारिज करने के लिए कहा है क्योंकि मुझे पासपोर्ट जारी किया गया है। लेकिन, यह कौन सा पासपोर्ट है? उसने दावा किया कि सीआईडी ने अदालत से कहा कि वह उसका पासपोर्ट नहीं रोक रही है और मेरे किसी भी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं कर रही है।

इल्तिजा ने कहा, विदेश यात्रा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है और मुझे उस अधिकार से वंचित किया जा रहा है। यह मेरे साथ हो रहा है क्योंकि मैं एक पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी हूं। मैं पासपोर्ट की हकदार नहीं हूं क्योंकि महबूबा मुफ्ती मेरी मां हैं। मैं पासपोर्ट की हकदार हूं क्योंकि मैं कानून का पालन करने वाली नागरिक हूं। पूछा कि क्या उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज की गई है या क्या उनके खिलाफ कोई आरोप है कि उन्हें इस अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी को सजा सुनाने वाले जज को दी खुली धमकी

कहा- सत्ता आते ही काटेंगे जीभ

डिंडीगुल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला के कांग्रेस अध्यक्ष मणिकंदन गुरुवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान आपा खो बैठे। उन्होंने राहुल गांधी को सजा देने वाले जज की जीभ काटने की धमकी तक दे दी। उन्होंने 6 अप्रैल को पार्टी द्वारा किए जा रहे एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि जब हमारी सत्ता आएगी हम राहुल गांधी को जेल भेजने के लिए फैसला सुनाने वाले जज की जीभ काट देंगे। डिंडीगुल पुलिस ने बताया कि इस मामले को लेकर मणिकंदन के खिलाफ आईपीसी 153बी सहित तीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इसे लेकर जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस की एससी/एसटी विंग तमिलनाडु के डिंडीगुल में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अयोग्यता का विरोध कर रही थी। इस दौरान जिला प्रमुख मणिकंदन ने कहा कि 23 मार्च को सूरत अदालत के न्यायाधीश ने हमारे नेता राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा सुनाई। सुनिए, जस्टिस एच वर्मा जब भी कांग्रेस सत्ता में आएगी तब हम आपकी जीभ काट देंगे। दरअसल, 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में 23 मार्च को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने धारा 504 के तहत राहुल को दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट ने फैसले पर अमल के लिए 30 दिन की मोहलत भी दी थी। 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है?' इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

कपड़ा शोरूम में लगी भीषण आग

रेवाड़ी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी शहर में शनिवार सुबह एक कपड़े के शोरूम में भीषण आग लग गई। आगजनी की वजह से पूरा शोरूम जलकर खाक हो गया। शोरूम में रखे लाखों रुपए के कपड़े भी जल गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मॉडल टाउन थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार, रेवाड़ी शहर के दिल्ली रोड पर पेट्रोप पंप के सामने एक व्यक्ति ने 2 दुकानों में एक बड़ा कपड़ा शोरूम खोला हुआ है। शनिवार सुबह अचानक बंद दुकान के शटर के नीचे से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। सड़क से गुजर रहे व्यक्ति ने धुआं निकलता देख पास के ही एक मकान में सूचना दी। जिसके बाद दुकान मालिक तुरंत मौके पर पहुंचा और दमकल विभाग को सूचित किया। जैसे ही दुकानदार ने शटर खोला तो दुकान के अंदर से आग की लपटें निकलनी शुरू हो गईं। सूचना के कुछ देर बाद ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक आगजनी की वजह से दुकान में रखा आधा से ज्यादा माल जलकर राख हो चुका था। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दमकल अधिकारी मामचंद शर्मा ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 9 बजे आगजनी की सूचना मिली थी, उसके तुरंत बाद मौके पर पहुंचे, जहां 2 दुकानों में बने कपड़े के शोरूम में आग लगी हुई थी। मौके पर दमकल की 2 गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

भारतीय सेना का सच जान भौचक सीजेआई चंद्रचूड़, एएसजी से बोले

सबसे ऊपर वाले को भी बता देना, चीजें ठीक नहीं हुईं तो छोड़ूंगा नहीं

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना में महिला अफसरों के प्रति कैसा भेदभाव किया जा रहा है, आज सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को जब पता चला तो वो भौचक रह गए। उन्होंने डिफेंस मिनिस्ट्री को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि अपना घर दुरुस्त कर लो, नहीं तो ठीक नहीं होगा। सीजेआई महिला अफसरों के प्रति किए जा रहे भेदभाव को जान इतने ज्यादा गुस्से में आ गए कि उन्होंने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को मौखिक रूप से कहा कि जो सबसे ऊपर बैठा है उसे भी बता देना कि अगर हमारे फैसलों को दरकिनार करने की कोशिश भी कि तो बुरा अंजाम भुगतना होगा। दरअसल सीजेआई को सुनवाई के दौरान बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद सेना ने महिला अफसरों को प्रमोशन में दरकिनार करने के लिए नए नियम गढ़ दिए हैं। इन बैरियर्स की वजह से महिला अफसरों को पदोन्नति के मामले में पुरुष अफसरों से पीछे रहना पड़ रहा है। सीजेआई सच जानकर भौचक थे। सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि अभी हम केवल नोटिस दे रहे हैं। चीजें ठीक नहीं हुईं तो हम आपको सबक सिखाने से गुरेज नहीं करेंगे। उनका कहना था कि अपने ऊपर वालों को बता दो कि वो सब कुछ अपने आप ठीक कर लें। नहीं तो हम अवमानना की कार्रवाई शुरू करेंगे। अगली बार अगर आपने हमें कुछ और बताकर गुमराह करने की कोशिश भी की तो हम आपको सही से काम करने का तरीका भी बता देंगे। सीजेआई ने

सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसलों का हवाला देकर कहा कि आप हमारे आदेश को भी नहीं मान रहे हैं। ये सब नहीं चलने वाला है।

सेना में तैनात महिला अफसरों की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे सीजेआई

दरअसल सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला सेना में तैनात महिला अफसरों की याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। इसमें कहा गया था कि बेशक भारतीय सेना महिलाओं को कमीशन अफसर के तौर पर नियुक्त कर रही है। लेकिन प्रमोशन और कमांड पोस्टिंग में उनके साथ भेदभाव किया जाता है। महिला अफसरों का कहना था कि एसीआर के नियमों को तोड़मरोड़ करके उनके साथ ये भेदभाव किया जा रहा है। प्रमोशन के मामले में पुरुष अफसरों को महिला अफसरों पर तरजीह दी जाती है। महिला अफसरों की तरफ से पेश वकील ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी हवाला दिया। महिला सैन्य अफसरों ने लेफ्टिनेंट कर्नल नितिशा बनाम केंद्र सरकार के केस में अपनी याचिकाएं दायर की थीं। मार्च 2021 में उस केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने सेना में महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन देने को लेकर केंद्र को कुछ दिशा निर्देश जारी किए थे। 2020 के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय सेना का महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देने का फैसला गैर कानूनी है। हालांकि उसके बाद सेना ने महिलाओं को कमीशन अफसर के तौर पर शामिल करने का रास्ता तो खोला। अलबत्ता अब विवाद उनको सहूलियतें देने को लेकर है।

सीनियर एडवोकेट बोले- सुप्रीम कोर्ट के फैसले को नहीं मान रही सेना

सीनियर एडवोकेट वी मोहना ने पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि बेशक महिलाओं को अब सेना में कमीशन अफसर के तौर पर शामिल किया जा रहा है लेकिन उनको उनके अधिकारों से महरूम रखा जा रहा है। उनके प्रमोशन का फैसला करने के लिए सेना ने कोई सिलेक्शन बोर्ड तक नहीं बनाया है। उनका कहना था कि नितिशा मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का ये सरासर उल्लंघन है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 20 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.3 2080 रविवार, 9 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

बौखलाए हुए हैं परिवारवादी : पीएम मोदी

शनिवार को पीएम ने सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया। साथ में हैं राज्यपाल डॉ. तामिलसाई सुंदरराजन, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी।

हैदराबाद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तेलंगाना पहुंचे। पिछले 14 महीने में वे पांचवीं बार यहां आए। पीएम ने यहां सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह तेलंगाना से आंध्र प्रदेश के लिए दूसरी वंदे भारत ट्रेन है। 3 महीने पहले प्रधानमंत्री ने सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत लॉन्च की थी।

11 हजार 300 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। प्रधानमंत्री ने यहां जनसभा को संबोधित भी किया। उन्होंने पहले विकास योजनाओं का जिक्र किया फिर इशारों-इशारों में भ्रष्टाचार और परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा, परिवारवाद वाले हर चीज पर नियंत्रण चाहते हैं, लेकिन मोदी ने भ्रष्टाचार पर प्रहार कर दिया है। इससे परिवारवादी ताकतें बौखला गई हैं। सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के मनमाने इस्तेमाल को लेकर 14 विपक्षी दलों की याचिका 5 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी। इस पर पीएम ने तंज किया और कहा, कुछ लोग तो भ्रष्टाचार पर हो रही कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा मांगने सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए थे, लेकिन कोर्ट ने उन्हें झटका दे दिया और उन्हें वहां से उल्टे पांव लौटना पड़ा।

तेलंगाना में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। यहां मुख्य मुकाबला बीआरएस और भाजपा के बीच तय है। ऐसे में पीएम ने इशारों-इशारों में राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि केंद्र के ज्यादातर प्रोजेक्ट्स में राज्य सरकार से सहयोग ना मिलने के कारण देरी हो रही है और इस से नुकसान तेलंगाना के लोगों का हो रहा है। मेरा राज्य सरकार से आग्रह है कि वो विकास से जुड़े किसी कार्य में कोई बाधा ना आने दे।

तेलंगाना को एम्स देने का सौभाग्य भी हमारी सरकार को ही मिला है। पीएम ने परिवारवाद को लेकर भी बोला। निशाने पर तेलंगाना के सीएम और कांग्रेस थी। हालांकि पीएम ने किसी का नाम नहीं लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की कोशिशों के बीच मुझे एक बात की बहुत पीड़ा है, बहुत दुःख, बहुत दर्द होता है। ऐसे लोगों को देश के हित और समाज के भले से कोई लेना-देना नहीं है, ऐसे लोग केवल अपने कुनबे को फलता-फूलता देखना पसंद करते हैं। तेलंगाना को ऐसे लोगों से बहुत सतर्क रहना है।

>14

पीएम मोदी चेन्नई-कोयंबटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चेन्नई स्टेशन पर चेन्नई-कोयंबटूर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से दोनों शहरों के बीच ट्रेन यात्रा के समय में एक घंटे से अधिक की कमी आएगी। यह ट्रेन दोनों शहरों के बीच की दूरी 5 घंटे 50 मिनट में तय करेगी। मोदी ने ट्रेन में स्कूली बच्चों से भी बातचीत की।

इसके पहले मोदी ने चेन्नई एयरपोर्ट पर बने नए इंटीग्रेटेड टर्मिनल का उद्घाटन किया। उन्होंने एयरपोर्ट से चेन्नई रेलवे स्टेशन तक रोड शो किया। 10 किमी के इस शो के दौरान सड़क के किनारे खड़े लोगों ने फूल बरसाकर पीएम का स्वागत किया। पीएम ने भी कार के अंदर से ही हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

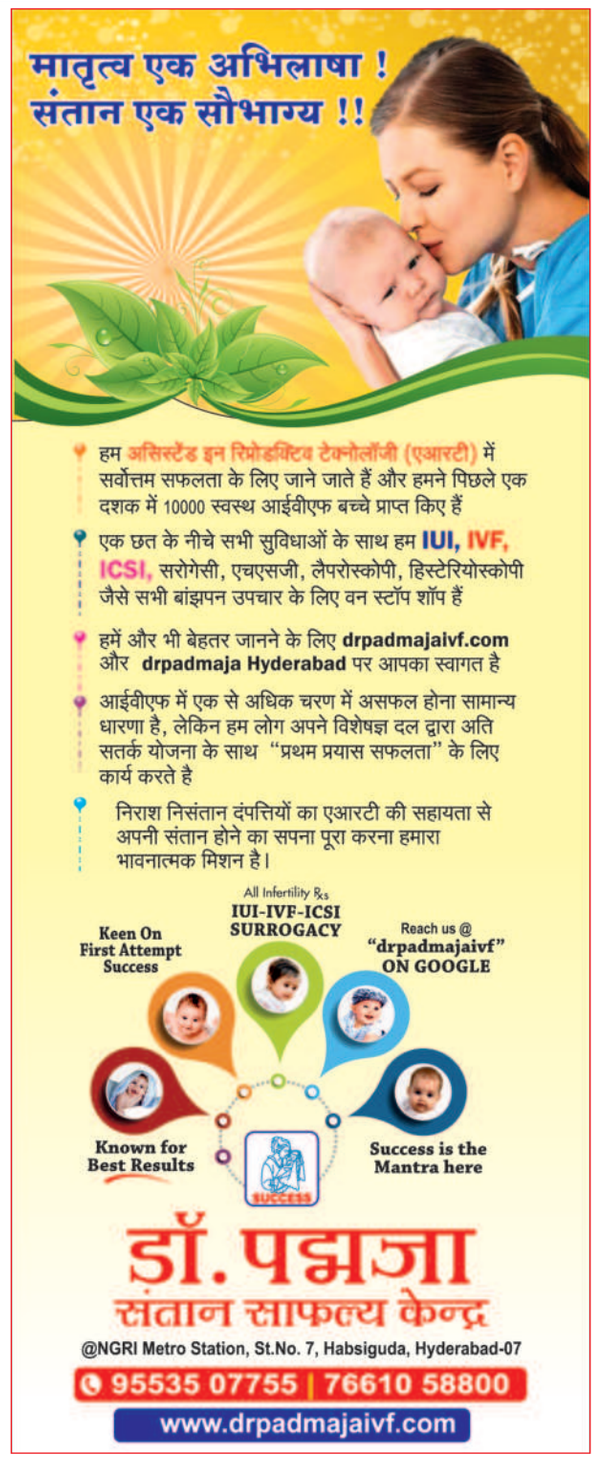

राहुल ने 5 पूर्व कांग्रेसियों को अदाणी से जोड़ा

गुलाम, सिंधिया एंटनी का जिक्र किया, कहा- मैं हर कीमत चुकाने को तैयार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को अडाणी के मुद्दे पर फिर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सच्चाई छिपाते हैं, इसलिए रोज भटकाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अडाणी की कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपये बेनामी पैसे किसके हैं? राहुल ने इसके अलावा कांग्रेस के पूर्व 5 नेताओं को भी अडाणी से जोड़ा। उन्होंने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की।

इसमें पांच नेताओं के नाम का जिक्र किया। इसमें अडाणी के 'ए' अक्षर के साथ गुलाम (नबी आजाद), डी अक्षर के साथ सिंधिया (ज्योतिरादित्य), 'ए' के साथ किरण (रेड्डी), 'एन' के साथ हिमंता (बिस्व सरमा) और 'आई' के साथ अनिल (एंटनी) लिखा गया। उन्होंने कहा कि मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं।

देश के प्रति अदाणी-अंबानी के योगदान को देखें : शरद पवार

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने अदाणी मुद्दे पर जेपीसी के गठन की मांग को लेकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से बार-बार संसद में उठाई जा रही इस मांग से खुद को अलग करते हुए कहा कि इससे कुछ खास फायदा नहीं होगा। पवार ने आगे कहा, मेरी पार्टी ने अदाणी मुद्दे पर जेपीसी का समर्थन किया है, लेकिन मुझे लगता है कि जेपीसी पर सत्तासीन पार्टी का कब्जा रहेगा, इसलिए इससे सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी। तो मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाला पैनल ज्यादा बेहतर तरीके से सच्चाई सामने ला सकता है।

पवार ने आगे कहा, आज कल अंबानी-अदाणी का नाम सरकार की आलोचना के लिए इस्तेमाल होने लगा है, लेकिन हमें यह देश के लिए उनके योगदान के बारे में सोचना चाहिए। मुझे लगता है कि हमारे लिए बेरोजगारी, महंगाई और किसानों का मुद्दा ज्यादा अहम है। एनसीपी प्रमुख ने 2024 आम चुनाव से पहले विपक्षी दलों की एकता को लेकर भी अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों ने इस मुद्दे पर एक संयुक्त बैठक की। जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कुछ मसलों पर हमारी सहमति नहीं थी और हमने उन बातों को लेकर अपने विचार भी रखे।

सत्ता में वापसी करेगी कांग्रेस : सिद्धारमैया

बेंगलुरू, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता सिद्धारमैया को विश्वास है कि राज्य में 10 मई 2023 को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी। एक इंटरव्यू में सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा विधायक कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, यह राज्य की भाजपा सरकार में लोगों का विश्वास खोने का संकेत है।

10 मई के चुनाव में बहुमत हासिल करने के सवाल पर सिद्धारमैया ने कहा कि हम 100 प्रतिशत जीतेंगे। इस बार कांग्रेस को बहुमत मिलेगा और वह अपने दम पर सत्ता में वापसी करेगी। क्या आपको डर है कि कुल 224 सीटों में से अगर आप 120 या 125 जीत जाते हैं तो भी 13 से 14 विधायक भाजपा में चले जाएंगे? इस सवाल के जवाब में सिद्धारमैया ने कहा, ऑपरेशन कमल हमेशा सफल नहीं हो सकता। इस बार भाजपा कोशिश करेगी तो बुरी तरह फेल हो जाएगी। मैंने कई बार प्रदेश का दौरा किया है। इस बार कांग्रेस के पक्ष में लहर साफ दिख रही है।

पहले भारतीय गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी के पड़पोते भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व नेता और देश के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी. राजगोपालाचारी के पड़पोते सीआर केशवन भाजपा में शनिवार को शामिल हो गए। गौरतलब है, सीआर केशवन ने फरवरी में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

पार्टी में शामिल होने के बाद सीआर केशवन ने कहा कि मैं अपने घर के ऐसे लोगों को जानता हूं, जिन्हें पीएम आवास योजना के जरिए पक्के घर मिले। अब तक तीन करोड़ घर बन चुके हैं। एक बार अमित शाह ने कहा था कि डीबीटी पहले 'डीलर ब्रोकर ट्रांसफर' था, लेकिन अब यह 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' हो गया है। यानी पहले डीलर की मदद से लोगों को घर दिए जाते थे, लेकिन अब सीधे पात्र लोगों को इसका लाभ दिया जाता है। सीआर केशवन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना त्यागपत्र भेजा था। सीआर केशवन ने इस्तीफे में लिखा था कि वह पार्टी के लिए बीते दो दशकों से काम कर रहे हैं लेकिन अब उन मूल्यों में कमी आई है, जो उन्हें पार्टी के लिए काम करने के लिए प्रेरित करते थे। केशवन ने लिखा कि पार्टी जो मौजूदा वक्त में दिख रही है, उसके साथ वह सहज महसूस नहीं कर रहे हैं। केशवन ने लिखा कि इसी वजह से उन्होंने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले पार्टी के लिए कार्यक्रम की जिम्मेदारी नहीं उठाई और ना ही वह भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। केशवन ने लिखा कि अब समय आ गया है कि वह नए रास्ते पर आगे बढ़ें और इसलिए वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। केशवन ने तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी को भी अपना इस्तीफा भेज दिया है।

सीआर केशवन ने 2001 में कांग्रेस की सदस्यता ली थी। इस दौरान वह राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ डेवलेपमेंट के उपाध्यक्ष पद पर भी रहे। सीआर केशवन ने सोनिया गांधी को धन्यवाद दिया और अपने परदादा सी. राजगोपालाचारी के प्रति भी आभार जताया। इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए सीआर केसवन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मुझे पार्टी छोड़ने के बाद कांग्रेस पर कोई टिप्पणी करनी चाहिए। मैं कांग्रेस में चल रही राजनीति में सहज महसूस नहीं कर रहा था। ऐसे में पार्टी को छोड़ना ही सही था, जो मैंने आज कर दिया।

समुद्र में चीन से हमें बड़ा खतरा : सीडीएस

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान की एक रिपोर्ट कहती है कि समुद्र में भारत को चीन और पाकिस्तान से बड़ा खतरा है। लेकिन हम जिस अंदाज में अपनी तैयारी कर रहे हैं उसे देखकर लगता नहीं कि हम उनका मुकाबला करने की स्थिति में हैं। जनरल चौहान ने ये बात पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी ऑफ डिफेंस को भेजी अपनी मानी है। उनका कहना है कि नंबर्स के मामले में चीन की नेवी दुनिया में सबसे बड़ी है। जबकि पाकिस्तान अपने दोस्त चीन की मदद से जिस रफ्तार से अपनी नेवी को मजबूत करने का काम कर रहा है वो हमारी तुलना में बहुत ज्यादा बेहतर है। जनरल चौहान ने भारत की नौ सेना का ब्योरा देते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया कि हमारे पास मौजूदा समय में 131 जहाज हैं। हमारा टारगेट 200 जहाज तैयार करने का है। लेकिन हम जिस रफ्तार से चल रहे हैं, उसे देखकर वो इतना ही कह सकते हैं कि आंकड़ा 155-160 तक रह पाएगा। उनका कहना है कि जहाजों की संख्या के मामले में ये आंकड़ा अच्छा नहीं कहा जा सकता।

संसद के सत्र में रखी गई रिपोर्ट में जनरल चौहान ने कहा कि अगले चार-पांच सालों में चीन के जहाजों की तादाद 555 तक पहुंच जाएगी। जनरल चौहान ने अपनी रिपोर्ट में चीन और पाकिस्तान का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। उनके जिक्र वाली जगह को खाली छोड़ दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि चीन के पास मौजूदा समय में 355 जहाज हैं।

एक दशक पहले की बात की जाए तो चीन की नौ सेना के पास 250 जहाज थे। लेकिन अपनी लगातार तैयारियों की वजह से उसका बेड़ा दुनिया में सबसे बड़ा हो चुका है। जनरल चौहान ने कहा कि चीन के 5 से 9 जहाज हिंद महासागर में मौजूद हैं। इसके अलावा रिसर्च से जुड़े उसके जहाज भी इस इलाके में सक्रिय हैं। जनरल चौहान का कहना है कि ये हमारी सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। रिपोर्ट में पाकिस्तान के बारे में कहा गया है कि उसकी तैयारी हमसे कहीं बेहतर है।

पवन खेड़ा ने तीनों केसों को खारिज करने की मांग की

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी के मामले में फंसे कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपील की है कि उनके खिलाफ दर्ज तीनों मामले खारिज किए जाए। हाईकोर्ट ने तीनों मामलों के शिकायतकर्ताओं के साथ यूपी सरकार से जवाब तलब किया है।

मामले की सुनवाई छह मई को की जाएगी। कोर्ट ने पवन खेड़ा की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि जब उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने ही प्रोटक्शन दे रखी है तो हमें इसके लिए पवन खेड़ा को अंतरिम राहत देने की जरूरत महसूस नहीं होती। जवाब मिलने के बाद हम केसों के बारे में फैसला करेंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 9 अप्रैल, 2023 4

युविचार

खुशनसीब है वो हाथ जो किसी के मुश्किल के वक्त सहारा बन जाये!

वर चाहिए

जैन सुंदर कन्या 25 वर्षीय हैदराबाद निवासी (Upper Middle Class Family) को तलाश हैं अच्छे परिवार से वर की कृपया संपर्क करे
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

पंजाबी 26 वर्षीय सुन्दर, साधारण कन्या (Upper Middle Class Family) हैदराबाद निवासी परिवार को वर की तलाश है
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

30 वर्षीय, अग्रवाल शिक्षित तलाकशुदा सुंदर कन्या हैदराबाद निवासी, अच्छे परिवार से विवाह के लिए संपर्क करे।
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

माहेश्वरी सुंदर, शिक्षित कन्या 24 वर्षीय (Upper Middle Class Family) हैदराबाद निवासी अच्छे परिवार से विवाह के लिए
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

अग्रवाल सुंदर कन्या 24 वर्षीय, शिक्षित (Upper Middle Class Family) हैदराबाद निवासी अच्छे परिवार से विवाह के लिए
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

Agarwal Rich Family from Hyderabad 23 Years Girl is looking for a suitable match
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

Jain Beautiful Girl 1998 Born Resident of Hyderabad Affluent Family is looking for a Very Good Business man Profile Kindly
संपर्क : (080-69072069)

वर चाहिए

हैदराबाद निवासी, ब्राह्मण परिवार की 25 वर्षीय घरेलू कन्या के विवाह हेतु अच्छे परिवार के वर की तलाश है ।
संपर्क : (080-69072069)

वधु चाहिए

ब्राह्मण 29 वर्षीय लड़का M.tech शिक्षित, Software Engineer के पद पर, हैदराबाद में अपना मकान, पुत्र हेतु योग्य, सुंदर, सुशील कन्या की तालाश!
संपर्क : (080-69072069)

सीपीआई नेताओं ने पीएम के शहर के दौरे पर नाराजगी जताई

किया प्रदर्शन, कई लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी ने आलोचना की कि यह शर्म की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र विभाजन के अपने किसी भी वादे को लागू किए बिना तेलंगाना राज्य का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा राज्य की उपेक्षा कर तेलंगाना के लोगों के साथ विश्वासघात कर रही है और जनता विश्वासघात करने वाली पार्टियों को उचित सजा देगी। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में विभाजन गारंटी के कार्यान्वयन में केंद्र सरकार के लापरवाह रवैये के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैदराबाद यात्रा के विरोध में भाकपा राज्य परिषद के आह्वान पर, भाकपा हैदराबाद जिला परिषद ने शनिवार को सत्यनारायण रेड्डी भवन पर एक प्रदर्शन का आयोजन किया। पहले प्रदर्शन को बाधित करने के लिए सैकड़ों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और सुबह से ही सत्यनारायण रेड्डी भवन की घेराबंदी कर दी गई थी।

चाडा वेंकट रेड्डी, भाकपा तेलंगाना राज्य सचिवालय सदस्य ई.टी. नरसिम्हा, भाकपा हैदराबाद के जिला सचिव एस. छायादेवी, सहायक सचिव के. यादगिरी और बी. स्टालिन के साथ भाकपा के सैकड़ों कार्यकर्ता अचानक चारों ओर से आ गए और पुलिस घेरा तोड़कर सत्यनारायण रेड्डी भवन में प्रदर्शन किया। भाकपा कार्यकर्ताओं ने तख्तियां ले रखी थीं और 'मोदी हटाओ-देश बचाओ', 'मोदी गो बैक', 'द्विभाजन के वादों को लागू करना होगा' जैसे नारे लगाए।

पुलिस द्वारा प्रदर्शन को रोकने की कोशिश करने पर तनाव व्याप्त हो गया और उनके बीच गरमागरम बहस छिड़ गई। भाकपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प हो गई। कुछ प्रदर्शनकारियों ने हिमायत नगर मुख्य मार्ग पर धरना दिया। पुलिस ने बड़ी मेहनत से भाकपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया और उन्हें अलग-अलग थानों में ले गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, वेंकट रेड्डी ने अपनी चिंता व्यक्त की कि केंद्र तेलंगाना राज्य के प्रति लापरवाह हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना को बयाराम स्टील इंडस्ट्री, रेलवे कोच फैक्ट्री, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, ट्राइबल और माइनिंग यूनिवर्सिटी नहीं देकर केंद्र की बीजेपी सरकार तेलंगाना को धोखा दे रही है. उन्होंने चेतावनी दी कि विभाजन के वादों को पूरा करने के लिए जन आंदोलन तेज किया जाएगा। ई.टी. नरसिम्हा ने कहा कि मोदी सरकार राज्यों की उपेक्षा कर रही है और धार्मिक नफरत भड़का रही है और लोगों के बीच कलह पैदा कर राजनीति कर रही है. उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार जो धार्मिक राजनीति कर रही है, वह लोगों के कल्याण पर कोई ध्यान नहीं दे रही है और अडानी और अंबानी को सींग दे रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर हैदराबाद आने और तेलंगाना के लोगों को धोखा देने और विभाजन के वादों को लागू किए बिना विकास कार्यक्रमों का शिलान्यास करने का आरोप लगाया।

नरसिम्हा ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को नष्ट करने वाले प्रधानमंत्री मोदी को तेलंगाना आने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि रेलवे के निजीकरण के हिस्से के रूप में रेलवे विभाग ने एमएमटीएस ट्रेनों की पूरी तरह से उपेक्षा की, लोकप्रिय एमएमटीएस ट्रेनें अब ध्वस्त हो गई हैं और एमएमटीएस सेवाओं में भारी कमी के कारण यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मौजूदा एमएमटीएस ट्रेनों को यातायात के अनुसार चलाने के बजाय एमएमटीएस चरण 2 के हिस्से के रूप में 13 नई सेवाओं का शुभारंभ केवल प्रचार के लिए है।

भाकपा तेलंगाना राज्य सचिवालय के सदस्य वीएस बोस, भाकपा के वरिष्ठ नेता पी. प्रेम पावनी, एटक के राज्य सचिव बी. वेंकटेशम, भाकपा हैदराबाद जिला कार्यकारी सदस्य जी. चंद्र मोहन गौड़, पडला नलिनी, निलेंकांति श्रीकांत, शहर के नेता आर. मल्लेश, शमशुद्दीन, अरुतला राजकुमार , आर. बालकृष्ण, चैतन्य यादव, उमर खान, लतीफ, आरिफ खान और अन्य को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने की एसएससी उम्मीदवार को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में मदद, सम्मानित

नारायणपेट, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भवानी, जो शनिवार को एसएससी की गणित की परीक्षा देने जा रही थी, को जब पता चला कि वह गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गई है, तो उसकी सारी उम्मीदें खत्म हो गई। हालांकि, नारायणपेट पुलिस ने सही समय पर कदम उठाया और यह सुनिश्चित किया कि भवानी सही परीक्षा केंद्र पर पहुंचे, जो कि 30 किमी दूर था। यह एपिसोड तब शुरू हुआ जब भवानी 30 किमी दूर गर्ल्स हाई स्कूल, नारायणपेट के बजाय सुबह करीब 8.45 बजे मक्थल के गर्ल्स हाई स्कूल परीक्षा केंद्र पर पहुँची।

भवानी की बेचैनी और लाचारी देख केंद्र पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने मामले की जानकारी सर्किल इंस्पेक्टर सितय्या को दी। चूंकि परीक्षा शुरू होने में 30 मिनट बाकी थे, सीआई सितय्या ने कांस्टेबल अशोक को दोपहिया वाहन पर भवानी को गर्ल्स हाई स्कूल, नारायणपेटपर छोड़ने का निर्देश दिया, जिसे अशोक करने में सफल रहा।

परीक्षा केंद्र पर भवानी को छोड़ने के लिए कांस्टेबल अशोक को निर्देश देने के सीआई सितैया के दयालु भाव से प्रभावित होकर, नारायणपेट के एसपी एन. वेंकटेश्वरलू ने टीम के अच्छे काम की सराहना की। सीआई सितैया ने कांस्टेबल अशोक को 500 रुपये का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया। नारायणपेट जिला पुलिस द्वारा किए गए अच्छे काम और समय पर मदद की स्थानीय निवासियों द्वारा सराहना की जा रही है और इसकी सराहना की जा रही है।

मोदी और केसीआर दोनों एक सिक्के के दो पहलू : पोन्नला

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पोन्नला लक्ष्मैया ने गांधी भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के सरकारी कार्यक्रमों में बीजेपी ने राजनीति की है। पीएम मोदी आधिकारिक कार्यक्रमों में राजनीति की बात कर रहे हैं और राज्य सरकार इस पर चुप है। वास्तव में तेलंगाना के साथ क्या किया गया, यह कहा जाना चाहिए। अब सरकार को विभाजन गारंटी पर सवाल पूछना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और केसीआर दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं, क्योंकि दोनों ने जो कहा, वह नहीं किया। उन्होंने बताया कि करोड़ों गरीब और बेरोजगार आश्रित हैं। रोजगार गारंटी योजना के लिए धन कैसे कम किया गया? इस पर सवाल पूछा जाना चाहिए। मोदी हर समय हाथ हिला रहे हैं, ताली बजा रहे हैं, दीये जला रहे हैं। ये ऐसे शब्द नहीं हैं जो प्रधानमंत्री के पद पर बैठे व्यक्ति को बोलने चाहिए। इसअवसर पर युवा कांग्रेस नेता एसपी क्रांतिकुमार आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

भवन से कूदने के बाद होने वाली दुल्हन की हालत गंभीर

संगारेड्डी, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में जल्द ही दुल्हन बनने वाली एक युवती कथित तौर पर तीन मंजिला इमारत से कूद गई, क्योंकि दूल्हे के परिवार ने सगाई के बाद कथित तौर पर शादी से इंकार कर दिया।

पटनचेरु मंडल के नायकोटी बस्ती की रहने वाली यामिनी (23) की 15 दिन पहले अपने मौसेरे भाई से सगाई हुई थी। हालांकि, दहेज को लेकर विवाद तब पैदा हुआ जब दूल्हे के माता-पिता ने शादी करने से इंकार कर दिया।

बताया जा रहा है कि इन घटनाक्रमों से हताश यामिनी उदास हो गई और उसने इतना बड़ा कदम उठाया। उसे कई चोटें आईं और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

प्रधानमंत्री की उपेक्षा करना मुख्यमंत्री की ओर से शर्मनाक : बंडी

हवाई अड्डे पर पीएम नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार।

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष और करीमनगर के सांसद बंडी संजय कुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को राज्य की राजधानी में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होने के लिए जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री की बैठक के बाद सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सीएम केसीआर से मोदी के कार्यक्रमों में शामिल होने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि हमने मुख्यमंत्री के लिए एक विशेष कुर्सी आवंटित की है और मैं उन्हें सम्मानित करने के लिए एक शॉल भी लाया हूं।

संजय कुमार ने आश्चर्य जताया कि केसीआर के पास प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के अलावा और क्या महत्वपूर्ण काम है, जिसमें केंद्रीय मंत्रियों और राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने भाग लिया है। प्रधानमंत्री की उपेक्षा करना मुख्यमंत्री की ओर से शर्मनाक है। उन्हें तेलंगाना के लोगों से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। यह कहते हुए कि केसीआर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह राज्य के विकास में बाधा हैं, संजय ने कहा कि जनता उन्हें सबक सिखाने के लिए बाध्य है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह केवल चुनाव के समय राजनीति करेंगे, लेकिन चुनाव के बाद विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

उन्होंने राजनीति से इतर हजारों करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी। फिर भी, केसीआर ने इस कार्यक्रम से दूर रहने का फैसला किया। बंडी ने प्रधानमंत्री की सभा को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और हैदराबाद के लोगों का धन्यवाद किया।

एमएलसी चुनाव के बाद आंध्र प्रदेश में बदला राजनीतिक मिजाज

अब नेताओं में आत्मसम्मान बचाने की चुनौतियां

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में हुए एमएलसी चुनाव के बाद आंध्र प्रदेश में राजनीतिक मिजाज बदल गया है. तेलुगु देशम के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने नेल्लोर के वेंकटेश्वरपुरम में टीआईडीसीओ घरों के साथ एक सेल्फी लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को एक सेल्फी चुनौती दी।

चंद्रबाबू नायडू ने अपने ट्विटर हैंडल पर टीआईडीसीओ घरों के साथ अपनी सेल्फी पोस्ट की और वाईएस जगन मोहन रेड्डी को टैग करते हुए कहा, ये हमारी सरकार द्वारा नेल्लोर में गरीबों के लिए बनाए गए हजारों टीआईडीसीओ घर हैं। इन चार सालों में आपने कितने घर बनाए हैं? वे घर कहाँ हैं जिनका आपने वादा किया था?। ऐसा लगता है जैसे चंद्रबाबू नायडू अपने बेटे नारा लोकेश के नक्शेकदम पर चलते हुए सत्ता पक्ष पर सवाल उठा रहे हैं।

एसवीजीएस कॉलेज में टीडीपी क्षेत्रीय बैठक में भाग लेने के बाद, चंद्रबाबू नायडू ने वेंकटेश्वरपुरम में टीआईडीसीओ घरों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष टीडीपी सरकार द्वारा राज्य में जहां 4.50 लाख घरों का निर्माण किया गया था, वहां लाभार्थियों के लिए टीआईडीसीओ बनाने और सौंपने में विफल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जोनल बैठक में यह भी कहा कि राज्य के लोगों को मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर भरोसा नहीं करना चाहिए क्योंकि वह आंध्र प्रदेश को परेशान करने वाले "शनि" हैं। इससे पहले, केंद्र ने आंध्र प्रदेश सरकार को भी टीआईडीसीओ घरों को जल्द से जल्द पूरा करने का आदेश दिया था क्योंकि वह इसकी समय सीमा को आगे बढ़ा रही थी।

महापौर ने लड़कियों से कहा, 'पीरियड मैनेज करने के पुराने तरीकों से दूर रहें'

छात्राओं को मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी ने पीरियड्स के बारे में खुलकर बात करना अब वर्जित नहीं है, आइए पीरियड्स को मैनेज करने के पुराने तरीकों को छोड़ दें

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एनबीटी नगर के गवर्नमेंट हाईस्कूल की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी ने पीरियड्स के बारे में खुलकर बात करना अब वर्जित नहीं है, आइए पीरियड्स को मैनेज करने के पुराने तरीकों को छोड़ दें। बदलते समय के साथ आपको भी बदलना होगा। सैनिटरी पैड का इस्तेमाल करें। व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दें। उसने स्कूल की 100 से अधिक लड़कियों को संबोधित करते हुए कहा कि पीरियड्स एक प्राकृतिक और जैविक प्रक्रिया है और हर लड़की इस प्रक्रिया से गुजरती है। दर्द भी पीरियड्स से जुड़ा होता है। आपको इसका सामना करना चाहिए और आपको स्कूल भी जाना चाहिए। इससे पहले गडवाल विजयलक्ष्मी ने फिक्की महिला संगठन (एफएलओ) की अध्यक्ष रितु शाह के साथ सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और एक इंसीनरेटर का उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने लड़कियों को पैड भी बांटे। एफएलओ ने अपनी 'सस्टेन हर हेल्थ' पहल के तहत मशीन और पैड दोनों दान किए। वे बालिकाओं के लाभ के लिए नि:शुल्क पैड उपलब्ध कराते रहेंगे। समारोह में स्कूल की प्रधानाध्यापिका अनीता भी शामिल हुईं।

नगर को प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में जीएचएमसी की पहल

नगर में क्लॉथ बैग एटीएम शुरू किया गया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यह एटीएम अलग है। यह पैसा या कोला नहीं देता है, लेकिन प्लास्टिक से चलने वाले प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सबसे जरूरी हथियार है - एक कपड़े का थैला।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शनिवार को सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर बढ़ती चिंताओं को दूर करने और समुदाय में व्यवहारिक बदलाव लाने के लिए एनी टाइम बैग (एटीबी) का अनावरण किया। आईडीपीएल फ्रूट मार्केट में मशीन। और सबसे अच्छी बात यह है कि मशीन सौर ऊर्जा से चलती है। वेंडिंग मशीन में 500 कपड़े के बैग आ सकते हैं और प्रत्येक बैग में 5 किलो तक वजन हो सकता है। इसे वेंडिंग मशीन से 10 रुपये का सिक्का या नोट डालकर या यूपीआई के माध्यम से भुगतान करके भी प्राप्त किया जा सकता है।

नागरिक निकाय ने कपड़े के थैले बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के साथ करार किया है और बैगों को सिलने के लिए एसएचजी को आवश्यक सामग्री प्रदान करेगा। सिलाई के बाद वेंडिंग मशीन में लोड करेंगे। इस अनूठी पहल से स्वयं सहायता समूह औसतन प्रति माह लगभग 7,500 रुपये कमा सकते हैं।

जीएचएमसी कुक्कटपल्ली जोनल कमिश्नर, वी. ममता ने कहा कि वे शहर भर में कपड़े की थैलियां निकालने वाली मशीनें स्थापित करने के लिए क्षेत्रों की पहचान करने की प्रक्रिया में हैं, और बहुत जल्द ऐसी एक और मशीन जेएनटीयू रायथू बाजार के पास आएगी। जीएचएमसी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत मोवैट के सहयोग से आईडीपीएल फल बाजार में कपड़ा वेंडिंग मशीन स्थापित की। पहल का उद्देश्य दो मुख्य दबाव वाले मुद्दों को हल करना है, यानी एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करना और महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच बेरोजगारी के मुद्दों को कम करना।

एसएससी परीक्षा : ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर दो निरीक्षक कार्यमुक्त

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जयाशंकर भूपालपल्ली जिले में एसएससी सार्वजनिक परीक्षा के लिए जिला परिषद हाईस्कूल गोंडा के लिए तैनात किए गए दो निरीक्षकों को शनिवार को कर्तव्यों में लापरवाही के कारण कार्यमुक्त कर दिया गया। शनिवार को गणित की परीक्षा के लिए पंजीकृत सभी 4,92,269 नियमित छात्रों में, 99.63 प्रतिशत राज्य भर में 2,652 पर उपस्थित हुए हैं। इसी तरह, 3,397 निजी उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया और 2,326 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान कदाचार का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था। शासकीय परीक्षा निदेशालय के अनुसार चौथे दिन की परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हुई।

चोरी के आरोप में तीन नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार

वरंगल, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) पुलिस ने काकतीय यूनिवर्सिटी कैंपस पुलिस के साथ शनिवार को चोरी के आरोप में तीन नाबालिगों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से कुल 3.75 लाख रुपये मूल्य के 735 ग्राम सोने के गहने, नकदी व अन्य कीमती सामान बरामद किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में बी. नवीन, येल्थुरी नवीन और तीन नाबालिग शामिल हैं। जबकि बनोठ नवीन तीन किशोरों के साथ चोरी करने के लिए रात में घरों में घुस गया, येल्लुरी नवीन ने चोरी की संपत्ति प्राप्त की थी। पुलिस ने कहा कि नवीन शराब और गांजा पीने का आदी हो गया था और चोरी के जरिए आसानी से पैसा कमाना चाहता था। पार्वतगिरी मंडल के अमीनाबाद थंडा के मूल निवासी नवीन पिछले पांच वर्षों से हनमकोंडाके पेगडापल्ली डब्बालु इलाके में रह रहे थे जहां वे एक मजदूर के रूप में काम कर रहे थे। उसे पहले चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और जेल भेज दिया गया था। लेकिन जमानत पर रिहा होने के बाद उसने फिर से अपराध करना शुरू कर दिया। इंस्पेक्टर एल रमेश कुमार और केयूसी एसआई राजकुमार के नेतृत्व वाली सीसीएस पुलिस ने उन्हें तब पकड़ा जब वे पेगाडापल्ली डब्बलू के पास बाइक पर घूम रहे थे।

CLASSIFIEDS

FLAT FOR RENT

Flat for rent in domalguda st no 06 On second floor 2400sft fully furnished 3bhk
Contact 9849065081

चाहिए

अग्रवाल परिवार के लिए शुद्ध शाहाकारी भोजन बनाने वाली महिला की अवश्यकता है। स्थान दोमलगुडा, हिमायतनकर। संपर्क करे 8008722258

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आम सूचना

एतद्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि, मेरे मुवक्किल हरेकृष्ण सेनापति सुपुत्रः दामोदर सेनापति, निवास स्थलः 082, बालेश्वर, उडीसा, ने मकान मालिक एम. प्रणय तेजा सुपुत्रः एम. नरसिंग राव, निवास स्थलः13-3-603/डी/7, जियागुडा, हैदराबाद, तेलंगाना निवासी के साथ इकबालगंज, जियागुडा, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य के नीचली मंजिल व पहली मंजिल पर स्थित 149.0 स्के.याइर्ड या 124.56 स्के. मीटर्स अधिमापनयुक्त जीएचएमसी सं. 13-3-603/डी/7 तथा 13-3-603/डी/7/1 संबंधित संपत्ति जायदाद की खरीदी के लिए बिक्री समझौता (एग्रीमेंट आफ सेल) किया है। तत्संबंधित मकान मालिक को पर्याप्त बयाना राशि का भुगतान किया गया है। यदि कोई व्यक्ति(गण) को उपरोक्त संपत्ति जायदाद के प्रति कोई अधिकार जताते हैं, रुचि है या दावा है तो वे इस सूचना की प्रकाशन की तिथि से लेकर (07) दिनों के भीतर उचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें, अन्यथा बिक्री विलेख या सेल डीड की प्रक्रिया पूरी की जायेगी एवं इसके बाद प्राप्त किसी भी आपत्तियों पर कतई विचार नहीं किया जायेगा तथा उसे माफ कर दिया गया ऐसा समझा जायेगा।

हस्ता./-
टी.वी.एस. एसोसिएट्स
व्दारा ठाकुर विरेन्द्र सिंह
सत्येन्द्र सिंह-अजु सिंह-
एडवोकेट्स

दि. 08.04.2023

म.नं. 14-1-367/1, न्यू आगापूरा, हैदराबाद
फोन: 9908508133, 8919960413

अब हीटवेव की बारी

13 से 19 अप्रैल के बीच देश के इन हिस्सों में चलेगी लू

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार करवट बदल रहे मौसम के बीच अब भारतीय मौसम विभाग ने हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अपने अलर्ट में कहा है कि 13 से 19 अप्रैल के बीच उत्तर पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने ज्यादा जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान उत्तर पश्चिम भारत सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। हालांकि मध्य भारत के आंतरिक हिस्सों में तापमान के सामान्य से नीचे रहने की ही संभावना है।

'फिलहाल किसी पश्चिमी विक्षोभ की उम्मीद नहीं'

भारतीय मौसम विभाग में वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया, 'अब उत्तर पश्चिम भारत और मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों में गर्मी का असर देखने को मिलेगा। आंधी पूरी तरह से थम गई है और फिलहाल आने वाले कुछ दिनों में हमें किसी पश्चिमी विक्षोभ की उम्मीद नहीं है। तापमान भी अब सामान्य के करीब है, लेकिन एक सूखे जैसी स्थिति के जारी रहने के आसार हैं। इसकी वजह से गर्मी बढ़ेगी और करीब एक हफ्ते बाद उत्तर पश्चिम और पूर्वी भारत के अलग-अलग हिस्सों में लू की मार झेलनी पड़ सकती है।' आपको बता दें कि अभी आंतरिक महाराष्ट्र, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना और आंतरिक ओडिशा में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत, गुजरात, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की अगर बात करें तो यहां तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस कम हैं। इनके अलावा देश के बाकी हिस्सों में तापमान फिलहाल सामान्य के करीब ही है।

फिलहाल 5 दिन सामान्य रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने बताया कि अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान में 2 से 4 डिग्री का इजाफा होगा। हालांकि तेलंगाना, आंतरिक महाराष्ट्र, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और आंतरिक ओडिशा को अगर छोड़ दें तो देश के अधिकांश हिस्सों में ये तापमान की सामान्य स्थिति होगी। वहीं अगले पांच दिनों में देश के किसी हिस्से में फिलहाल लू चलने जैसी स्थिति के आसार नहीं हैं।

पानीपत में पुलिसकर्मी बोला- तेरी इज्जत लूटूंगा

पानीपत, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में पानीपत के गांव पसीन कलां में जमीनी विवाद में पुलिसकर्मियों ने पड़ोसी महिलाओं पर हमला कर दिया। आरोपियों ने महिलाओं से छेड़छाड़ करते हुए उनके कपड़े फाड़े, छीना झपटी कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों के घरों की महिलाएं भी वारदात में शामिल रहीं। साथ ही एक आरोपी ने महिला से कहा कि वह पुलिस में है और उसकी इज्जत लूटेगा। मौके पर बुलाई गई डायल 112 पुलिस ने पीड़ित महिलाओं को किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचाया। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पुलिसकर्मियों समेत 18 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 148, 149, 323, 354 व 506 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

बीजेपी ज्वाइन करने की मिली सजा

बंगाल की तीन आदिवासी महिलाओं से करवाई दंडवत परिक्रमा?

कोलकाता, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने राज्य की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर आदिवासी महिलाओं के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता ने कहा कि ये आदिवासी महिलाएं बीजेपी में शामिल हुई थीं। जिसके बाद सजा के रूप में उनसे दंडवत परिक्रमा कराई गई। इसके बाद जबरन उन्हें टीएमसी में शामिल कराया गया। मजूमदार ने कहा, टीएमसी ने उनका (आदिवासी समुदाय) अपमान करने के लिए सब कुछ किया। मैं देश भर के आदिवासी समुदाय के सभी लोगों से पार्टी के खिलाफ विरोध करने की अपील करता हूं, क्योंकि वे आदिवासी विरोधी हैं।

शेयर किया वीडियो

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो ट्वीट किया है जिसमें तीन महिलाएं जमीन पर लेटकर परिक्रमा करती दिखाई दे रही हैं। शुक्रवार (7 अप्रैल) को वीडियो शेयर करते हुए मजूमदार ने लिखा, "तपन गोफानगर की मार्टिना किसकू, शिउली मार्डी, ठकरान सोरेन और मालती मुर्मी ने कल बीजेपी ज्वाइन की थी। वे आदिवासी समुदाय से संबंध रखती हैं। आज टीएमसी के गुंडों ने उन्हें वापस टीएमसी में जाने को मजबूर किया और सजा के तौर पर उन्हें दंडवत परिक्रमा करने को कहा।" उन्होंने आगे लिखा, "टीएमसी ने बार-बार आदिवासियों का अपमान किया है। यह तो हद ही हो गई। यह घोर निंदनीय है। हम दृढ़ता से अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़े हैं और उनकी रक्षा के लिए सब कुछ करेंगे।"

बीजेपी और टीएमसी में तनाव

पिछले कुछ दिनों से बीजेपी और टीएमसी में वार और पलटवार का खेल चल रहा है। खासतौर पर रामनवमी के दिन शोभायात्रा को लेकर हिंसक झड़पों के बाद दोनों दलों ने एक दूसरे पर हमले तेज किए हैं। बीजेपी ने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में एक खास समुदाय को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। वहीं, टीएमसी नेता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा नेताओं पर राज्य में हिंसा करवाने का आरोप लगाया है।

मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था बदहाल

थाने में घुसकर पुलिस कर्मियों को पीटा, तीन बंदियों को छुड़ा ले गए

भोपाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के जिन राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं, उन राज्यों में वहां की सरकारें कानून व्यवस्था को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करती हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है। इसकी एक बानगी मध्य प्रदेश में देखने को मिली है। बुरहानपुर जिले के नेपानगर पुलिस थाने में भीड़ ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। इस दौरान बकड़ी वन चौकी से गिरफ्तार एक आरोपी समेत तीन बंदियों को छुड़ा ले गए। बताया जा रहा है कि रात में पुलिस थाने में चार पुलिस कर्मी थे, इसी दौरान बड़ी संख्या में लोग थाने में घुसे और उन पर लाठियों से हमला कर दिया। यह पूरी घटना स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हमले में तीन पुलिसकर्मी उपनिरीक्षक गुलाब सिंह, अजय मालवीय और एक अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस बात से आंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य में कानून व्यवस्था की क्या हालत है। थाने में भी पुलिस कर्मी सुरक्षित नहीं होंगे तो आखिर कहां होंगे? फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

प्रोजेक्ट टाइगर के 50वीं सालगिरह पर मैसूर जाएंगे पीएम मोदी

तीन दिवसीय कार्यक्रम का करेंगे उद्घाटन

बेंगलुरु, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मैसूर में 'प्रोजेक्ट टाइगर' के 50 साल पूरे होने के अवसर पर एक मेगा इवेंट में बाघ जनगणना के लेटेस्ट आंकड़े जारी करेंगे। इस मौके पर वह 'अमृत काल' के दौरान बाघ संरक्षण के लिए सरकार का विजन भी जारी करेंगे और इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए) भी लॉन्च करेंगे।

बिग कैट्स की होगी सुरक्षा और संरक्षण

आईबीसीए दुनिया की सात प्रमुख बड़ी प्रजातियों बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता को आश्रय देने वाले देशों के साथ मिलकर काम करेगा। प्रधानमंत्री सुबह चामराजनगर जिले में बांदीपुर टाइगर रिजर्व का दौरा करेंगे और संरक्षण गतिविधियों में शामिल फ्रंटलाइन फील्ड स्टाफ और स्वयं सहायता समूहों के साथ बातचीत करेंगे। वह तमिलनाडु की सीमा से लगे चामराजनगर जिले के मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू हाथी शिविर का भी दौरा करेंगे और हाथी शिविर के महावतों और 'कावड़ियों' से भी बातचीत करेंगे। पीएम मोदी टाइगर रिजर्व के क्षेत्र निदेशकों के साथ भी बातचीत करेंगे जुलाई, 2019 में, प्रधानमंत्री ने वैश्विक नेताओं के साथ गठबंधन कर मांग को समाप्त करनेर का आह्वान किया था और एशिया में अवैध शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार पर दृढ़ता से अंकुश लगाया था। प्रधानमंत्री के संदेश को आगे बढ़ाते हुए आईबीसीए की शुरुआत की जा रही है। मोदी 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल के स्मरणोत्सव' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे, जिसके दौरान वे 'बाघ संरक्षण के लिए अमृत काल का विजन' प्रकाशनों का विमोचन करेंगे। इसके साथ ही, टाइगर रिजर्व के प्रबंधन प्रभावी मूल्यांकन के 5वें चक्र की सारांश रिपोर्ट, बाघों की संख्या की घोषणा और सारांश जारी करेंगे। 1 अप्रैल को 50 साल पूरे करने वाले 'प्रोजेक्ट टाइगर' के प्रमुख ने कहा कि भारत का लक्ष्य विकास और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए बाघ आबादी को बनाए रखना है। अतिरिक्त वन महानिदेशक एस पी यादव ने यह भी कहा कि हालांकि, बेहतर तकनीक और सुरक्षा तंत्र के कारण बाघों का शिकार काफी हद तक कम हो गया है, लेकिन यह अभी भी बड़े कैट्स के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसके अलावा, आवास विखंडन और गिरावट भी एक समस्या है।

भारत में 53 टाइगर रिजर्व

भारत ने बाघ संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक अप्रैल, 1973 को 'प्रोजेक्ट टाइगर' लॉन्च किया गया था। शुरुआत में, इसमें 18,278 वर्ग किमी में फैले नौ टाइगर रिजर्व शामिल थे। वर्तमान में, 75,000 वर्ग किमी से अधिक में फैले 53 टाइगर रिजर्व हैं। भारत में लगभग 3,000 बाघ हैं, जो वैश्विक जंगली बाघों की आबादी का 70 प्रतिशत से अधिक है और यह संख्या प्रति वर्ष छह प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। यादव ने कहा कि 'प्रोजेक्ट टाइगर' स्थानीय लोगों के लिए सालाना 45 लाख से अधिक मानव-रोजगार पैदा करता है। इसके अलावा, सरकार पर्यावरण-विकास समितियों और स्वयं सहायता समूहों का समर्थन कर रही है।

घर में संदिग्ध हालत में मिला नगर निगम कर्मी का शव, मृतक के आस-पास लगा था शराब की बोतलों का ढेर

ग्वालियर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर में बीती रात एक फ्लैट में नगर निगम कर्मचारी का संदिग्ध हालत में शव मिलने से सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि फ्लैट में बदबू आने के कारण पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जब पुलिस मौके पर पहुंची तो फ्लैट के अंदर कमरे में जमीन पर नगर निगम कर्मचारी का शव पड़ा मिला। मृतक कर्मचारी धनंजय पांडे शहर की सिटी सेंटर स्थित पाम रेसीडेंसी में रहता था। पुलिस ने कर्मचारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया है कि शहर के सिटी सेंटर इलाके में पाम रेसीडेंसी में नगर निगम में कर्मचारी धनंजय पांडे रहता था। धनंजय नगर निगम की जन कार्य विभाग में सुपरवाइजर के पद पर तैनात था और वह अपनी फैमिली के साथ फ्लैट में रहता था। लेकिन बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले मृतक धनंजय की पत्नी अपने मायके चली गई थी और वह घर पर अकेले थे। शुक्रवार की रात जब उनके फ्लैट से बहुत तेज बदबू आ रही थी तो उसी बिल्डिंग में रहने वाले अन्य परिवार काफी परेशान हुए और इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद रात लगभग 11:00 बजे पुलिस मृतक धनंजय के फ्लैट पर पहुंची तो देखा कि बाहर से दरवाजा बंद था और फ्लैट के अंदर के दरवाजे खुले हुए थे। उसके बाद जब पुलिस फ्लैट के अंदर पहुंची तो निगम कर्मचारी धनंजय का शव बेडरूम के अंदर पड़ा था और शव के आसपास देसी क्वार्टर भी पड़े हुए थे। पुलिस को अंदेशा है कि ज्यादा शराब पीने के कारण कर्मचारी की मौत हुई है फिलहाल पुलिस ने फॉरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाकर जांच कराई और उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है

संसद से भी 'गायब' रहे सनी देओल, मात्र 2 दिन आए नजर

गुरदासपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के गुरदासपुर से बीजेपी सांसद सनी देओल को लेकर एक बड़ी बात सामने आई है। उनके ऊपर अपने लोकसभा क्षेत्र में ना जाने के आरोप तो अक्सर लगते ही रहे है। अब पता चला है कि वो अपने लोकसभा क्षेत्र गुरदासपुर से नहीं बल्कि संसद से भी दूर ही रहे है। उनकी संसद में ओवरऑल अटेंडेंस महज 20 फीसदी रही है। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ और 6 अप्रैल को समाप्त हुआ। इस बजट के दौरान 23 बैठकें हुई। इन 23 बैठकों में से सनी देओल सिर्फ दो दिन के लिए उपस्थित हुए यानी की 21 दिन वो संसद से गायब रहे।

ओम बिरला से की थी एक्शन की मांग

फिल्म अभिनेता सनी देओल ने 2019 में राजनीतिक सफर का आगाज किया था। गुरदासपुर से बीजेपी की सीट पर 84 हजार वोट सनी देओल ने जीत तो दर्ज कर ली, लेकिन कभी अपने लोकसभा क्षेत्र गुरदासपुर लौटकर नहीं गए। इससे वहां के लोगों में आक्रोश बढ़ता गया तो विपक्षी पार्टियों के नेता भी इसे मुद्दा बनाने लगे। वहीं अब कुछ महीने पहले ही गुरदासपुर के लोगों ने पत्र लिखकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से सनी देओल की सदस्यता रद्द करने की मांग की थी। पत्र में कहा गया था कि गुरदासपुर की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें चुना था लेकिन वो यहां की समस्याओं का समाधान नहीं कर पाए। इसलिए उन्हें अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द की जाए।

गुमशुदगी के भी लग चुके हैं पोस्टर

वहीं आपको बता दें कि सनी देओल उनके लोकसभा क्षेत्र में लोगों का विरोध समय-समय पर नजर आता रहा है। गुरदासपुर में सनी देओल की गुमशुदगी के पोस्टर भी लगाए जा चुके है। गुरदासपुर लोकसभा क्षेत्र के लोगों द्वारा ही राष्ट्रपति को पत्र लिखकर सनी देओल की लोकसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की जा चुकी है। पत्र में कहा गया था कि गैर जिम्मेदार लोकसभा सदस्य को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है।

जींद में राजकीय स्कूल में किशोर से कुकर्म

जींद, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद जिले के अलेवा थाना के अंतर्गत एक गांव में 15 वर्षीय किशोर के साथ राजकीय स्कूल के बाथरुम में 2 युवकों ने कुकर्म किया। अलेवा थाना पुलिस ने पीड़ित किशोर की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ कुकर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलेवा थाना इलाका गांव के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 15 वर्षीय बेटा शुक्रवार शाम को स्कूल में खेलने के लिए गया हुआ था। उसी दौरान गांव के ही दो युवक उसे बहला-फुसलाकर स्कूल में बने बाथरुम में ले गए। वहां पर दोनों युवकों ने उससे बारी-बारी से कुकर्म किया। किशोर घर लौटा तो उसकी तबीय खराब हो गई। परिजनों ने उससे पूछताछ की तो वारदात का पता चला। उसके बेटे ने दोनों युवकों की करतूत के बारे में उसे बताया।

किताब में अब्बू अम्मी छापने से छिड़ गया विवाद, क्या है पूरा मामला

देहरादून, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के देहरादून में एक हिंदू बच्चा अचानक अपने माता-पिता को अम्मी-अब्बा बुलाने लगा। इस बात से परिजन काफी परेशान थे कि आखिर बच्चे ने मम्मी-पापा की जगह अम्मी-अब्बू बोलना कहां से सीखा। परिजनों ने जब बच्चे की किताब देखी तो उन्हें समझ आया कि ऐसा क्यों हो रहा है। इसके बाद परिजनों ने किताब को लेकर आपत्ति दर्ज करते हुए डीएम से शिकायत करते हुए किताब पर बैन लगाने की मांग की है। फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है। वहीं इस मामले से परिजनों के अलावा हिंदू संगठन ने आपत्ति जताई है। जानकारी के मुताबिक, सात साल का एक हिंदू बच्चा आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध देहरादून के एक निजी स्कूल में पढ़ता है। वह कक्षा दो का छात्र है। स्कूल में अंग्रेजी की किताब गुलमोहर चलती है। किताब के एक चैप्टर में फादर का अर्थ अब्बू और मदर का अर्थ अम्मी लिखा है। इस चैप्टर को पढ़ने के बाद बच्चा भी अपने परिजनों को अम्मी-अब्बू कहकर पुकारने लगा। जिसको लेकर परिजनों ने आपत्ति जताई। परिजनों का कहना है कि उन्होंने पहले स्कूल की प्रिंसिपल से शिकायत की थी, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। जिसके बाद उन्होंने अब जिला प्रशासन से शिकायत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह किताब ओरियंट ब्लैक स्वान पब्लिशर हाउस हैदराबाद की है। इस मामले पर स्कूल की प्रिंसिपल निशा शर्मा का कहना है कि यह किताब पिछले 2 साल से उनके स्कूल में चल रही है। पहली बार किसी बच्चे के परिजन ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि आईसीएसई के ही करिकुलम के हिसाब से ही उन्होंने यह किताब स्कूल में लगाई है। परिजनों ने जिलाधिकारी से शिकायत के बाद मुख्य शिक्षा अधिकारी को इस मामले की जांच सौंपी गई है। शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी का कहना है कि किसी अभिभावक ने शिकायत की है कि किताब में अब्बू और अम्मी का जिक्र है। यह किस परिपेक्ष्य में किया गया है।

मुरैना में किसान कंपनी के नकली पाइप बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा, पांच करोड़ का माल बरामद

मुरैना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली से आई किसान इरीगेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के कर्मचारियों की टीम ने शनिवार को मुरैना में किसान कंपनी के नकली पाइप बनाने वाली फैक्ट्री पर छापामार कार्रवाई की है। टीम को फैक्ट्री तथा पांच अलग-अलग दुकानों से करीब पांच करोड़ का माल मिला है। यह कार्रवाई दिल्ली कोर्ट के द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री में कर्मचारी काम करते हुए मिले। इन फैक्ट्रियों में किसान ऊर्जा, किसान सुप्रीम, किसान शक्ति और किसान के आगे पीछे जोड़कर पाइप बनाये तथा बेचे जा रहे थे। किसान इरीग्रेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की लीगल एडवाइज़र तथा नवकार एसोसिएट्स की अधिवक्ता नम्रता जैन ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से कंपनी की सेल एकदम डाउन हो गई थी। पड़ताल के दौरान पता चला कि, मुरैना व ग्वालियर में पहले की अपेक्षा माल बहुत कम जा रहा है, जबकि वहां पर किसान पाइप की डिमांड पहले की अपेक्षा काफी बढ़ गई है। इसके बाद मुरैना व ग्वालियर में कंपनी के कर्मचारियों ने आकर देखा तो मुरैना तथा बानमोर में कुछ दुकानों पर किसान कंपनी के पाइप बड़ी संख्या में रखे हुए है। उनकी बारीकी से पड़ताल की गई तो पता चला कि इन पाइपों पर किसान ऊर्जा, किसान सुप्रीम, किसान शक्ति और किसान के आगे पीछे जोड़कर पाइप बेचे जा रहे हैं, जो कि किसान पाइप की तरह ही दिखता है। यह किसान इरीगेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के रजिस्टर्ड व्यापार चिन्ह और रजिस्टर्ड कॉपीराइट स्टाइल का उल्लंघन है। इसके बाद किसान इरीगेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के द्वारा दिल्ली वाणिज्यिक न्यायायलय में नवकार एसोसिएट्स के अधिवक्ता नम्रता जैन, विजय सोनी, निवेदिता दास द्वारा वाद दायर किया गया। उस पर सुनवाई करते हुए दिल्ली कोर्ट ने लोकल कमिश्नर नियुक्त कर कार्रवाई के निर्देश दिए। दिल्ली कोर्ट द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर मोहित मलिक के नेतृत्व में लोकल पुलिस के सहयोग से मुरैना और बानमोर में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान टीम सबसे पहले मुरैना स्थित मुकुंद इंडस्ट्रीज पर पहुंची। यहां पर फैक्ट्री का गेट अंदर से बंद था। काफी आवाज देने के बाद भी किसी ने गेट नहीं खोला तो दीवार फांदकर अंदर दाखिल हुए। फैक्ट्री के अंदर कर्मचारी काम कर रहे थे। टीम को देखते ही उनमें भगदड़ मच गई। यहां पर कार्रवाई के दौरान करीब तीन करोड़ के नकली पाइप मिले। माल जब्त करने के बाद फैक्ट्री मालिक को बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आया। इसके बाद फैक्ट्री को सीज कर बानमोर में टीम जगह तथा मुरैना में दो जगह दुकानों पर कार्रवाई की गई। इनके नाम बिहारी पाइप, अग्रवाल पाइप, राहुल ट्रेडिंग तथा मोदी इंडस्ट्रीज है। टीम में सभी जगह से करीब पांच करोड़ रुपये का माल बरामद कर फैक्ट्री व दुकानों को सीज करने की कार्रवाई की है।

हरियाणा में नेशनल हाईवे पर भयानक सड़क हादसा, पंजाब के 4 लोगों की मौत

करनाल, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। करनाल में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंजाब के 4 लोगों की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और घायलों को इलाज के लिए नागरिक अस्पताल करनाल में दाखिल कराया।

सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि दुर्घटना से थोड़ी देर पहले ही पुलिस ने सभी को कार हाइवे से हटाकर खड़े होने के लिए कहा था लेकिन उन लोगों ने पुलिस की बात को नजरअंदाज कर दिया। करनाल थाना सदर प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली थी कि करनाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर तरावड़ी के पास सड़क हादसा हो गया है।

किन्नरों में विवाद: गुरु रेखाबाई ने चेले पर लगाए आरोप

कहा- पूर्वजों के जेवर ले गई, मकान भी करवा लिया अपने नाम

उज्जैन, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के खाचरौद नगर की पुरानी किन्नर रेखाबाई गुरु रहमतबाई (उम्र 60 वर्ष) शुक्रवार शाम को अचानक अपने 20 से ज्यादा किन्नरों के साथ थाना खाचरौद पहुंची और चेले कुमकुम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक आवेदन देकर पूरे मामले की वैधानिक जांच करने की बात कही है। खाचरौद शहर की बुजुर्ग किन्नर रेखाबाई ने आवेदन के माध्यम से थाना प्रभारी को बताया कि वह और कुमकुम किन्नर 10 वर्ष से साथ रह रही थी। जिसने रेखाबाई को बिना बताये उनके मकान की रजिस्ट्री खुद के नाम पर करवा ली। जिसकी जानकारी मैंने मेरे साथियों एवं मेरे चेले आशुबाई को भी दी थी। अभी कुछ दिनों पहले हमारे साथी एवं मेरी चेली आशुबाई मेरे खाचरौद स्थित घर पर आयी थी, तो मैंने उसे घर में रहने के लिये अनुमति दे दी थी, इसी बात पर कुमकुमबाई ने मुझसे विवाद किया था।

पूर्वजों का सोना-चांदी लेकर भाग गई कुमकुम

वृद्ध किन्नर रेखाबाई ने चेले कुमकुम बाई पर खाचरौद स्थित मकान से पूर्वजों का सोना-चांदी के जेवर तथा रुपये लेकर खाचरौद से फरार होने का आरोप लगाया है। रेखाबाई ने बताया की कुमकुम हम लोगों के समाज में जगह-जगह फोन कर इस बात का आरोप लगा रही है कि हम लोगों ने उसके साथ मारपीट की है। बुजुर्ग किन्नर रेखा बाई ने बताया कि इस घटना के संबंध में इंदौर से पायल बाई, सपना बाई एवं मंदसौर से अनिता बाई उर्फ राहुल, दलौदा से हसीना बाई उर्फ ताईद उज्जैन से कसीस बाई कालुखेड़ा से दिपिका बाई, पिपलोदा से बिंदिया बाई, प्रताप गढ़ से जुलीबाई, निलोफर बाई कपासन आदि द्वारा हम लोगों को फोन पर बोला जा रहा है कि तुम लोगों ने कुमकुम के साथ मारपीट की है, अभी हम लोग आकर खाचरौद में तुम लोगों पर हमला करेंगे। इस हेतु मैं तथा मेरी चेला आशुबाई व पिंकीबाई काजलबाई, संतोषबाई, मुस्कानबाई, लक्ष्मीबाई, प्रियाबाई, जोधाबाई, सुनिताबाई । पायलबाई, रीना, रोशनी, भारती, कोमल, वासु रेशमा मौना कोयल, मीनाबाई के साथ आकर थाने पर सूचना दी है। वैसे इस मामले की खाचरौद पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। बुजुर्ग किन्नर रेखाबाई ने अपनी गादी आशु किन्नर को सौंपने की बात भी मीडिया से कही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि खाचरौद क्षेत्र में कुमकुम किन्नर बधाई लेने आए तो उसे बधाई नहीं दी जाए।

दुनिया में तेरा है बडा नाम : ओमप्रकाश

अतुल कुमार

हिंदी फिल्मों के गानों ,संवादों और कथाओं को लोकप्रियता मिली . लेकिन ऐसा बहुत कम हुआ कि कैरेक्टर ऐक्टर और कामेडीयन के सीन को बंपर सक्सेस मिली हो जो अभी तक बनी हुई है . पिछले दिनों सोशल मीडीया के मंचों पर इस दिलचस्प दृश्य ने बहुत धूम मचायी जो 57 साल पुरानी फिल्म से है पूरे साउंड एफेक्ट्स व मिमिक्री के बीच कामेडीयन महमूद डरावनी कथा कैरेक्टर ऐक्टर ओमप्रकाश को सुनाते हैं .स्टोरी को सुनते हुए ओमप्रकाश जिस बेहतरीन अदाकारी को पेश करते हैं वह अनूठी है . इसे सुनते हुए प्रतिकृयात्मक हाव भाव को जिस खूबी से अदा किया वह सिनेमा जगत का कभी न भुलाया जाने वाला मनोरंजक दृश्य बना . इसे निभाते हुए डर को वह निगलते हैं जो उनकी अभिनय कला की उम्दा मिसाल को ज़ाहिर करता है . सीन को सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ बीस दृश्यों में एक माना गया .हारर का वर्णन करते हुए दृश्य कामेडी की ओर दर्शकों को अपने फ्लो से लबरेज़ कर हंसा – हंसा देता है . कभी फुर्सत हो तो रोचक सीन को देखिये . गौर तलब है सीन में कथा सुनाने वाले से अधिक सुनने वाले ने (बिना किसी संवाद) के बाज़ी मारी और अभिनय कला से दर्शकों को मुग्ध किया .फिल्म थी " प्यार किये जा "

छठवें और सातवें दशक की फिल्मों में उनके अभिनय की तूती बोलती गुद्दाने , बहलाने और इमोशनल बनाने में कोई सानी नहीं था .

अभिनय का किला इतना खूबसूरत कि कहीं कोई कमी नहीं दीखती फुल टाईम पास . पर्दे पर जिस भाव को प्रस्तुत करते दर्शक उनके संग हो लेते फिल्म "शराबी "के फूलचंद तथा " नमक हलाल " के दद्दू को कोई कैसे भुला सकता है ! फिल्म " जूली " के फैमिली सांग " माई हार्ट इस बीटिंग " में जिस अनमोल अभिनय को खेला उसने गाने को लाइवली बना यादगार बनाया .

फिल्म उद्योग को जिन आर्टिस्टों ने अपने यादगार काम से सिंचित ,सृजित और चमत्कृत किया उनमें ओमप्रकाश अग्रणी अभिनेताओं में रहे .मुश्किल यह है कि नायक नायिकाओं के दबदबे के बीच उन चरित्र अभिनेताओं को याद तक नहीं किया जाता जिन्होंने फिल्मों को

जानदार बनाया . कामेडी की आइकानिक फिल्म " चुपके चुपके " के रौबीले जीजा जी के रोल को जिस प्रभावी शैली में सजीव बनाया उसकी चर्चा अभी भी होती है . फिल्म " ज़ंज़ीर " में नज़र आए . उनका चरित्र ही कहानी को ट्विस्ट देता है . अपने समय की बंपर हिट फिल्म थी जिसने अमिताभ बच्चन को महानायक बनाया .फिल्म " दिल अपना और प्रीत परायी" के दिल छूने वाले सीन जहां वह कैन्सर के मरीज़ बने हैं ,बचने की संभावना नहीं है नर्स आपरेशन थियेटर में जाने के लिये उन्हें तैयार कर रही है उस लंबे सीन को हंसी और दुख के जिस चरम को वह पिरोते हैं उसे दर्शक कौतुहल और जज़्बाती हो उस कैरेक्टर से सिंपैथी रखने लगते हैं . यह किसी भी बडे अवार्ड के मिलने से कुछ कम नहीं है कि आडियंस उनसे दिल लगा बैठें .ओमप्रकाश ने अपने अभिनय कौशल से यही किया .

फिल्मों में चरित्र अभिनेताओं को मिलने वाली रेंज को खूब जानते जितना मौका मिलता उसे हृदय स्पर्शी बनाते .फिल्म " बुड्ढा मिल गया "और " चुपके चुपके " में कहानियों के केंद्र में खूंटा गाडे खडे थे नतीजा दोनों ही फिल्में सदाबहार बनीं .उनकी सबसे बडी खासियत थी कि कभी टाइप्ड न हो चले हुए रोल के पिछलग्गू नहीं बने . हर बार मिली भूमिका को असरदार बनाया .बेशक आज हिंदी सिनेमा आगे बढा है लेकिन इसमें कई बेहतरीन अदाकारों के योगदान छिपे हैं .ओमप्रकाश उस उस युग के कलाकार थे जब दुनिया बदल रही थी लोगों में सामाजिक विपन्नता , जाइंट फैमिली कल्चर खत्म हो एकल परिवार संस्कृति जम रही थी तब लोगों के सुख दुख को जान पर्दे पर उनके किरदारों को खेल उनके संगी बने . निजी जीवन में रईस घराने से थे लेकिन अदाकारी में उसे कभी आडे आने नहीं दिया .

शुरू से क्रियेटिव सोच के धनी थे .बडे होने पर परिजनों ने कहा कुछ करो ! पहले लांड्री की दूकान रु16000 में खरीदी लेकिन मन नहीं लगा तो रु 7000 में बेच दी और आल इंडिया रेडियो के नाटकों में काम करने लगे मिमिक्री में उस्तादी थी जिससे लोग इंप्रेस होते उनकी खुशी को देख समझ गये कि जीवन में हास परिहास कितना मायने रखता है ऐक्टिंग में उसे तरह तरह से उतार दर्शकों के चहेते बने .पहली फिल्म " दासी " थी जिसने उन्हें रन वे प्रदान किया और आगे बढे . पर्दे पर इतना जलवा बिखेरा कि स्क्रीन पर आते ही दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बिखरती .

उनकी प्रमुख फिल्में " दस लाख " " अन्नदाता " " साधु और शैतान " " गोपी " ' आ गले लगा जा " " पडोसन " " दोस्त " " भरोसा " " मेरे हमदम मेरे दोस्त " " लावारिस " और " नौकर बीवी का " आदि हैं .अभिनय के हिसाब से दिलीप कुमार के साथ " गोपी " में उनकी भूमिका को अच्छा माना गया . दिलीप कुमार ने कहा भी कि " मैं अपने ऐक्टिंग कैरीयर में केवल एक बार डरा और वह "गोपी " के दौरान था जब ओमप्रकाश जी का प्रदर्शन मुझ पर भारी पडा " 19 दिसंबर 1919 को जन्मे ओमप्रकाश ने 307 फिल्मों में काम किया और वाह वाही पायी. फिल्म " लोफर " में गाये मार्मिक भजन " दुनिया में तेरा है बडा नाम " को गायक महेंद्र कपूर ने जितने दिलकश अंदाज़ में गाया उतने ही मर्म से ओमप्रकाश ने पर्दे पर अभिनित किया .

फिल्मों में काम करने के अलावा कुछ फिल्मों का निर्माण भी किया जिनमें " संजोग " " जहां आरा " और " गेट वे आफ इंडिया " आदि हैं .स्वतंत्रता के बाद मुंबई आ फिल्मों में काम पाने के लिये कडा संघर्ष किया कहा जाता है कि कई दिनों तक भूखे रहने के बाद एक दिन निराशा में होटल में जा खाना मंगवा भर पेट खाया और खा होटल मालिक के पास जा खडे हो गये कि बिल चुकाने के पैसे नहीं हैं जो चाहे वह उनसे कर सकता है ! होटल मालिक ने स्ट्रगलर पर दया कर यह कह छोड दिया कि कभी अपने सपनों का पीछा मत छोडना ! फिल्म मिली तो पहले मेहनताने में से कुछ राशि बजरंग बली के चरणों में अर्पित की जिनके अनन्य भक्त थे और वहां से जा होटल मालिक के खाने का बिल चुकाया.बाद में उसे बढावा भी दिया .

ओमप्रकाश के अंदर के अभिनेता का सबसे अच्छा दौर सातवें और आठवें दशक में था .फिल्म " परवाना " के दौरान अमिताभ बच्चन के अभिनय से प्रभावित हो उनको पिच किया और उनके संग काम करने के किसी भी मौके को नहीं गंवाया कई दिग्गज उनकी ऐक्टिंग के कायल थे जिनमें चार्ली चैपलीन ,पर्ल एस बक ,अशोक कुमार और पृथ्वी राज कपूर आदि .21 फरवरी 1998 को इस महान अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कहा लेकिन अपने पीछे उन फिल्मों की विरासत को छोडा जिनमें जीवन में आन लाइन हो रहे इंसान के लिये इंसानियत की आफ लाइन होती गाथाएं हैं .

काव्य कुंज

सपना

डॉ डी डी देसाई

किस बात से इतराते हो..?
किस बात का घमंड करते हो..?
" सपना " ही तो हो तुम
कितनी बार टूटोगे?
कुछ तो शरम करो.
कितनी बार बिखरोगे..?
थक गया हूँ मैं तेरे बिखरने से,
अधूरी ख्वाहिशों के दम तोड़ने से,
जिंदगी भर तुझे समेटते समेटते,
हाथों को छाले पड़ गये हैं।
कभी जिम्मेस्दारियों तले दबा हूँ,
सपना निभाते निभाते पीस गया हूँ।
हमेशा तुझे सराहने की कोशिश की हैं,
शिद्दत से तुझे भुनाने की कोशिश की हैं।
पर तूने तो मेरे साथ साजिश की है,
बार बार की हैंहर बार की हैं।
रुक जा जराअब न टूट,
पूरी होने दे मेरी ख्वाहिशें
जी लेने दे मुझे बिखरण से पहले,
देख लेने दे सपनों की नगरी,
भर लेने दे रंग जिंदगी में।
सोच ले इस बार..
टूटके बिखरने से पहले
संभाल जा अबकी बार..
मेरी हाय लगने से पहले.।

जिंदगी तुम हम और वो

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

जिंदगी हम एक दूसरे को बड़ा करते-करते
यहां तक आ गए हम
सब कुछ दांव पे लगाकर आ गए हम
मजे की बात तो यह है
तुझको देख जीते रहे हम
दुनिया की हर खुशी दुखों गम
प्यार मोहब्बत और अपनापन
खुद के लिए इकट्ठा करते रहे हम
और तू एक अच्छी बेटी की तरह
चुपचाप खड़ी देखती रही
किसी जलवाऐ पीर ने सही कहा था
चार पहर जीले फिर रुखसत होंएगे हम
जिंदगी सच बता तेरा मेरे घर आना
कैसा लगा
तू बहुत कुछ बताना सिखाना चाहती थी
पर मैंने तुझे वक्त नहीं दिया
खुद को सजने और सवरने में
मैंने वक्त बर्बाद है किया
तेरी शादी के लिए कुछ भी तो इकट्ठा नहीं किया
चाहता हूं कि तुझे हमेशा अपने संग रख सकूं
पर कहते हैं ना
बेटी तो पराया धन होती है
एक दिन तो तेरी भी डोली उठेगी
इस पगले के घर से
बड़ा ही पाक है तेरा और तेरे दूल्हे का रिश्ता
दूर रहकर भी हमेशा तेरे पास है
रुखसत करेंगे तुझे दिलो जान से हम
तेरे इस पाक सच्चे दूल्हे का
रूह से इस्तकबाल करेंगे हम
तुम दोनों बच्चे मुझे बहुत प्यारे हो
तुम दोनों का जार जार शुक्रिया
मेरे घर आने के लिए गॉड ब्लेस यू बोथ।।

कश्मीर की तस्वीर बदल रही है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

तस्वीर जम्मू-कश्मीर की पहले से
ज्यादा और भी निखर रही है
फूलों की बगिया मे ट्यूलिप
की चुनरी , गौरैया निरख रही है
तीज - त्योहार में सुंदर झूले ,
अब वहाँ भी लगने लगे हैं
मेंहदी के हाथों संग घुँघरू , अब वहाँ भी बजने लगे हैं
शारदा पीठम में जय - जयकारे की , जबसे धूम मची है
नयन में सजीले सुंदर सपने , अब वहाँ भी सजने लगे हैं
देशप्रेम की भावनाओं को अब , वहाँ की जनता परख रही है
तस्वीर जम्मू-कश्मीर की पहले से ज्यादा और भी निखर रही है
फूलों की बगिया मे ट्यूलिप की चुनरी , गौरैया निरख रही है
मिलिट्री में भी वहाँ के जवानों की ,अब नियुक्ति होने लगी है
बनकर अग्निवीर वे निखरेंगे , उनको प्रशस्ति मिलने लगी है
नारियाँ भी कुछ कम नहीं , कमर कस तैयारियों में लगी हैं
हर किसी के चेहरे पर हौसले की , आवृति दिखने लगी है
भारत का ज़न्नत जम्मू-कश्मीर,
समय संग आबो-हवा थिरक रही है
तस्वीर जम्मू-कश्मीर की पहले से
ज्यादा और भी निखर रही है
फूलों की बगिया मे ट्यूलिप की चुनरी , गौरैया निरख रही है
झीलों में कमल की कोंपलें , अब नई सरगम गाने लगीं हैं
मदमस्त हवाएँ बादल संग दौड़ , खुशबुएँ फैलाने लगी हैं
शिकारे पे झुकी बहार तो लहरें , अठखेलियाँ करने लगीं
पर्यटन विभाग की करितयाँ आओ , विश्व को बुलाने लगी हैं
परिवर्तन नियम है जग का देखो , मौसम की कली चिटक रही है
तस्वीर जम्मू-कश्मीर की पहले से ज्यादा और भी निखर रही है
फूलों की बगिया मे ट्यूलिप की चुनरी , गौरैया निरख रही है।

अद्भुत कलाकार

वाईवी रत्नम

कौन है वह कलाकार मित्र जैसा चित्रकार
विविध रंगों से सजाया विश्व के कण कण को छूकर
भोर होते पंछियों के किलकिलाहट नाद राग
साँझ होते गौ दलों की गो धूली का भूरा रंग
एक दिशा में नदी नदियाँ एक तरफ मरुद्यान
गम खुशी का मधुर मिलन ज़िंदगी का यही विधान
घन घटाएँ वेदमंत्र ऋत्विकों सा पठन करतीं
चमचमाती बिजलियाँ स्वर्ण रेखा हार बनतीं
नील नभ से धरा तल तक रश्मियों के धवल हार
ओस कण जो मोतियों सी गल रहे हैं गलीचे पर
कौन है वह कलाकार जिसकी दृष्टि है कमाल
ज़िक्र करने शब्द नहीं हैं तेरी सृष्टि बेमिसाल

तलाश

हेमंत सुराना

गम को यों छुपाता हूँ,
खुशी की तलाश करता हूँ
मंजिल की तलाश में,
कहाँ-कहाँ भटकता हूँ
तलाश अभी बाकी है,
खुद में खुद की तलाश है
अंधेरों में रोशनी की,
गुमनाम मंजिल की,
मकसद की, शांति की, लम्हों की, सुकून की,
तजुर्बा तो यह कहता है सुकून मिले तो,
तलाश समेट लो वरना तमाम उम्र
तलाशते रहो, तलाशते रहो ।

कल्पवृक्ष खेजड़ी

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

1787 की वृक्ष खेजड़ी
की एक अजब कहानी।
अमृता देवी विश्नोई थी
कल्पवृक्ष खेजड़ी दीवानी।।
समझा सदियों पूर्व
मारवाड़ ने पर्यावरण को,
जोधपुर खेजड़ली गांव
अड़ गया वृक्ष रक्षण को,
मेहरानगढ़ में फूल महल का जो निर्माण कराना था
कारिंदे निभा रहे महाराजा अभय सिंह वचन को।
अमृता देवी व बेटियों को देनी पड़ी कुर्बानी।
1787 की वृक्ष खेजड़ी की एक अजब कहानी।।
पर्यावरण दीवाने कहां किसी की सुनते हैं,
वृक्षों को बचाने को मौत भी चुनते हैं,
खेजड़ी का पेड़ तो है आस्था का प्रतीक
60 गांव, 217 परिवार, 363 हुए शहीद।
कल्पवृक्ष खेजड़ी को दुनियां शमी नाम से जानी।
खेजड़ी फल सांगरी सब्जी,पत्तियों से बकरी भोजन,
और लगता है मेला बलिदानों को करते नमन
नियम बना खेजड़ी वृक्ष कभी नहीं काटा जाएगा।
भादवा सुदी दशम बलिदान दिवस मनाया जाएगा।
पर्यावरण बचाने को याद करो बलिदानी
1787 की वृक्ष खेजड़ी की एक अजब कहानी ।।
अमृता देवी विश्नोई थी कल्पवृक्ष खेजड़ी दीवानी।।

इश्क़ मासूम

रेणुका अग्रवाल

नफ़रतों से फूल खिला नहीं करते।
रंज ओ ग़म लेके मिला नहीं करते।
अपनो के सितम हँसकर सह लेते हैं
वो गैरों से कभी गिला नहीं करते।
भूल चुके जो माँ की ममता को भी
उनसे कोई उम्मीद किया नहीं करते।
बात करते ही जो दिल ख़राब करदे
वो सुकून से कभी जिया नहीं करते।
जिनका दिल दिमाग़ है दर बदर ख़ुद
वो किसी के ज़ख्म सिया नहीं करते।
मयखाने में बैठकर मय से परहेज करे
ऐसे लोग कभी भी दिखा नहीं करते।
इश्क़ मासूम था हुस्न अदाकारा रहा
ख़ुद को माशूक में मुब्तला नहीं करते।
जो आपकी तवक़्क़ो न करे कभी भी
उनपे दिल कभी भी फिदा नहीं करते।
ज़माने वाले कभी अपने नहीं होते *रेणू*
ग़ैरों की ख़ातिर अश्क पिया नहीं करते।

इन दिनों...

डॉ टी महादेव राव

हर शहर एक जैसा
लगने लगा है इन दिनों
इंसान सोते से ज्यों
जगने लगा है इन दिनों
कितने धोखे कितनी
मक्कारियां और ग़म
दर्द की आग में
सुलगने लगा है इन दिनों
पुकारे किसको कि सुनाए ये दास्ताने दिल
खुद को ही ज़लज़ला कहने लगा है इन दिनों
ज़िंदगी के मौसमों में पतझड़ ही ठहर गया है
बहार की ख्वाहिश में बसने लगा है इन दिनों
कोशिश सही हो तो कामयाब हो इंतजार भी
इसी सच्चे उम्मीद पे चलने लगा है इन दिनों।।

धरती

गजानन पाण्डेय

ये धरती कितना देती है
सारे दुख हर लेती है
त्याग भरा जीवन हो
ये सबको समझाती है ।
परोपकार में जीवन बीते
यही पहचान है मानव की
जो दूसरों के हित जीते हैं
वे धरती समान होते हैं ।
मन में धीरज रखकर
साहस से कदम बढाना
कभी न रुकना, आगे बढना
ये धरती सिखाती है ।
संतान के लिए जैसी माँ है
ये धरती भी हमारी माता है ।।

न खोल...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

दामन में छिपा लोगे,
ये है एतबार दिल को
जहाँ सिर्फ़ प्यार,
मोहब्बत.., एहसास दिल को
चलता रह गया,मुड़ा शून्य,
जीवित दफना देता है
न खोल मेरे मकान के उदास दरवाजे
हवा का शोर मेरी उलझनें बढ़ा देता है।
लब कहते नहीं कुछ भी, तड़पाते जुम्बिश से
ये इश्क़ नहीं मुमकिन एक की ख्वाहिश से
कैसी बेपरवाहियां,चल दिए,तन्हा बना देता है
न खोल...
प्रियवर!अभी दो क़दम मैं चला भी नहीं हूँ
संवाद से न सुलझे, मैं वो मसला भी नहीं हूँ
समझाया,मनाया लेकिन..,हाशिए पर ला देता है
इक पल भी मुझसे तू दूर होती नहीं है
ढल जाए,यादों की शाम ढलती नहीं है
भीनी भीनी फुहारें, अंधेरा सुलगा देता है
न खोल...

हम मज़दूर...

ओमकार सर्डिवाल

निर्माण कार्य हम करें,
थके ना हारे हम कभी,
बनती बिगड़ती दुनिया में,
नाश के डर से रूके ना कभी,
डटे रहे सदा हम खड़े,
आय अड़चन दूर कर चले,
लहू की कभी ना परवाह करें,
अपनी चोटों पर मिट्टी डाल चले,
हाथों में हाथ पकड़े,
कदमों से कदम मिलाए,
संयोग से निर्माण का संदेश देते चले,
हम बड़े चले, हम बड़े चले,
जलती-तपति धूप में,
अपने कदम बढ़ाए चले,
प्रकृति संघ समागम कर,
निर्माण कार्य को बढ़ाएं चले,
हाथों में हाथ थामे,
गिरी को झुकाए चले,
एक दूसरे का सहारा बन,
रत्नेश को पीछे छोड़ चले,
दो वक्त की रोटी के लिए,
अपना जीवन निछावर चले,
धरती अपना बिस्तर बने,
आकाश को ओड़ चले,
हम मज़दूर,हम मज़दूर, हम मज़दूर...

जिन्दगी के पन्ने

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

कागज़ और कलम ने
किया है दर्ज
जिन्दगी के सफों पर
हरफ़-दर-हरफ़ हमारी
दास्ताँ ए गुमशुदा
ये तो वफाओं से यारी है
जो महबूब से हम
निभाए जा रहे हैं !
उनकी बेरुखी से
इश्क़ अब हो चला है
ज़ुल्फ-ए-मुअत्तर है
जीवन में बसेरा मेरा
प्रेम नहीं जिस्मानी
लिहाजा रूह की
अनंत गहराईयों से
दीवानगी जरूर हैं रखते !
रात यों कहने लगा
मुझसे गगन का चाँद
रूह में शामिल हैं
गहराइयां अनंत प्रेम की,
महसूस तो करो
अनकही कहानियों में दफ़न
गहराइयां प्रेम की
गूंज तुम्हे सुनाई दगी !

शब्दों का नहीं जज्बातों का सैलाब हूं.

संजीव ठाकुर,
रायपुर

शब्दों का नहीं जज्बातों
का सैलाब हूं.
कविता की नही
भावनाओं की किताब हूँ।
राहों की नहीं मंजिल
की फिक्र है बस,
तूफानों से भिड़ने न
जाने कब से बेताब हूं।
हजारों जुगनू देखें रात आसमान पर,
रातों में दिखने वाला वही आफताब हूं।
कहीं भरी भीड़ में खो ना जाना तुम,
देखो एक झलक पाने को कितना बेताब हूं।
तुम्हारे लिए न जाने कितनी ग़ज़ल लिखी,
तुमने जो न पढ़ी मैं वही किताब हूं।
तुम्हें न जाने कितने कितने खत लिखे,
तुमने जो नही दिया वही पुराना जवाब हूं।
जमाना मेरे अल्फाजों को पसंद करें या ना करें।
मैं तुम्हारा दिया हुआ वही पुराना खिताब हूं।

कलियुगी चक्रव्यूह

डॉ उमेश प्रताप वत्स

चक्रव्यूह का रूप है बदला,
कलयुग के इस काल में
नाच रही है कौरव सेना,
सत्ता पाने के ख्याल में
सेना में हैं शकुनि ज्यादा, कुटिलता भी बढ़ी हुई
सात नहीं सत्तर कायरों की फौज सामने खड़ी हुई
सत्तर महारथी खड़े हैं घेरे, समझ अकेला अभिमन्यु को
नहीं देख रहे त्रिलोकीनाथ, साथ खड़े उस कनु को
अर्जुन भी झांसे में आकर, युद्ध मैदान से दूर नहीं
चक्रव्यूह निर्माता भी अब द्रोण के जैसे शूर नहीं
बेशक सारे महारथी , पहले से अधिक अत्याचारी,
निर्दयी, कपटी, निर्लज्ज, दुष्ट, बेईमान, भ्रष्टाचारी
पर अभिमन्यु भी सावधान है, चक्रव्यूह के इस खेल में
बारी-बारी भेज रहा है, पकड़-पकड़ कर जेल में
धर्म-अधर्म के बीच छिड़ा, फिर से युद्ध घनघोर है
महाभारत में नर-योद्धा थे, अब नर-नारी का शोर है
योद्धा कम भगोड़े ज्यादा, कैसे पताका फहरायेंगे
किसके बलबूते ये सारे अभिमन्यु को हरायेंगे
धर्म पहले भी विजयी हुआ था, अब भी जय सुनिश्चित है
विधर्मी कौरवों की सेना की, फिर से पराजय निश्चित है
जनता भी अब जाग रही है, नई उमंग में ले अंगड़ाई
देश है पहले बयार चली है, घर-घर में है खुशियां छाई।।

है वादा

डॉ माध्वी बोरसे!
रावतभाटा कोटा

पढ़ो पर लिखो ज्यादा,
बोलो पर सोचो ज्यादा,
खेलो पर पढ़ो ज्यादा,
आप सफल होंगे है वादा।
खाओ पर चबाओ ज्यादा,
रोइए कम हसिये ज्यादा,
सोओ पर जगो ज्यादा,
आप स्वस्थ रहोगे है वादा।
मांगो कम से कम दो ज्यादा,रूठो कम मनाओ ज्यादा,
आराम करो पर मेहनत ज्यादा,स्वाभिमान बना रहेगा है वादा।
नफरत ना के बराबर पर प्रेम ज्यादा,
आज्ञा दो पर मानो ज्यादा,
गुस्सा कम पर समझो ज्यादा,
जीवन सुकून से गुजरेगा है वादा।

नन्हें हाथ

सुनील कुमार
महला,

नन्हें, कोमल हाथ बटोरते है हर रोज कचरा
जब भूख पल-पल निचोड़ती है
काटती है गरीबी पेट के पेट
पेट की ज्वाला होती है जब गहरी
तब कूड़े के ढ़ेरों पर बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, गली-गली,
मोहल्ले-मोहल्ले झांकता है बचपन
रोटी की तलाश मेंनन्हें, कोमल हाथ बटोरते है कचरा
कुछ पिचकी हुई तो कुछ पानी की
ताज़ा दिखने वाली बोतलें
जिनमें एकाध घूंट मिनरल वाटर शेष बचा हुआ है
खिल जाती हैं बांछें नवीन बोतलें देखकर
बीनते हैं हाथ लोहे की जंग लगी कीलें
विभिन्न ज्यामितीय आकार के लोहे के टुकड़े
मौसम की चाल-ढ़ाल से बेपरवाह,
बेखौफ ये नन्हें हाथ
अपना ही नहीं, बड़ों का भी पेट पालते हैं
विद्यालय की दीवारों से दूर
कातर निगाहों से विद्यालय
जाने वाले बच्चों को देखते हुए
निकल जाते हैं हर रोज पास से
हल्की सी मुस्कान फैलाते हुए
मैले-कुचैले, फटे-पुराने कपड़ों में
बिना मिड-डे मील के कटता है इनका बचपन

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

अनिल एंटनी के बाद शशि थरूर?

2024 से पहले की दक्षिणी सियासी रणनीति से कांग्रेस में मचेगी खलबली

एके एंटनी

शशि थरूर

एके एंटनी ने कहा है कि बेटे अनिल एंटनी के भाजपा में शामिल होने से वे बेहद आहत हैं। एंटनी की गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती है। वे केरल के मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री रह चुके हैं। लेकिन, बेटा अनिल एंटनी तो पिछले काफी समय से भाजपा के संपर्क में था। अनिल एंटनी को पार्टी में शामिल कर भाजपा का आलाकमान बेहद उत्साहित है। केरल में यों संघ लंबे अरसे से काम कर रहा है। पर भाजपा अभी तक इस सूबे में कोई चुनावी सफलता हासिल नहीं कर पाई। एक बार पार्टी के कद्दावर नेता ओ राजगोपाल ने जरूर त्रिवेंद्रम सीट पर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी थी। कहने को तो 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 140 में से 115 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। उसे वोट तो 11 फीसद से ज्यादा मिले पर सीट कोई नहीं मिल पाई। यों पलक्कड़ में मेट्रोमैन ई श्रीधरन ने बेहतर प्रदर्शन कर 35 फीसद से ज्यादा वोट पाए थे पर वे कांग्रेस के उम्मीदवार से हार गए थे। सूबे के पुराने नेता वी मुरलीधरन को भाजपा ने 2018 में महाराष्ट्र से राज्यसभा में भेजा था। वे इस समय मोदी सरकार में मंत्री हैं। ओ राजगोपाल भी वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे थे। दरअसल, भाजपा की मुश्किल यह है कि केरल में ईसाई और मुसलमान आबादी खासी है। यहां हिंदुत्व का नारा नुकसानदेह रहता है। तभी तो पार्टी ने अपने विस्तार कार्यक्रम में अनिल एंटनी को शामिल कर ईसाई समुदाय में पैठ बढ़ाने का दांव चला है। इससे पहले एपी अब्दुल्ला कुट्टी भी भाजपा में आ चुके हैं। पिछले दिनों जी रमन नैयर पार्टी में आए तो इसरो के पूर्व अध्यक्ष माधवन नायर को भी साथ लाए थे। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे टाम वडक्कन भी ईसाई हैं। वे भी अब भाजपाई हैं। चर्चा तो यह भी है कि भाजपा डोरे तो शशि थरूर पर भी डाल रही है। वे भी कब साथ छोड देंगे कहा नहीं जा सकता।

कर्नाटक की मुश्किल डगर

कर्नाटक में भाजपा को दक्षिण के अपने इकलौते दुर्ग को बचाने में खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। कहने को येदियुरप्पा अभी पार्टी के सिरमौर बने हैं पर उनके करीबी नेता तो एक-एक कर लगातार भाजपा छोड़ रहे हैं। किसी से छिपा नहीं है कि येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री पद पार्टी आलाकमान के दबाव में छोड़ा था। बसवराज बोम्मई भी उनके पसंदीदा नहीं हैं। होते तो येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र को अपनी सरकार में मंत्री बना देते। येदियुरप्पा का दूसरा बेटा राघवेंद्र लोकसभा सदस्य है। विजयेंद्र अभी कर्नाटक भाजपा के उपाध्यक्ष हैं और उन्हीं को येदियुरप्पा का सियासी उत्तराधिकारी माना जाता है। दक्षिण के किसी राज्य में पहली बार भाजपा को सत्ता में लाने का श्रेय येदियुरप्पा को ही दिया जाता है। उन्होंने ही जोड़ तोड़ कर कांग्रेस और जनता दल (एस) के विधायकों की बगावत कराकर अपनी सरकार बनाई थी। लेकिन मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद लिंगायत समाज के सबसे प्रभावशाली नेता माने जाने वाले येदियुरप्पा के समर्थकों में निराशा बढ़ गई। ईश्वरप्पा, वेल्लड और सीटी रवि जैसे नेता तो पहले से ही येदियुरप्पा की जड़ें खोदते रहे हैं। नतीजतन अब तक भाजपा और जनता दल (एस) के दर्जनों नेता इस्तीफे देकर कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। येदियुरप्पा विरोधी खेमा इसके पीछे येदियुरप्पा का हाथ होने का आरोप लगाता है तो येदियुरप्पा समर्थक अपनी लगातार हुई उपेक्षा को वजह बता रहे हैं। इस्तीफा देने वालों में गोपाल कृष्ण, पुतन्ना, बाबूराव चिंचनसुर, ए मंजुनाथ, मोहन लिंबिकाई, यूबी बनाकर, नंजुदस्वामी, वीएस पाटिल, एएच विश्वनाथ, एच नागेश आदि शामिल हैं। कहने को कर्नाटक में चुनावी मुकाबला तिकोना ही होगा। पर, असली लड़ाई तो सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच ही तय दिख रही है।

आजम की व्यथा

आजम खान ने वीडियो संदेश में अपनी व्यथा कही है। साथ ही मुसलमानों को पढ़ाई पर ध्यान देने की सलाह दी है। अपने, जौहर अब्दुल्ला विश्वविद्यालय के हवाले से उन्होंने कहा है कि शिक्षा का प्रसार करना ही उनका गुनाह बन गया। उन पर ही नहीं उनके सारे परिवार पर असंख्य मुकदमे लगाकर उनका उत्पीड़न किया गया। अपनी गिरफ्तारी के बाद से वे अखिलेश यादव से नाराज हैं ।मुश्किल विकल्प की है। कांग्रेस में वे सीधे शामिल नहीं होना चाहते। करीबियों से संकेत मिला है कि अब मायावती उन पर डोरे डाल रही हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में मुसलमान बसपा से अलग होकर सपा के साथ चले गए थे। मायावती अपने वोट बैंक को पुनर्जीवित करना चाहती हैं। वे भाजपा से ज्यादा आलोचक सपा और कांग्रेस की हैं। भाजपा का विरोध न करने के पीछे केंद्रीय एजंसियों की कार्रवाई का खौफ होने की बात को सिरे से नकारा भी नहीं जा सकता। चर्चा तो यह भी है कि अपने अस्तित्व को बचाने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले मायावती कांग्रेस से भी हाथ मिला सकती हैं। उन्हें लग रहा है कि सूबे के मुसलमान अब अखिलेश का साथ शायद ही दें।

महंगाई से परेशान लोग अब ग़ैर- ज़रूरी खर्च कम करने पर विवश

कहते नहीं, बताते भी नहीं, लेकिन देश के मध्यम और निम्न मध्यम श्रेणी के लोग महंगाई से परेशान तो हैं। एक सर्वे आया है। पीडब्ल्यूसी ग्लोबल कंज्युमर इनसाइट्स पल्स सर्वे। इसके मुताबिक़ छोटे ही नहीं, बड़े शहरों के लोग भी अगले छह महीने तक खर्च को लेकर चिंतित रहेंगे। इसके अनुसार 74 प्रतिशत भारतीय निजी खर्च कम करने और बचत को बढ़ाने के लिए लालायित हैं। इन ग़ैर ज़रूरी खर्च के बारे में लोगों ने बताया कि रेस्त्रां में डिनर, कंज्युमर इलेक्ट्रॉनिक्स की ख़रीदी, फ़ैशन, पर्यटन और ग़ैर ज़रूरी-महँगी ग्रॉसरी में अब वे निश्चित तौर पर कटौती करने वाले हैं। इसका उल्टा परिणाम भी सर्वे में देखने को मिला है। युवा अपने पर्यटन में कोई कमी नहीं करना चाहते। दूसरी तरफ़ एक दिलचस्प ट्रेंड यह भी है कि संपन्न लोग भी स्वदेशी की तरफ़ आ रहे हैं। वे देश में बन रहे प्रोडक्ट्स को ख़रीदने में रुचि दिखा रहे हैं। सर्वे में शामिल 47% लोगों ने कहा वे अब ऐसी जगह ख़रीदारी करेंगे, जहां उन्हें क़ीमतों में छूट मिलेगी। 45% ने कहा कि वे प्रीमियम फ़ोन जैसे प्रोडक्ट तभी ख़रीदेंगे जब उन पर स्पेशल ऑफ़र चल रहे हों। वर्ना नहीं ख़रीदेंगे। कुछ लोग खर्च कम करने के लिए चीजों को बल्क में ख़रीदने और अपेक्षाकृत सस्ते ब्रांड की तरफ़ जाने को भी तैयार हैं।

यह सही है कि कोरोना के वक्त कई तरह की आफ़त झेल चुके लोगों में बचत के प्रति रुचि बढ़ी है। हालाँकि छह महीने बाद यह रुचि बदल भी सकती है, लेकिन धीरे- धीरे फिर से कोरोना की आहट बढ़ रही है। इसे देखते हुए लोग सचेत रहना चाहते हैं। धीरे-धीरे ही सही, पड़ोसी को दिखाने के लिए लोन लेकर घी पाने वाली आदतें आम आदमी छोड़ रहा है।

धनी-मनी लोगों का स्वदेशी की तरफ़ आकर्षित होना भी अच्छा संकेत है, लेकिन मध्यम वर्ग महंगे पेट्रोल और गैस सिलेंडर से परेशान तो है। वैसे पैसा चुकाते वक्त उसे इसका फ़र्क़ नज़र नहीं आता होगा क्योंकि ज़्यादातर पेमेंट ऑनलाइन हो रहा है, लेकिन महीने के अंत में आख़िर बैंक अकाउंट भी तो कुछ कहता ही होगा!

महंगाई की इस चिंता के बीच सिर पर खड़े चुनाव इसे और बढ़ाने वाले हैं। चार राज्यों के चुनावों के दौरान बाज़ार में जब बेहिसाब करोड़ों रुपया आएगा तो महंगाई तो बढ़नी ही है। आम आदमी के पहुँच की चीजें महँगी हो जाएगी। मज़दूरी भी बढ़ जाएगी। मज़दूरी बढ़ी तो फसल कटाने से लेकर मकान बनवाने तक हर चीज महँगी हो जाएगी। चुनाव का पैसा आख़िर हिसाब-किताब का मोहताज तो होता नहीं।

भ्रष्टाचार पर अंकुश कैसे लगाया जाए?

भ्रष्टाचार कोई आज की समस्या नहीं ,यह आदिकाल की समस्या रही है । पहले राजा महाराजा द्युत क्रीड़ा खेलते थे, लेकिन अब जो माहौल देश में बन गया है, उसमें सभी द्युत क्रीड़ा नही बल्कि भ्रष्टाचार-भ्रष्टाचार खेलने लगे हैं। अब यह राजा महाराजाओं का खेल न होकर राजनीतिज्ञों का हो गया है।

पिछले सप्ताह भ्रष्टाचार पर सत्तापक्ष और विपक्ष ने एक सुर में ऐसा माहौल बना दिया, जिससे ऐसा लगने लगा है कि सारा देश भ्रष्टाचार रूपी समुद्र में डूबकर आत्महत्या करने पर उतारू हो गया है। ऐसा इसलिए कि जब भारत के सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्री कहते हैं कि "कोई भी भ्रष्टाचारी बचना नहीं चाहिए " ; क्योंकि भ्रष्टाचारियों ने अपना एक अलग मंच बना लिया है और उन्होंने अपने बचाव के लिए इस मंच पर इकठ्ठा होना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री यह भी कहते हैं कि उनका एक मात्र उद्देश्य मेरी छवि को बदनाम करना है, जिसके लिए ऐसे भ्रष्टाचारियों ने एक दूसरे को सुपारी दे दी है।

दूसरी ओर राहुल गांधी सच में प्रधानमंत्री पर पूरी तरह आक्रामक हो गए हैं। इसी भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस द्वारा उन्हें संसद में घेरा गया और बाहर तो हंगामा मचा हुआ ही है। प्रधानमंत्री की यह बात सच है कि सभी विपक्षी एक मंच पर आते जा रहे हैं और देश का माहौल गर्म होता जा रहा है। वहीं खुलकर प्रधानमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार पर मोर्चा खोलने के लिए दिल्ली के वर्तमान मुख्यमंत्री सक्रिय हो गए हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि अडानी तो कठपुतली हैं। सारा पैसा और ज्ञान प्रधानमंत्री मोदी से उन्हें मिलता है। इतना खुले आम आरोप संभवतः देश के किसी प्रधानमंत्री पर आज तक किसी ने नहीं लगाया होगा। आज की तारीख में देश में जो हंगामा बरपा है, वह इन्हीं मुद्दों पर शत प्रतिशत आश्रित है।

भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ 'कांग्रेस फाइल्स' का तीसरा एपिसोड जारी किया है. बीजेपी का दावा है कि वह इसके जरिए कांग्रेस की तरफ से किए गए सभी भ्रष्टाचारों की पोल खोलेगी। पहले एपिसोड में कांग्रेस राज के घोटालों को बताते हुए बीजेपी ने विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा। बीजेपी ने "कांग्रेस फाइल्स" का पहला एपिसोड ट्वीट कर कहा कि इस एपिसोड में देखिए कैसे कांग्रेस राज में एक के बाद एक भ्रष्टाचार और घोटाले हुए। बीजेपी ने एक अप्रैल को ट्वीट कर कहा था कि वह कांग्रेस के भ्रष्टाचारों का खुलासा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी को लेकर बीते दिन भी एक छोटा वीडियो क्लिप जारी किया था। इसमें सोनिया गांधी और यूपीए के समय के घोटालों- 2 जी स्पेक्ट्रम और कोयला आवंटन घोटालों को दिखाया गया है। कांग्रेस शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार पर भारतीय जनता पार्टी ने वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस के शासन काल में 1.86 लाख करोड़ रुपए का कोयला घोटाला, 1.76 लाख करोड़ रुपए का 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, 30 लाख करोड़ का मनरेगा घोटाला , 70,000 करोड़ रुपए का कॉमनवेल्थ घोटाला, इटली से हेलीकॉप्टर सौदे में 362 करोड़ रुपए की घूस , रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के लिए 12 करोड़ रूपए की घूस की घटनाएं हुई थीं। वीडियो संदेश के अंत में भाजपा ने कहा, यह तो कांग्रेस के भ्रष्टाचार की सिर्फ

झांकी है, फिल्म अभी खत्म नहीं हुई है।

इससे पहले कांग्रेस ने भी अडानी मुद्दे पर बीजेपी पर हमला बोला था और "हम अडानी के हैं कौन" अभियान के तहत सवालों के कई सेट जारी किए थे। पार्टी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने विभिन्न परियोजनाओं में अडानी समूह को एकाधिकार दे दिया है। भाजपा पर मनमानी करने का आरोपः भाजपा के शासन में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना गुनाह है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता रद्द करने का कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है।

कांग्रेस, भाजपा पर मनमानी करने और जनता की आवाज को दबाव का आरोप लगा रही है। इसी मामले को लेकर शहर के विश्राम गृह में पत्रकारवार्ता रखी गई। किसान सेल के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला, विधायक आशीष छाबड़ा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बंसी पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि देश में आम आदमी की आवाज उठाना और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना गुनाह हो गया है। देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष और 4 बार के सांसद राहुल गांधी को संसद में बोलने तक नहीं दिया जाता। उनका माइक बंद कर दिया जाता है।

सूरत की सत्र अदालत से जमानत की अवधि बढ़ाए जाने के एक दिन बाद राहुल गांधी ने मंगलवार को अडानी कंपनियों में धन के लेन-देन पर फिर से सवाल उठाया है। उन्होंने खुले शब्दों में पूछा कि अडानी की शेल कंपनी में 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं? राहुल गांधी केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के लिए कांग्रेस कार्यालय पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने न्यायपालिका पर दबाव बनाने के बीजेपी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, मेरा एकमात्र सवाल ये है कि अडानी शेल कंपनियों में 20,000 करोड़ रुपये किसके हैं. इनको (बीजेपी) इसका जवाब देना चाहिए और स्पष्ट करना चाहिए कि ये करोड़ों रुपये किसके हैं?

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में कहा कि देश में दो लोगों को छोड़कर सब डरे हुए हैं। जिस दिन मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, उस दिन भारत भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएगा। यह बातें उन्होंने विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए कहीं। सदन में प्रस्ताव पेश होते ही भाजपा के सारे विधायक सदन छोड़कर बाहर निकल गए। इस पर केजरीवाल ने कहा कि वे भी आएं और अपनी बात रखें। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नोटबंदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया. केजरीवाल ने लखनऊ में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव में किसी को भी जिताएं, लेकिन बीजेपी को यूपी की सत्ता में ना लाएं।

सीएम केजरीवाल ने बताया कि आम आदमी पार्टी यूपी में चुनाव नहीं लड़ेगी, लेकिन बीजेपी को हराने के लिए पूरा जोर लगाएगी. केजरीवाल नोटबंदी को लेकर पीएम मोदी पर हमलावर रहे. केजरीवाल ने इनकम टैक्स की उसी रिपोर्ट को हवा में लहराते हुए लोगों को दिखाया और कई गंभीर आरोप जड़ दिए, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मानने से इंकार कर दिया। केजरीवाल ने इस रिपोर्ट में दर्ज बिड़ला और सहारा जैसी कंपनियों का नाम लेकर पीएम मोदी को भ्रष्टाचारी और रिश्वतखोर तक बताया. यही नहीं अरविंद केजरीवाल ने विजय माल्या से भी पीएम मोदी का रिश्ता जोड़ने की कोशिश की, हालांकि विजय माल्या और मोदी के रिश्ते का कोई सबूत नहीं पेश कर सके।

रैली तो मोदी के खिलाफ ही थी लेकिन केजरीवाल ने लोगों से संवाद मोदी स्टाइल में ही किया। पीएम मोदी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाकर लोगों से ना सिर्फ हाथ उठाकर उसका समर्थन कराया, बल्कि मीडिया के कैमरों को भी लोगों की ओर दिखाने को कहा. हालांकि केजरीवाल, विजय माल्या का रिश्ता मोदी से सीधा नहीं जोड़ पाए, तो उसी फाइल में दर्ज नामों के आधार पर मोदी और विजय माल्या को जोड़ दिया। केजरीवाल ने रविवार को लखनऊ में पीएम मोदी के खिलाफ सनसनीखेज पोल-खोल का नाम देकर ये रैली बुलाई थी, लेकिन रैली में वो वही कागजात और फाइलें लहराते नजर आए, जो पहले भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर और 'एजेंडा आज तक' में लेकर आए थे। इस रैली के बहाने केजरीवाल का एक ही मकसद था प्रधानमंत्री मोदी को भी भ्रष्टाचारियों की कतार में खड़ा करना।

वैसे भी यह बात समझ में नहीं आती यदि सभी भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों की बात ही करते रहेंगे तो उनकी जड़ पर करारा प्रहार कौन करेगा- और कैसे करेगा ? वैसे यह बड़ी बात है कि यदि दोनो पक्ष (सत्तापक्ष-विपक्ष) इसी तरह एक लड़ते झगड़ते रहेंगे तो देश की आम जनता का क्या होगा ? होना तो यह चाहिए कि आरोप प्रत्यारोप तो करिए, लेकिन यह भी सुनिश्चित करिए कि देश की गरिमा कहीं कलंकित न होने पाए। हम तो अपने हैं, हमारा देश भी अपना है इसलिए उसका सिर विदेशों में नहीं झुकना चाहिए।

हम अपने यहां खूब गला फाड़ फाड़कर चीख-चिल्लाकर अपनी आत्मसंतुष्टि कर लें, लेकिन विश्व के समक्ष हमारा आत्मगौरव झुकना नहीं चाहिए। कोई न कोई ऐसी कमेटी का गठन किया जाना चाहिए जिसका प्रतिनिधित्व स्वयं प्रधानमंत्री करे, और दूसरे सदस्यों के रूप में लोकसभा का विपक्षी नेता और सर्वोच्च न्यायालय के जज शामिल हो । प्रतिबद्धता तो यह हो कि इन तीनों द्वारा लिए गए निर्णय को काटने का अधिकार केवल महाहिम राष्ट्रपति के पास हो। यदि एक बार ऐसा करके देखा लिया जाता है तो निश्चित रूप उसका दूरगामी और अच्छा परिणाम निकलेगा।

कोरोना की आहट का डर

देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की आहट है। प्रतिदिन के मामले 6 हजार से ऊपर पहुंच गया है। दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र और केरल से लेकर बिहार तक संक्रमण के मामले डराने के लिए काफी हैं। राज्य सरकारें अलर्ट पर हैं और केंद्र सरकार गाइडलाइंस के साथ मुस्तैद होने के लिए कमर कस रही है।

दरअसल, कोरोना की निरंतर बनी आवाजाही के बीच कभी इस महामारी की दस्तक आहट बनी रही तो कभी डर। कोविड के अलग-अलग नामों के वैरिएंट दूर-सुदूर से फैलने की खबरों के बीच आते रहे और डर बने रहे। अभी कुछ महीनों पहले ही चीन में कोरोना संक्रमण के बड़े डराने वाले वीडियो वायरल हुए थे।

पड़ोसी मुल्क में कोरोना की संक्रमण रफ्तार के बीच भारत में भी एक दहशत का माहौल रहा था लेकिन हाल ही में जिस तरह से कोरोना संक्रमण रफ्तार पकड़ रहा है और मृत्यु की खबरें सामने आ रही है यदि जनता में जागरूकता और सतर्कता ना पैदा हुई तो हालात मई तक असामान्य हो सकते हैं।

पहले रोजाना 4 हजार फिर 5 हजार और बाद में 6 हजार कोरोना के मामले आने के बाद और कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार और आंकड़ों ने केंद्र सरकार के कान भी खड़े कर दिए हैं। कोरोना के मामलों की संख्या जहां मीडिया में सुर्खियां बन रही हैं वहीं केंद्र सरकार ने आनन-फानन में शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक लेकर मुस्तैदी जाहिर की है।

इधर, बैठक में जहां सभी राज्यों को सतर्कता और जागरूकता बरतने की सलाह दी गई तो वहीं बेवजह की अफवाह और डर फैलने से रोकने के लिए भी सावधान किया गया है। सरकार की ओर से सभी राज्य सरकारों को जीनोम सीक्वेंसिंग भी बढ़ाने की सलाह दी गई है। बताते चलें कि कोरोना के गुरुवार को जो मामले आए हैं वे बीते छह माह में सबसे ज्यादा है।

इससे पहले देशभर में बीते 24 घंटे में कोरोना के पांच हजार से ज्यादा लोग संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरुवार को कोरोना के पांच हजार से ज्यादा केस आए थे, जो छह महीने में सबसे अधिक है। बीते चार सप्ताह से देश में लगातार बढ़ते कोरोना मामलों के चलते 21 राज्य के 72 जिले रेड अलर्ट में आए हैं। इन जिलों में बीते सप्ताह के दौरान 12 से 100 फीसदी तक सैंपल कोरोना संक्रमित मिले हैं।

रोजी-रोटी के संकट के बीच जीवन पटरी पर

कोरोना की तबाही के बीच 2022 की शुरुआत से ही देश में जीवन पटरी पर धीमे-धीमे ही सही लौट रहा है। दो साल में इस महामारी ने ना केवल जनता को ना केवल आर्थिक संकट में डाला है बल्कि आर्थिक रफ्तार को भी रोक सा दिया है। सामाजिक जीवन में उथल-पुथल मची है तो वहीं व्यक्ति ज्यादा अकेला और टूटा है। जाहिर है रफ्ता-रफ्ता पटरी पर लौटते जीवन के लिए बीच राह में कोरोना के संक्रमण की यह रफ्तार और खबरें थोड़ा धक्का पहुंचाने वाली है। चुप्पी साधे और बुझे हुए मन से मास्क पहने चलती भीड़ को देखकर लॉकडाउन जैसे ख्याल उठना स्वाभाविक है।

देखा जाए तो कोरोना के आंकड़ों की संख्या का सामने आना और कोरोना का बने रहना दोनों ही बातें एक स्तर पर इस बात की तस्दीक करती हैं कि 2021 में तबाही के बाद कोरोना संक्रमण की रफ्तार कभी कम नहीं हुई और ना ही कोरोना हमारे बीच से पूरा गया है बल्कि एक तौर पर दुनियाभर के विशेषज्ञ यह कहते रहे हैं कि कोरोना कभी विदा नहीं लेगा बल्कि यह मनुष्य सभ्यता के बीच एक बीमारी की तरह रहेगा और इसकी मारक क्षमता कम होती चली जाएगी।

डरा रहा है कोरोना का यह वैरिएंट

बहरहाल, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय कारोना का सब-वैरिएंट XBB 1.16 और XBB 1.15 सामने आया है जिससे कोरोना मामलों की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। यह वैरिएंट ना केवल तेजी से फैलता है बल्कि यह इम्यूनिटी को मात देने में माहिर है। जाहिर है यहां इम्यूनिटी को मात देने का अर्थ है कोविड वैक्सीन के बूस्टर डोज के प्रभावी ना होने को लेकर देखना चाहिए। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत में कोरोना फैलने की बड़ी वजह यह नया वैरिएंट ही है।

कोविड संक्रमण मामलों पर नजर रखने वाले इंटरनेशनल प्लेटफार्म की मानें तो भारत में सब-वैरिएंट XBB 1.16 सबसे ज्यादा फैला है और उसी के मामले दर्ज हुए हैं। इधर दूसरे देशों पर नजर डालें तो इस वैरिएंट के अमेरिका में 15 जबकि सिंगापुर में अब तक 14 केस सामने आए हैं।

खास बात यह है कि भारत में इनकी संख्या 48 हो चुकी है।

इस वैरिएंट के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि यह सब-वैरिएंट XBB 1.16 के पहले ओमिक्रॉन दुनिया भर में फैला था, लेकिन अब सब वैरिएंट XBB 1.16 के चलते महामारी तक फैल सकती है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि वे लोग जो पहले से ही ब्लड प्रेशर, शुगर, या किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं उन पर खतरा बना हुआ है।

एक ऐसे समय में जबकि पूरी दुनिया इस महामारी के साथ जीने और रहने के लिए तैयार हो रही है भारत जैसे देश में संक्रमण की आहट थोड़ा सा डर और दहशत तो पैदा करती है लेकिन मास्क,, वैक्सीन और कोविड से लड़ने के सुरक्षा उपाय हमें इस महामारी से लड़ने में सहायता करेंगे। फिलहाल तो मास्क, वैक्सीन और सामाजिक दूरी ही कोविड के खिलाफ हमारे हथियार हैं।

क्या चार्जशीट से बढ़ेगी ट्रंप की ताकत

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी इतिहास में पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिनके खिलाफ कोर्ट ने आपराधिक मामले में अभियोग तय किया है। हालांकि, ट्रंप के लिए कोर्ट-कचहरी और कानूनी विवाद नए नहीं हैं, लेकिन यह मामला ऐसे समय में आया है, जब वह 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान और चुनाव प्रचार शुरू कर चुके हैं। ऐसे में, पूरे अमेरिका की निगाहें आज न्यू यॉर्क के मैनहटन कोर्ट और उससे बाहर राजनीतिक मैदान में होने वाले ड्रामे की ओर होंगी, जहां ट्रंप एक अभियुक्त की तरह पेश होंगे। उनका फिंगरप्रिंट और किसी सामान्य अभियुक्त की तरह मग-शॉट तस्वीर ली जाएगी और कोर्ट में अभियोग पेश किया जाएगा। इसके बाद ही ठीक-ठीक पता चलेगा कि ट्रंप के खिलाफ किन आधारों पर आपराधिक मुकदमा चलेगा।

मैनहटन कोर्ट की ग्रैंड जूरी ने उनके खिलाफ उस मामले में अभियोग तय करने का फैसला किया है, जिसमें उन पर 2016 के राष्ट्रपति चुनावों से ठीक पहले पॉर्न फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को अपने वकील माइकल कोहेन के जरिए 1.3 लाख डॉलर देने का आरोप है ताकि वह ट्रंप के साथ अपने गैर-वैवाहिक सेक्स संबंधों के बारे में मुंह बंद रखें। इस मामले में ट्रंप के पूर्व वकील कोहेन यह कहते हुए आरोप स्वीकार कर चुके हैं कि उन्होंने स्टॉर्मी डेनियल्स को ट्रंप के कहने पर पैसा दिया था। कहने की जरूरत नहीं कि किसी और नेता के लिए ये आरोप बड़ी शर्मिंदगी की वजह होते और उसका राजनीतिक करियर भी खतरे में पड़ जाता, लेकिन ट्रंप का कारोबारी और अब राजनीतिक जीवन ऐसे आरोपों और विवादों के बीच ही फलता-फूलता और परवान चढ़ता रहा है। आमतौर पर राष्ट्रपति चुनाव में हारने या गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसने के बाद ज्यादातर नेता राजनीतिक बियाबान में चले जाते हैं, लेकिन ट्रंप पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा है। यह और बात है कि ट्रंप अक्सर गलत कारणों, खासकर उलटे-सीधे बयानों, आपराधिक आरोपों और व्यक्तिगत विवादों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

असल में, ट्रंप अपने धुर दक्षिणपंथी-अनुदार श्वेत पुरुष समर्थकों के बीच खुद को एक ऐसे दबंग, लेकिन 'भ्रष्ट, षड्यंत्रकारी और श्वेत विरोधी' उदारवादी सत्ता प्रतिष्ठान के 'सताए हुए' नेता की तरह पेश करते हैं, जिसके लिए वह बाहरी हैं और जो उन्हें काम नहीं करने देना चाहता है।

ट्रंप का आरोप रहा है कि यह उदारवादी और डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थक सत्ता प्रतिष्ठान उन्हें 'राजनीतिक प्रतिशोध के कारण झूठे मामलों में फंसाने' की कोशिश करता रहता है क्योंकि वह इसकी इच्छा के खिलाफ 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' के अभियान में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक चालाक और सफल सेल्समैन की तरह ट्रंप इस 'नैरेटिव' को उस अमेरिकी बहुसंख्यक श्वेत आबादी के बड़े हिस्से को बेचने में क़ामयाब हुए हैं, जो पिछले कई सालों से आधे सच्चे-आधे झूठे कारणों से खुद को इस सत्ता प्रतिष्ठान से पीड़ित और छला हुआ महसूस कर रही है।

इन लोगों को बिल्कुल भी नहीं पहनना चाहिए लोहे का छल्ला

ज्योतिष शास्त्र में शनि को न्याय प्रिय ग्रह माना गया है। वह व्यक्ति को उसके कर्मों के हिसाब से शुभ या फिर अशुभ फल देते हैं। वहीं बुरे कर्म करने वाले लोगों को दंडित भी करते हैं। इसी कारण कुंडली में लगी शनि की ढैय्या, साढ़ेसाती, दशा, महादशा या अंतर्दशा के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न तरह के उपायों को अपनाते हैं। इन्हीं में से अधिकतर लोग हाथों में लोहे का छल्ला पहन लेते हैं, लेकिन कई ऐसे लोग लोहे के छल्ला पहनने के नियम को अनदेखा कर देते है जिसके कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जानिए किन लोगों को नहीं पहनना चाहिए लोहे का छल्ला और क्या है इसे पहनने की विधि।

किन लोगों को नहीं पहनना चाहिए लोहे का छल्ला

जिन लोगों की कुंडली में बुध, सूर्य और शुक्र एक साथ हो, तो लोहे का छल्ला धारण करने से नुकसान ही नुकसान होता है। ग्रहों की ऐसी स्थिति में चांदी का छल्ला पहनना लाभकारी होगा।

अगर किसी जातक की कुंडली के 12वें भाव में बुध और राहु एक साथ हो या फिर दोनों अलग-अलग भाव में नीच स्थिति में है, तो अंगुली में लोहे का छल्ला बिल्कुल भी नहीं पहनना चाहिए। वहीं अगर कुंडली में राहु और बुध की स्थिति मजबूत है, तो लोहे का छल्ला पहनना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

किस तरह लोहे का छल्ला पहनना होगा लाभकारी

लोहे के छल्ले को पहनने से पहले पंडित को कुंडली जरूर दिखा लें कि आपको छल्ला पहनना शुभ होगा कि नहीं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लोहे के छल्ले को हमेशा शनिवार के दिन शाम के समय ही धारण करनी चाहिए, क्योंकि शनिवार का दिन शनिदेव का माना जाता है। शनिवार के अलावा लोहे का छल्ला रोहिणी, पुष्य, अनुराधा और उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में भी पहन सकते हैं।

कैसे धारण करें लोहे का छल्ला

लोहे का छल्ला पहनने से पहले शनिवार के दिन सुबह उठकर स्नान आदि करके साफ सुथरे वस्त्र धारण कर लें। इसके बाद शनिदेव का स्मरण करते हुए बीज मंत्र का उच्चारण करें। इसके बाद दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण कर लें, क्योंकि मध्यमा अंगुली को शनि की अंगुली कहा जाता है।

नंदी के कान में अपनी कामना कहने से पहले जरूर बोलें ये एक शब्द

भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक नंदी है। मान्यता है कि नंदी जी कैलाश पर्वत के द्वारपाल है। नंदी जी बैल का रूप है। आप किसी भी शिव मंदिर में जाएंगे, तो नंदी जी की मूर्ति अवश्य मिल जाती है। दरअसल, भगवान शिव ने खुद नंदी जी को वरदान दिया था कि जहां-जहां मैं विराजमान रहूंगा वहां पर तुम भी विराजमान होंगे। इसी के कारण शिव जी और उनके परिवार के साथ नंदी भी विराजित रहते हैं। ऐसे में जब हम शिव मंदिर जाते हैं, तो शिव जी की पूजा करने के साथ-साथ नंदी जी की पूजा करते हैं। इसके साथ ही उनके कान में अपनी कामना कहते हैं। लेकिन क्या आप ठीक ढंग से अपनी कामना को कहते हैं। जानिए नंदी को कामना कहते समय किन चीज को सबसे पहले बोलना चाहिए।

नंदी के कान में क्यों कहते हैं अपनी कामना?

शिव मंदिर में पूजा पाठ करने के बाद भक्तगण वहां पर विराजित नंदी

जी की पूजा करने के साथ उनके कान में अपनी मनोकामना कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि शिव जी अधिकतर समय तपस्या में लीन रहते हैं। ऐसे में नंदी जी ही वहीं पर तैनात रहते हैं, जिससे कोई भी उनकी तपस्या पर विघ्न न डाल सके। ऐसे में जो भी भक्त भगवान शंकर से अपनी कामना कहना चाहते हैं, वह लोग नंदी जी से अपनी मनोकामना को कह देते हैं, जिससे वह भगवान शिव तक भी पहुंच जाती है। इसी के कारण नंदी जी के कान में अपनी कामना कहने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। वहीं एक अन्य मान्यता के अनुसार, स्वयं भगवान शिव जी ने नंदी को वरदान दिया था कि जो तुम्हारे कान में आकर अपनी मनोकामना कहेगा, तो उसकी हर इच्छा अवश्य पूरी होगी।

नंदी के कान में सबसे पहले बोलें ये शब्द

शास्त्रों के अनुसार, नंदी के कान में कोई भी कामना कहने से पहले 'ऊँ' शब्द बोलना चाहिए। इसके बाद ही अपनी कामना कहनी चाहिए।

नंदी के कान में पहले क्यों बोलना चाहिए ऊँ शब्द?

हर किसी के मन में ये सवाल जरूर उठ रहा होगा कि आखिर अपनी कामना कहने से पहले ऊँ क्यों बोलना चाहिए। बता दें कि हिंदू धर्म में 'ऊँ' का विशेष महत्व है। आप देखेंगे की अधिकतर मंत्रों की शुरुआत इसी शब्द के साथ होती है। ये केवल एक शब्द नहीं है बल्कि ऊँ को संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतीक माना जाता है। ऊँ का उच्चारण करने मात्र से आसपास सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इसके साथ ही यह शब्द सभी देवी-देवता का एक संयुक्त रूप है। इस चमत्कारी शब्द में इतनी ताकत है कि इसे बोलने मात्र से ही व्यक्ति के आधे कष्ट दूर हो जाते हैं।

घर के आंगन में हरसिंगार है तो क्या होगा?

हरशिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

1. हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।

2. हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।

3. हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क

को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।

4. हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।

5. हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है।

लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।

6. हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

वैशाख मास:इस महीने में जल का दान करें, पक्षियों के लिए रखें दाना-पानी

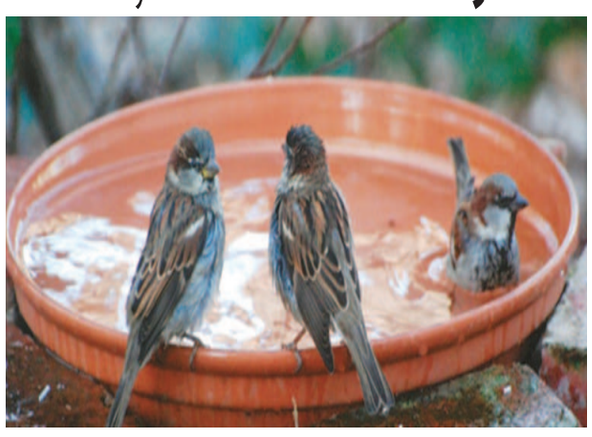

हिन्दी पंचांग का दूसरा महीना वैशाख शुरू गया है। ये महीना 5 मई तक रहेगा। इस महीने में गर्मी बढ़ जाती है, इसलिए वैशाख में जल दान करने की परंपरा है। इस मास में नदी स्नान और नदी किनारे स्थित तीर्थ दर्शन करने का विशेष महत्व है। जो लोग वैशाख में तीर्थ यात्रा करते हैं, उन्हें धर्म लाभ के साथ ही मानसिक और शारीरिक लाभ भी मिलते हैं। मन को शांति मिलती है, सकारात्मकता बढ़ती है। एक जैसे जीवन की वजह से बनी निराशा दूर होती है।

वैशाख मास में पक्षियों के लिए भी पानी और अनाज की व्यवस्था करनी चाहिए, क्योंकि इन दिनों में अधिकतर नदी-तालाब सूख जाते हैं, इस कारण पक्षियों को दाना-पानी नहीं मिल पाता है। तीर्थ यात्रा करते हैं तो पितरों के लिए तर्पण आदि शुभ भी जरूर करना चाहिए।

वैशाख माह में कर सकते हैं ये शुभ काम

वैशाख महीने में शिव मंदिरों में शिवलिंग पर लगातार जलधारा की अभिषेक किया जाता है। शिवलिंग के ऊपर मिट्टी के कलश स्थापित किए जाते हैं और शिव जी को शीतलता देने के लिए ठंडा जल चढ़ाया जाता है। भगवान को बिल्व पत्र, आंकड़े के फूल, धतूरा, इत्र, जनेऊ, हार-फूल आदि शुभ चीजें अर्पित करें। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। धूप-दीप जलाएं और आरती करें। पीपल को रोज पानी चढ़ाना चाहिए। पीपल श्रीकृष्ण का ही एक स्वरूप है। इस वजह से पीपल की पूजा से श्रीकृष्ण की प्रसन्नता मिलती है। सार्वजनिक स्थानों पर स्थित अन्य पेड़-पौधों को पानी मिलता रहे, इसकी भी व्यवस्था करनी चाहिए।

वैशाख महीने में रोज सुबह जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए और सूर्य को अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करनी चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए सूर्य को चढ़ाएं।

आप चाहें तो सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगवा सकते हैं। ये संभव न हो तो किसी प्याऊ में मटके का दान कर सकते हैं।

भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का दूध, जल से अभिषेक करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल, छाता और सूती वस्त्रों का दान करें। गोशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

परेशानियों से छुटकारे के लिए वैशाख महीने की चतुर्थी पर होती है भगवान गणेश के विकट रूप की पूजा

वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 9 अप्रैल, रविवार को है। इस दिन वैशाख संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत किया जाएगा। इस व्रत में भगवान गणेश के विकट रूप की पूजा करने का विधान है, इसलिए इसे विकट संकष्टी चतुर्थी भी कहते हैं।

भविष्य पुराण में भी कहा गया है कि संकष्टी गणेश चतुर्थी का व्रत करने से हर तरह के कष्ट दूर होते हैं और धर्म, अर्थ, मोक्ष, विद्या, धन और आरोग्य मिलता है।

चतुर्थी पर गणेशजी की पूजा विधि सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं। पूजा स्थान पर भगवान गणेश, शिवजी और देवी पार्वती की स्थापना करें। दिनभर व्रत रखने का संकल्प लें और पूजा शुरू करें। जल, पंचामृत, चंदन, अक्षत, फूल, दूर्वा और अन्य सामग्रियों से पूजा करें।

सूर्यास्त के पहले फिर से पूजा करें। रात में चंद्रमा दर्शन कर के अर्घ्य दें और चंद्रमा की भी पूजा करें। फल एवं मिठाईयों का नैवेद्य लगाएं और प्रसाद बांट दें।

मोर की सवारी वाला विकट रूप

भगवान विष्णु ने जलंधर नाम के राक्षस के विनाश के लिए उसकी पत्नी वृंदा का सतीत्व भंग किया। उससे एक दैत्य उत्पन्न हुआ, उसका नाम था कामासुर। कामासुर ने शिव की आराधना करके त्रिलोक विजय का वरदान पा लिया। इसके बाद उसने अन्य दैत्यों की तरह ही देवताओं पर अत्याचार करने शुरू कर दिए। देवताओं ने भगवान गणेश का ध्यान किया। तब भगवान गणपति ने विकट रूप में अवतार लिया। इस रूप में भगवान मोर पर विराजित होकर अवतरित हुए। उन्होंने देवताओं को अभय वरदान देकर कामासुर को हराया।

सौभाग्य और समृद्धि देने वाला व्रत

भविष्य पुराण के अनुसार संकष्टी चतुर्थी की पूजा और व्रत करने से हर तरह के कष्ट दूर हो जाते हैं। वैशाख माह के कृष्णपक्ष की चतुर्थी को चंद्रमा को अर्घ्य देने से संतान सुख मिलता है। इसके साथ ही शारीरिक परेशानियां भी दूर हो जाती है।

मनोकामनाएं पूरी करने और हर तरह की परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए ये संकष्टी व्रत किया जाता है।

वैशाख माह की इस चतुर्थी पर व्रत और पूजा करने से समृद्धि और सौभाग्य प्राप्त होता है।

2 मई तक अपनी ही राशि में रहेगा शुक्र

6 अप्रैल को शुक्र वृष राशि में आ गया है और 2 मई तक रहेगा। वृष राशि का स्वामी भी शुक्र ही होता है। इसलिए अपनी ही राशि में आने से इस ग्रह का शुभ फल और बढ़ जाएगा। आमतौर पर शुक्र ग्रह एक राशि में 23 दिन तक रहता है, लेकिन इस बार 4 दिन ज्यादा यानी 27 दिनों तक अपनी ही राशि में रहेगा। जिससे इसका शुभ असर और बढ़ जाएगा। शुक्र के राशि परिवर्तन से देश-दुनिया में बड़े बदलाव होंगे। इस ग्रह का शुभ-अशुभ असर लव लाइफ, पैसा, ऐश्वर्य, आनंद, मकान, वाहन, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक सामान आदि मामलों पर होता है। इसके अच्छे असर से ये सब सुख मिलता है। अशुभ असर से फालतू खर्चा होता है और इनसे संबंधित सुख में कमी होती है। शुक्र के राशि बदलने पर 12 में से 9 राशियों को धन लाभ और कई तरह का सुख मिलेगा।

कुंभ सहित 9 राशियों के लिए शुभ

शुक्र की चाल में बदलाव होने से मेष, वृष, कर्क, सिंह, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन 9 राशियों के नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों को फायदा हो सकता है।

कामकाज की तारीफ होगी और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। किस्मत का साथ मिलेगा। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में सुख मिलेगा। मिथुन और धनु राशियों के लिए मिला-जुला समय अपनी ही राशि में शुक्र के आ जाने से मिथुन और धनु राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन राशि वालों की सेहत में सुधार होगा लेकिन रोजमर्रा के कामों में रुकावटें आ सकती है। पैसा खर्चा हो सकता है। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। साझेदारी संबंधी मामलों में उलझनें आ सकती है। बिजनेस के जरूरी फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

तुला राशि के लिए अशुभ

शुक्र के राशि बदलने से तुला राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन राशियों के लोगों के फालतू खर्चे बढ़ सकते हैं। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। राज की बातें उजागर हो सकती है। मेहनत बढ़ेगी। अपोजिट जेंडर वालों से संबंध बिगड़ सकते हैं। विवाद और दौड़-भाग भी हो सकती है।

राशि अनुसार शनि मंत्र का जाप

शनि काले रंग के, धीमी चाल से चलने वाले और कर्म के अनुसार फल देने वाले देव हैं.

शनि देव की विधिपूर्वक पूजा करने के बाद अपनी राशि के मंत्र का जाप कर सकते हैं.

आज शनिवार का दिन न्याय के देवता शनिदेव की पूजा के लिए समर्पित है. शनि देव काले रंग के, धीमी चाल से चलने वाले और कर्म के अनुसार फल देने वाले देव हैं. नौ ग्रहों में इनकी दशा जब आती है तो व्यक्ति को उसके किए गए कार्यों के आधार पर फल मिलने लगता है. शनि देव क्रूर नहीं हैं, वे लोगों को आत्म मंथन का मौका देते हैं, ताकि व्यक्ति संभल जाए और अच्छे कार्य करे. शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए कई ज्योतिष उपाय हैं, लेकिन आप अपनी राशि के अनुसार शनि मंत्र का जाप करते हैं और उसके बाद तिल के तेल या सरसों के तेल से उनकी आरती करते हैं तो आपका कल्याण हो सकता है. आपका शनि दोष दूर हो सकता है और साढ़ेसाती एवं ढैय्या के प्रभाव में कमी आएगी, जिससे आपके कष्ट दूर होंगे. श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं शनि देव के राशि अनुसार प्रभावी मंत्र और उनकी आरती.

राशि अनुसार प्रभावी शनि मंत्र

मेषः ॐ शान्ताय नमः
वृषः ॐ वरेण्णाय नमः
मिथुनः ॐ मन्दाय नमः
कर्कः ॐ सुंदराय नमः
सिहंः ॐ सूर्यपुत्राय नमः
कन्याः ॐ महनीयगुणात्मने नमः
तुलाः ॐ छायापुत्राय नमः
वृश्चिकः ॐ नीलवर्णाय नमः
धनुः ॐ घनसारविलेपाय नमः
मकरः ॐ शर्वाय नमः
कुंभः ॐ महेशाय नमः
मीनः ॐ सुन्दराय नमः

कियारा आडवाणी का एयरपोर्ट लुक देख फैंस हुए हैरान, पूछा- इतनी गर्मी में स्वेटर?

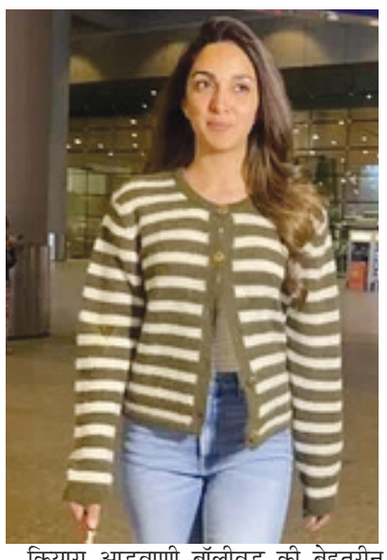

कियारा आडवाणी बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं। उन्होंने अपने काम के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई है। कियारा आडवाणी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। वह अक्सर ही अपने लुक्स को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हालांकि इस बार वह अपने लुक के चलते सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गई हैं।

दरअसल, कियारा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि एक्ट्रेस ने स्वेटर पहना हुआ है। मुंबई की गर्मी में उन्हें स्वेटर पहना देख यूजर्स भी हैरान हो गए हैं। एक्ट्रेस का यह लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। यह वीडियो मुंबई एयरपोर्ट का है।

वीडियो में एक्ट्रेस ने ब्लू जीन्स के साथ व्हाइट शर्ट पहनी है। साथ ही ग्रीन और व्हाइट रंग का कार्डिगन स्वेटर पहना है। एक्ट्रेस के बाल इस दौरान खुले हुए हैं और उन्होंने कोई भी मेकअप नहीं किया हुआ है। एक्ट्रेस का लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है। हालांकि लोग उनके स्वेटर पहने को लेकर काफी सवाल कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा- मुंबई में ठंडी है क्या। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- इन सभी ने स्वेटर क्यों पहना है इतनी गर्मी में। एक और यूजर ने लिखा- स्वेटर? क्यों? मुंबई एयरपोर्ट के अंदर इतनी ठंड नहीं है। यहां गर्मी से जल रहा है। आपको बता दें कि कियारा आडवाणी जल्द ही साउथ के सुपरस्टार राम चरण के साथ फिल्म RC 15 में नजर आने वाली हैं।

राम चरण ने शेयर किया 'येंतम्मा' में सलमान के साथ काम करने का अनुभव, एक्टर को लेकर कही यह बड़ी बात

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी का जान' का फैंस बेसब्री से इंतराज कर रहे हैं। फिल्म के गाने 'येंतम्मा' में आरआरआर सुपरस्टार राम चरण स्पेशल गेस्ट अपियरेन्स ने फैंस के दिलों में फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट को और बढ़ा दी है। गाने में राम चरण के साथ साउथ स्टार विक्ट्री वेंकटेश भी नजर आए थे।

फिल्म के गाना 'येंतम्मा' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया। भाईजान के फैंस को फिल्म का यह गाना काफी पसंद आ रहा है। रिलीज के दो दिनों में गाने को सोशल मीडिया पर और वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर 43 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। इस बीच साउथ सुपरस्टार ने सलमान के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव शेयर किया है। किसी का भाई किसी की जान

के मेकर्स ने एक बीटीएस यानी बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। शेयर किए गए इस वीडियो में एक्टर भाईजान के साथ फिल्म के गाने में डांस करने को लेकर अपना एक्सपीरिएंस शेयर करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उन्होंने बचपन के सपने को पूरा हो जाने की बात कही है।

वीडियो में राम चरण कहते हैं कि यह सब एक छोटे बच्चे के सपने के सच हो जाने जैसा है। एक्टर ने कहा कि फिल्म का गाना करते समय उन्हें काफी मजा आया। सलमान के साथ काम करने का उनका अनुभव काफी शानदार है। 'येंतम्मा' काफी अच्छा गाना और मुझे उम्मीद है कि फिल्म का यह गाना लोगों को काफी पसंद आएगा।

बता दें कि किसी का भाई किसी की जान का 'येंतम्मा' पायल देव ने गाया है। वहीं, गाने के बोल शब्बीर अहमद के हैं और कोरियोग्राफी जानी मास्टर ने की है। फिल्म की रिलीज डेट की बात करें तो सलमान खान, पूजा हेंगड़े, पलक तिवारी और शहनाज गिल स्टारर यह फिल्म 21 अप्रैल 2023 को ईद पर रिलीज होने वाली है।

अमेजन प्राइम ने 40 करोड में खरीदे निखिल सिद्धार्थ की 'स्पाई' के ओटीटी राइट्स

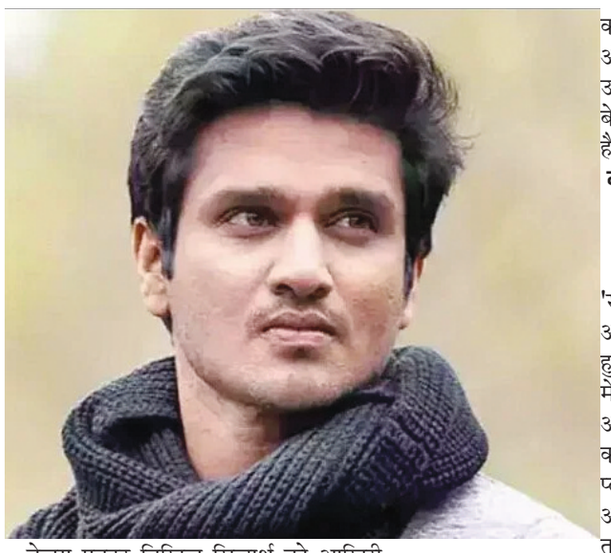

तेलुगू एक्टर निखिल सिद्धार्थ को आखिरी बार फिल्म 'कार्तिकेय 2' में देखा गया था। यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म की सफलता के बाद से ही निखिल सिद्धार्थ की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ गई। वहीं, अब निखिल को अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्पाई' से काफी उम्मीदें हैं। खबरों के मुताबिक, पैन इंडिया फिल्म स्पाई के गैर-नाटकीय अधिकार, ओटीटी प्लेटफार्मों को भारी कीमत पर बेचे गए हैं।

निखिल सिद्धार्थ की फिल्म 'स्पाई' को लेकर बज हाई

गौरतलब हो कि निखिल सिद्धार्थ की आने वाली फिल्म 'स्पाई' एक्शन थ्रिलर है, जिसे एड एंटरटेनमेंट भारी भरकम बजट में बना रहा है। इसके निर्माता राजशेखर रेड्डी हैं। इस फिल्म के साथ संपादक गैरी बीएच निर्देशक के रूप में अपनी शुरुआत कर रहे हैं। खबरों की मानें तो, फिल्म ने अपने निर्माण के कुछ प्रमुख हिस्सों को पूरा कर लिया है, और इसका आउटपुट उम्मीद के मुताबिक बेहद शानदार आया है।

गैर नाटकीय अधिकार के लिए लगी जमकर बोली

निखिल सिद्धार्थ की 'स्पाई' का फैंस के बीच अच्छा-खासा बज बना हुआ है। वहीं, फिल्म के मेकर्स ने डिजिटल अधिकारों का सौदा करने के लिए ओटीटी प्लेटफार्मों को भी खूब आकर्षित किया है। ताजा अपडेट के मुताबिक, 'कार्तिकेय 2' की सफलता के बाद निखिल सिद्धार्थ की मांग काफी ज्यादा बढ़ गई है। इसी को लेकर उनकी फिल्म 'स्पाई' के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने भारी-भरकम बोली लगाई।

इतने करोड़ में बिके 'स्पाई' के राइट्स

रिपोर्ट की मानें तो 'स्पाई' के गैर-थिएट्रिकल राइट्स अमेजन ओटीटी प्लेटफॉर्म और स्टार नेटवर्क को मिले हैं। फिल्म 'स्पाई' अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है और यह गर्मी में रिलीज होने वाली है। फिल्म की झलक और अन्य प्रमोशनल मैटेरियल की वजह से इसे जबरदस्त हाइप मिल रही है। इस बीच, एसपीवाई के गैर-नाटकीय अधिकार भी अमेजन और स्टार नेटवर्क द्वारा 40 करोड़ रुपये में हासिल किए गए हैं, जो निखिल सिद्धार्थ-अभिनीत फिल्म के लिए अब तक की सबसे अधिक राशि है और अन्य टियर -2 हीरोज की कीमतों से कहीं अधिक है।

मौत से पहले ब्रेकअप पार्टी करने पहुंची थीं आकांक्षा पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर वकील ने उठाए सवाल

भोजपुरी इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे ने बीते दिनों आत्महत्या कर ली थी। एक्ट्रेस की आत्महत्या मामले में आरोपी समर सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में उनसे पूछताछ जारी है। इस पूरे मामले में आकांक्षा की मां कई सवाल खड़े करती आ रही हैं। साथ ही उनके वकील ने भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक वकील का कहना है कि उन्हें पुलिस ने जानकारी दी थी कि आकांक्षा ने आत्महत्या से पहले अपने कुछ दोस्तों के साथ पार्टी की थी, जिसके लिए वह पब गई थीं। पब में जाकर एक्ट्रेस ने दोस्तों के

साथ मिलकर ब्रेकअप पार्टी की थी, जिसका बिल 11 हजार रुपये था। उन्होंने आगे बताया कि आकांक्षा ने पार्टी में कुछ भी नहीं खाया था और ना ही कुछ पिया था, ना ही किसी भी तरह का नशा किया था। वहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस के पेट में कुछ ब्राउन रंग का पदार्थ पाया गया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर खड़े किए सवाल

इस पूरे मामले में एक्ट्रेस की मां मधु दुबे का कहना है कि पुलिस ने कहा था कि उसने उस दिन पार्टी रखी थी और वहां पर खाना पीना हुआ था। आकांक्षा ने ड्रिंक भी किया था। साथ ही होटल मैनेजर ने बताया कि वह ड्रिंक करके आई थीं, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ की कोई जानकारी नहीं है और न ही कोई केमिकल मिला है। साथ ही खाना भी पेट में नहीं मिला है। आकांक्षा के पेट में बस एक चीज मिली है, वह है भूरे रंग का कोई पदार्थ।

आपको बता दें कि एक्ट्रेस की मां ने आरोपी समर सिंह के लिए फांसी की मांग की है। मधु दुबे ने खुलासा किया है कि समर सिंह ने उनकी बेटी आकांक्षा पर कई बार हाथ उठाया था। उन्होंने कहा कि इस बारे में जानकारी खुद आकांक्षा ने उन्हें दी थी। उन्होंने कहा कि जब भी काम के पैसे मांगती थी तो समर सिंह उसे मारता था।

आपको बता दें कि 25 मार्च को आकांक्षा दुबे ने वाराणसी के होटल में फांसी लगा ली थी। उस दौरान वह वाराणसी अपनी किसी फिल्म की शूटिंग के लिए गई हुई थीं।

कबीर खान की फिल्म पर इस महीने काम शुरू करेंगे कार्तिक आर्यन

अभिनेता कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के चर्चित स्टार्स में शामिल हैं। बीते वर्ष आई फिल्म 'भूल भुलैया 2' के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ। बेशक कार्तिक की इस साल फरवरी में आई फिल्म 'शहजादा' नहीं चल पाई। लेकिन, पिक्चर अभी बाकी हैं। कार्तिक जल्द ही कबीर खान की एक्शन फिल्म में नजर आएंगे। इसे लेकर अब नई जानकारी सामने आई है, जिसे सुनकर कार्तिक के फैंस खुशी से झूम उठेंगे।

फिल्म 'एक था टाइगर' फेम निर्देशक कबीर खान की फिल्म के लिए कार्तिक जल्द शूटिंग शुरू करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले महीने यानि मई में एक्टर फिल्म पर काम शुरू करेंगे। हाल ही में एक इवेंट के दौरान इस फिल्म पर बात करते हुए कबीर खान ने कहा, 'यह एक शानदार सच्ची कहानी पर आधारित फिल्म है।'

फिल्म पर बात करते हुए कबीर खान ने कहा कि फिल्म '83' के विपरीत यह एक ऐसे नायक की कहानी है, जिसके बारे में लोग नहीं जानते हैं। निर्देशक ने कहा कि जिस बात ने मुझे यह कहानी कहने के लिए मजबूर किया वह यह है कि भारतीय होने के नाते आप चौंक जाएंगे कि हम इस व्यक्ति को आखिर कैसे नहीं जानते? जिसने इतना कुछ किया, आखिर उसे हमने कैसे भुला दिया?

कबीर खान ने आगे कहा, 'उम्मीद है कि मैं मई से फिल्म की शूटिंग शुरू करूंगा। इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के लिए अभी अन्य किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है।' बता दें कि कार्तिक इन दिनों फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह कियारा आडवाणी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म 29 जून 2023 को रिलीज होगी।

जब लड़की को खिलाने के पैसे नहीं थे तो सिनेमाघर में ही छोड़कर भाग आए जीतेंद्र

पहली फिल्म में हीरोइन के बॉडी डबल थे जीतेंद्र:पैसे नहीं थे तो लड़की को थिएटर में छोड़कर भागे, धर्मेंद्र ने तुड़वाई थी हेमा से शादी

हिंदी सिनेमा में जंपिंग जैक नाम से मशहूर एक्टर जीतेंद्र 81 साल के हो चुके हैं। जीतेंद्र का जन्म अमृतसर के आर्टिफिशियल ज्वेलरी सप्लायर अमरनाथ के घर हुआ था। इनके शुरुआती 20 साल गोरेगांव मुंबई की चॉल में बीते, लेकिन एक संयोग ने इनकी जिंदगी पूरी तरह पलट दी और ये हीरो बन गए। अपने पिता के कहने पर ये वी. शांताराम की फिल्म नवरंग के सेट पर ज्वेलरी पहुंचाने गए थे।

जब पता चला कि लड़की के कपड़े पहनकर आग में कूदने पर एक्स्ट्रा पैसे मिलेंगे तो जीतेंद्र फिल्म के लिए लड़की बन गए। बस यहीं से जीतेंद्र और फिल्मों का नाता जुड़ गया और इन्होंने कुछ 200 फिल्में कर डालीं। कभी चॉल में रहने वाले जीतेंद्र आज पूरे 1512 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। कभी इनकी बदमाशी से संजीव कुमार का दिल टूटा, तो कभी इन्होंने जिगरी दोस्त प्रेम चोपड़ा को परेशान किया।

आज जीतेंद्र के जन्मदिन के मौके पर जानिए इनकी जिंदगी से जुड़े कुछ अनसुने किस्से-

इतने गरीब थे कि जब घर में पंखा लगा तो देखने पहुंच गया पूरा चॉल

जीतेंद्र का असली नाम रवि कपूर है। 7 अप्रैल 1942 को जब जीतेंद्र का जन्म हुआ तो मां महज 15 साल की थीं। जीतेंद्र के जन्म के करीब 20-25 दिन बाद ही परिवार मुंबई आ गया था। लोअर मिडिल क्लास के जीतेंद्र का परिवार बेहद गरीब था, जो श्याम सदम चॉल, गोरेगांव में रहता था। जीतेंद्र ने भी अपनी जिंदगी के 20 साल यहीं काटे। चॉल में गरीबी का ये आलम था कि जब उनके घर में पंखा लगा तो हैरत में चॉल के सभी लोग उनके घर पहुंच गए थे।

कैसे ज्वेलरी सप्लाई करने वाली चॉल के जीतेंद्र बने हीरो

पिता अमरनाथ फिल्मों में इस्तेमाल की जाने वाली आर्टिफिशियल ज्वेलरी सप्लाई करते थे। एक बार उन्होंने फिल्म नवरंग के सेट पर ज्वेलरी सप्लाई करने के लिए बेटे जीतेंद्र को भेज दिया, जो राजकमल स्टूडियो में बना था। जीतेंद्र ने ज्वेलरी दी, लेकिन उन्हें स्टूडियो में आकर शूटिंग देखने की परमिशन नहीं मिली।

घर आकर उन्होंने चाचा से शिकायत की कि मुझे शूटिंग देखना था, लेकिन उन लोगों ने भगा दिया। अगले दिन जीतेंद्र चाचा के साथ पहुंचे तो वी. शांताराम ने कहा, शूटिंग देखना है तो काम भी करना पड़ेगा। कहा तुम्हें प्रिंस का रोल देंगे।

जीतेंद्र की खुशी का ठिकाना ही नहीं था। वो वैसे तो बसों में धक्के खाते हुए सेट पर जाते थे, लेकिन उस दिन प्रिंस का रोल करने की खुशी ऐसी थी कि वो टैक्सी में गए। जब सेट पर पहुंचे तो उनके जैसे 200 प्रिंस पहले से ही बैठे थे।

दरअसल उन्हें नवरंग फिल्म के गाने तू छुपी है कहां में एक्स्ट्रा का काम मिला था।

ऐसे ही जीतेंद्र को नवरंग में छोटे-मोटे काम मिलने लगे। एक दिन जीतेंद्र सेट पर पहुंचे तो वहां डायरेक्टर वी.शांताराम परेशान खड़े थे। एक सीन के लिए हीरोइन को आग के ऊपर से कूदते हुए दिखाने के लिए बॉडी डबल बुलाई गई थी, लेकिन खतरा देखकर उस लड़की ने ये स्टंट करने से इनकार कर दिया।

फिल्म की हीरोइन संध्या, वी. शांताराम की पत्नी थीं और वो चाहते थे कि उन्हें ये खतरनाक काम करते हुए चोट न आए। जब कोई राजी नहीं हुआ तो जीतेंद्र ने ये रोल करने की इच्छा जाहिर की। जीतेंद्र को एक्ट्रेस संध्या की तरह तैयार कर उनका बॉडी डबल बना दिया गया। जीतेंद्र की मदद से वो सीन पूरा हुआ तो वी. शांताराम भी काफी खुश हुए।

25 रीटेक के बाद भी 'टिड्डियों' नहीं बोल पाए, गुस्से में डायरेक्टर ने गलत सीन ही किया फाइनल

इसी फिल्म में जीतेंद्र को एक छोटा सा डायलॉग भी दिया गया। जीतेंद्र को कहना था, सरदार..सरदार.. दुश्मन का दल टिड्डियों की तरह आगे बढ़ता ही आ रहा है। जीतेंद्र हर बार टिड्डियों शब्द पर आकर अटक रहे थे। देखते ही देखते 25 रीटेक हुए और सेट पर मौजूद हर कोई परेशान हो गया। डायरेक्टर वी. शांताराम इस बात से इतना चिढ़ गए कि उन्होंने गलत उच्चारण का डायलॉग ही फाइनल कर दिया।

वी. शांताराम ने आगे जीतेंद्र को अपकमिंग फिल्म गीत गाया पत्थरों (1964) ने में लीड रोल दे दिया। आगे जीतेंद्र फिल्म गुनाहों का देवता और बूंद जो बन गई मोती में नजर आए।

पहली फिल्म देखने पहुंचे पिता, तो खाली था थिएटर

1964 में जीतेंद्र की पहली फिल्म गीत गाया पत्थरों ने रिलीज हुई। जीतेंद्र ने अपने पेरेंट्स के लिए टिकट खरीदी। वो उस समय

गोरेगांव की चॉल में ही रहते थे और थिएटर चॉल के पास ही था। दोनों जब फिल्म देखने पहुंचे तो उन्होंने गेटकीपर के पास जाकर टिकट दिखाई और पूछा, ये हमारी टिकट है हम कहां बैठें। जवाब मिला, पूरा थिएटर खाली पड़ा है, जहां मर्जी वहीं बैठे जाओ। ये सुनकर पिता आगबबूला हो गए और चिल्लाते हुए कहा, हमारी जो टिकट है हम वहीं बैठेंगे। शुरुआती कुछ दिनों तक फिल्म नहीं चली थी, लेकिन 10-15 दिनों बाद भीड़ पहुंचने लगी।

लड़की को खिलाने के पैसे नहीं थे तो सिनेमाघर में ही छोड़कर भाग आए

जीतेंद्र और प्रेम चोपड़ा एक समय कोलाबा में आस-पास ही रहते थे। दोनों ही इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिए प्रोड्यूसर्स के दफ्तरों के चक्कर काटा करते थे। रोज एक समय पर अपनी-अपनी गाड़ियों से निकलते थे और एक-दूसरे के सामने ऐसा बर्ताव करते जैसे उनके पास बहुत काम है।

एक दिन प्रेम चोपड़ा ने अपनी अकड़ छोड़कर जीतेंद्र से कहा, सुनो हम दोनों ही रोज एक समय पर निकलते हैं और साथ दफ्तरों के चक्कर काटते हैं। क्यों न हम दिखावा छोड़कर एक ही गाड़ी से जाएं, इससे हमारे पैसे भी बच जाएंगे। पहले ही तंगी में गुजारा कर रहे जीतेंद्र को ये आइडिया काफी पसंद आया। अब फैसला हुआ दिनभर के खाने के पैसे भी वो ही देगा जिसकी गाड़ी होगी।

साथ आते-जाते दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। एक दिन दोनों प्रेम चोपड़ा की गाड़ी से जा रहे थे कि उनकी नजर सड़क से जाती दो लड़कियों पर पड़ी। एक लड़की बेहद खूबसूरत थी, जिस पर दोनों की नजरें थीं, वहीं दूसरी लड़की दोनों को पसंद नहीं आई। दोनों ने गाड़ी रोकी और उन्हें लिफ्ट दी।

जीतेंद्र ने चालाकी से सुंदर लड़की अपने साथ पीछे की सीट पर बैठा ली और दूसरी लड़की को प्रेम चोपड़ा के साथ बैठा दिया। प्रेम चोपड़ा, जीतेंद्र से ऐसा नाराज हुए कि उन्होंने तमिल में बड़बड़ाते हुए जीतेंद्र को गालियां देनी शुरू कर दीं। जब लड़की ने पूछा कि वो क्या बोल रहे हैं तो जीतेंद्र ने और चालाकी करते हुए ये कह दिया कि प्रेम को वो साथ बैठी दूसरी लड़की पसंद है। प्रेम और गुस्सा हो गए। अब साथ जाते हुए ऐसी बात बन गई कि दोनों लड़कियों के साथ फिल्म देखने पहुंच गए। वो फिल्म थी नीला आकाश। बातचीत में पता चला कि दोनों लड़कियां मुस्लिम हैं और रमजान के महीने में उनके रोजे चल रहे हैं।

फिल्म फ्लॉप होने लगी तो बेइज्जती के डर से खरीद लिए थे सारे टिकट

1967 की फिल्म फर्ज रविकांत नागाइच के निर्देशन की पहली फिल्म थी। नए डायरेक्टर के साथ काम करने का रिस्क लेने से हर हीरो ने इनकार कर दिया था, ऐसे में नए-नए फिल्मों में आए जीतेंद्र को फिल्म का हीरो चुना गया। फिल्म जब रिलीज हुई तो थिएटर खाली पड़े थे।

जीतेंद्र को डर था कि कहीं ये बात फैल गई कि फिल्म फ्लॉप है तो मार्केट में उनका नाम खराब हो जाएगा। इस डर से जीतेंद्र ने 5 हजार रुपए लगाकर कई थिएटर की पूरी टिकट खरीद लीं। ये जीतेंद्र को पॉपुलैरिटी दिलाने वाली फिल्म साबित हुई।

फर्ज फिल्म से बन गए ट्रेंडसेटर

जीतेंद्र को पॉपुलैरिटी 1967 की फिल्म फर्ज से मिली। फिल्म का गाना मस्त बहारों का मैं आशिक जबरदस्त हिट रहा और उनके पहने गए कपड़े और जूते ट्रेंड में आ गए। इसके बाद लगातार हिट देते हुए जीतेंद्र टॉप हीरो में गिने जाने लगे।

प्रेम चोपड़ा को रेपिस्ट कहकर दोस्तों से मिलवाते थे

प्रेम चोपड़ा ने लगभग हर फिल्म में विलेन का रोल प्ले किया है। एक समय ऐसा भी था कि जब भी वो कभी जीतेंद्र के साथ कहीं जाते थे, तो वो उनका परिचय करवाते हुए कहते थ।

हेमा को संजीव का लव लेटर देने पहुंचे, लेकिन लिख दिया अपना नाम

60 के दशक के पॉपुलर एक्टर संजीव कुमार, हेमा मालिनी से एकतरफा मोहब्बत करते थे, लेकिन उस समय हेमा और धर्मेंद्र रिलेशनशिप में थे। संजीव ने हेमा के लिए लव लेटर लिखा, लेकिन झिझक में उन्होंने ये लेटर जीतेंद्र के हाथ से भिजवा दिया। जीतेंद्र जैसे ही लेटर देने हेमा के घर पहुंचे तो उनका मन बदल गया। जीतेंद्र ने चालाकी से उस लेटर से संजीव का नाम हटाकर अपना नाम लिख दिया।

हेमा मालिनी से शादी करने पंडित लेकर पहुंचे थे घर, गर्लफ्रेंड ने खबर मिलते ही किया था हंगामा

जब हेमा मालिनी के घरवालों को पता चला कि जीतेंद्र उन्हें चाहते हैं तो बात शादी तक जा पहुंची। हेमा के घरवालों को धर्मेंद्र और संजीव कुमार दोनों ही पसंद नहीं थे, ऐसे में हेमा की शादी जीतेंद्र के साथ पक्की हो गई। एक दिन जीतेंद्र रिश्तेदारों और पंडित को लेकर हेमा के घर शादी करने पहुंच गए, लेकिन ये बात धर्मेंद्र ने उनकी मंगेतर शोभा कपूर को बता दी। शोभा ने हेमा मालिनी के घर पहुंचकर शादी रुकवाई और खूब हंगामा किया। ठीक इसी समय जब धर्मेंद्र ने आत्महत्या की धमकी दी तो हेमा उनसे शादी करने के लिए राजी हो गईं।जीतेंद्र ने 1974 में एयरहोस्टेस शोभा कपूर से लव मैरिज की थी। शादी से पहले दोनों कई सालों तक रिलेशनशिप में भी रहे थे। कहा जाता है दोनों की मुलाकात सालों पहले मरीन ड्राइव पर हुई थी, जब शोभा महज 14 साल की थीं। दोनों की दोस्ती हुई और अक्सर मुलाकातें भी होने लगीं। कपल के दो बच्चे एकता कपूर और तुषार कपूर हैं।

करवाचौथ पर पत्नी की जिद ने बचाई थी जान

1975 की बात है जब शोभा ने जीतेंद्र की लंबी आयु के लिए करवाचौथ का व्रत रखा। उसी दिन जीतेंद्र को शूटिंग के लिए फ्लाइट से निकलना था। फ्लाइट लेट हुई तो जीतेंद्र शोभा का व्रत खुलवाने घर आ गए। फ्लाइट का टाइम होने लगा तो जीतेंद्र निकलने को हुए, लेकिन शोभा ने जिद कर उन्हें घर पर ही रोक लिया।

पत्नी की जिद देखकर जीतेंद्र ने अपने मेकअप आर्टिस्ट को भी वापस बुला लिया और कहा अगले दिन निकलेंगे। कुछ समय बाद जीतेंद्र की नजर एयरपोर्ट की तरफ गई, जो पाली हिल इलाके से दिखता था। उन्हें उस तरफ आग लगी नजर आई। कुछ समय बाद खबर मिली कि इंडियन एयरलाइन की जिस फ्लाइट से वो जाने वाले थे, वो क्रैश हो गई है।

3,250 करोड़ रु के लोन-फ्रॉड केस में सीबीआई का एक्शन

चंदा-दीपक कोचर और वेणुगोपाल धूत के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सीबीआई ने 3,250 करोड़ रुपए के लोन फ्रॉड केस में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन ग्रुप के फाउंडर वेणुगोपाल धूत के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी है।अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने तीनों के खिलाफ इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) के सेक्शन 120-बी (क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी), 409 (क्रिमिनल ब्रीच ऑफ ट्रस्ट) और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के प्रोविजन के तहत चार्जशीट दायर की है।

कंपनियों और व्यक्तियों सहित 9 संस्थाओं को नामित किया

अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने कंपनियों और व्यक्तियों सहित 9 संस्थाओं को नामित किया है। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी आईसीआईसीआई बैंक से चंदा कोचर के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी की अनिवार्य आवश्यकता के बिना मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट के सामने अपनी आखिरी रिपोर्ट दाखिल करेगी। उन्होंने कहा कि मंजूरी के लिएआईसीआईसीआई बैंक को एक लेटर भेजा गया था, लेकिन एजेंसी को उसके जवाब का इंतजार है।आम तौर पर स्पेशल कोर्ट चार्जशीट का संज्ञान लेने के लिए आगे बढ़ने से पहले मंजूरी का इंतजार करती है और बाद में यदि वारंट हो तो मुकदमा शुरू करती है। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने चार्जशीट पर अभी तक संज्ञान नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि मुकदमा चलाने की मंजूरी से इनकार के मामले में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के प्रोविजन लागू नहीं होंगे।

पिछले साल दिसंबर 2022 में हुई थी गिरफ्तारी

एजेंसी ने इस मामले में चंदा कोचर, दीपक कोचर और वेणुगोपाल धूत को पिछले साल दिसंबर 2022 में गिरफ्तार किया था। तीनों को 10 जनवरी 2023 तक 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया था। इसके बाद तीनों को रिहा कर दिया गया था।

नियमों को ताक पर रखकर लोन देने का आरोप

आरोप है कि जब चंदा कोचर ने देश के बड़े प्राइवेट बैंकों में से एक आईसीआईसीआई बैंक की कमान संभाली तो वीडियोकॉन की विभिन्न कंपनियों के नियमों को ताक पर रखकर कुछ लोन मंजूर किए। 2012 में वीडियोकॉन ग्रुप की कंपनियों के 6 अकाउंट के मौजूदा बकाया को डोमेस्टिक डेट रिफाइनेंसिंग के तहत स्वीकृत 1,730 करोड़ रुपए के लोन में एडजस्ट किया था। सीबीआई ने ये भी बताया था कि 2012 में दिए गए 3,250 करोड़ के लोन में से 2,810 करोड़ रुपए (लगभग 86%) नहीं चुकाए गए। वीडियोकॉन और उसकी ग्रुप कंपनियों के अकाउंट को जून 2017 में एनपीए घोषित कर दिया गया था। एनपीए घोषित होने से बैंक को घाटा हुआ।

इस हफ्ते सोने-चांदी में शानदार तेजी

सोना 1,372 रुपए चढ़ा, चांदी 74 हजार के पार निकली

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 3 अप्रैल को सोना 59,251 रुपए पर था, जो अब 8 अप्रैल को 60,623 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,372 रुपए बढ़ी है। इसी हफ्ते 5 अप्रैल को सोने ने नया ऑल टाइम हाई बनाया था। तब 10 ग्राम सोना का दाम 60,977 रुपए पर पहुंच गया था। चांदी में भी शानदार तेजी आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में ढाई हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 71,173 रुपए पर थी जो अब 74,164 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,991 रुपए बढ़ी है।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोना 61,000 पहुंचा, क्या अभी लेना सही रहेगा, जानें इसमें इन्वेस्टमेंट के 4 तरीके

दस ग्राम सोने की कीमत बुधवार को 61,000 के करीब पहुंच गई। ये सोने का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले साल अक्टूबर में सोना लगभग 50,000 रुपए प्रति दस ग्राम था। यानी 6 महीने में सोने ने 20% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। सोने में आई इस तेजी का एक कारण ग्लोबल मंदी की आशंका से सोने की डिमांड में आई तेजी को बताया जा रहा है। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या अभी सोने में निवेश करने का सही समय है? सोने में किन-किन तरीकों से निवेश किया जा सकता है? निवेश का कौनसा तरीका सबसे अच्छा है? यहां हम इन्ही सवालों का जवाब दे रहे हैं। सरकार ने पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स टाइम डिपॉजिट अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। अब इस स्कीम में निवेश करने पर आपको 7.5% तक का ब्याज मिलेगा। इस स्कीम में बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज मिल रहा है। हम आपको देश के प्रमुख बैंकों की फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दर और टाइम डिपॉजिट अकाउंट के बारे में बता रहे हैं। ताकि आप अपने हिसाब से सही जगह निवेश करके ज्यादा फायदा कमा सकें।

क्या होते हैं स्मॉल फाइनेंस बैंक, यहां पर जमा पूंजी कितनी सुरक्षित? खाता खुलवाने और लोन लेने से पहले समझें पूरी एबीसीडी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की बड़ी आबादी हर दिन बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाती है। नागरिकों और कंपनियों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए देश में कई सरकारी और प्राइवेट बैंक सक्रिय हैं। इसके अलावा आपने अक्सर स्मॉल फाइनेंस बैंक के बारे में सुना होगा। कई लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि स्मॉल फाइनेंस यानी लघु वित्त बैंक क्या होते हैं और यह आम बैंकों की तुलना में कैसे अलग होते हैं.देश में पहले से कई बड़े कमर्शियल बैंक मौजूद हैं ऐसे में फिर स्मॉल फाइनेंस बैंक क्यों खोले गए, क्या इनमें रखी जमापूंजी सुरक्षित रहती है? आइये आपको बताते हैं देश में स्मॉल फाइनेंस बैंक, कमर्शियल बैंकों से किस तरह अलग हैं। इसके अलावा इन बैंकों में लेनदेन से जुड़े नियम व शर्तें क्या हैं।

देश में क्यों खोले गए स्मॉल फाइनेंस बैंक?

देश के महानगर और शहरों में बैंकिंग व्यवस्थाएं पहुंच गई हैं लेकिन दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में अब भी बैंक नहीं खुले हैं। ऐसे में ग्रामीण भारत की बड़ी आबादी बैंकिंग सेवाओं से वंचित रहती है और उन्हें वित्तीय सेवाओं के लिए शहरों तक जाना पड़ता है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सर्विस मुहैया कराने के मकसद से स्मॉल फाइनेंस बैंक स्थापित किए गए हैं। सरकार द्वारा स्मॉल बैंकों को लाइसेंस देने का मुख्य उद्देश्य देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बैंकों की सुविधा उपलब्ध कराना है। स्मॉल बैंक ऐसे क्षेत्रों में कारोबार करते हैं, जहां बड़े कमर्शियल बैंकों पहुंच बहुत कम होती है। स्मॉल फाइनेंस बैंक, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में रजिस्टर्ड हैं। वर्ष 2015 में केंद्र सरकार ने कुल 10 स्मॉल फाइनेंस बैंकों को लाइसेंस दिया था और आज देश में 12 स्मॉल फाइनेंस बैंक हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	तुला	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	वृष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मीन...	04-49	बजे
मेष--	06-25	बजे
वृष--	08-10	बजे
मिथुन..	10-10	बजे
कर्क...	12-23	बजे
सिंह...	14-35	बजे
कन्या..	16-42	बजे
तुला	18-47	बजे
वृश्चिक.	20-57	बजे
धनु.....	23-11	बजे
मकर..	01-17	बजे
कुंभ...	03-08	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2548,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876 सूर्योदय- 06-08 सूर्य अस्त- 18-27
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - 09 -35 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , रविवार April 09
नक्षत्र -विशाखा - 13 -59 - तक उपरान्त अनुराधा
योग - सिद्ध - 22 - 13 - तक उप - व्यतिपात
करण- विष्टि - 09 - 35 - तक उप- बव
विशेष:- वैशाखी चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चौथ व्रत -चंद्रोदय-22-15

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:57 से 18:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:08 - 07:39	अशुभ	शुभ.	18:27 - 19:57	शुभ
चंचल	07:39 - 09:12	शुभ	अमृत.	19:57 - 21:24	शुभ
लाभ	09:12 - 10:45	शुभ	चंचल.	21:24 - 22:51	शुभ
अमृत	10:45 - 12:18	शुभ	रोग.	22:51 - 00:17	अशुभ
काल.	12:18 - 13:51	अशुभ	काल.	00:17 - 01:44	अशुभ
शुभ.	13:51 - 15:24	शुभ	लाभ	01:44 - 03:11	शुभ
रोग	15:24 - 16:57	अशुभ	उत्पात	03:11 - 04:38	अशुभ
उत्पात	16:57 - 18:27	अशुभ	शुभ	04:38 - 06:08	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा , इसका अर्थ है की आज कुछ अनावश्यक खर्चों पर आप बचत कर पायेंगे ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपके सितारे आपके कार्यस्थल पर प्यार की और संकेत कर रहे है । अत्यंत सावधान रहें। एक गुप्त काम आपके और आपके साथी के बीच दरार पैदा कर सकता है। आप अपने साथी को गोपनीयता के कारणों को समझाने की कोशिश करे और वे आप का समर्थन करेंगे! आपका वित्त बढ़ेगा और उसमे संतुलन रहेगा।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है । अपने क्रोध को संयमित रखे ताकि आपके कार्य पर इसके उल्टा प्रभाव न पड़े।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आप आज अपने परिवहन के साधन से परेशान हो सकते हैं । अगर कहीं किसी महत्वपूरण काम के लिए जाना है तो अपने लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर लें और कोई बैकअप योजना तैयार रखें। आज आप किसी भीतरी उलझन से परेशान हैं,लेकिन शांति बनाये रखें,यह समय जल्दी ही बीत जायेगा । परिवार के साथ समय बिताएं ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पाकिस्तान को तीन साल में 77.5 अरब डॉलर का बाहरी कर्ज चुकाने की जरूरत

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पीस (यूएसआईपी) के एक विश्लेषण के अनुसार, अप्रैल 2023 से जून 2026 तक, पाकिस्तान को बाहरी ऋण में 77.5 अरब डॉलर चुकाने की जरूरत है। 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए यह बहुत बड़ा बोझ है। अगले तीन वर्षों में प्रमुख पुनर्भुगतान चीनी वित्तीय संस्थानों, निजी लेनदारों और सऊदी अरब को किया जाएगा। पाकिस्तान के बड़े विदेशी कर्ज पर काफी पुनर्भुगतान दबाव है। पाकिस्तान को निकट अवधि के ऋण चुकौती दबाव का सामना करना पड़ रहा है। विश्लेषण में कहा गया है कि अप्रैल से जून 2023 तक, बाहरी ऋण सेवा का बोझ 4.5 बिलियन डॉलर है। प्रमुख पुनर्भुगतान जून में होने हैं जब 1 अरब डॉलर का चीनी एसएएफई डिपोसिट और मोटे तौर पर 1.4 अरब डॉलर का चीनी कमर्शियल लोन परिपक्व होगा। पाकिस्तानी अधिकारियों को उम्मीद है कि वे चीनियों को पुनर्वित्त और दोनों ऋणों को रिलीज करने के लिए राजी करेंगे, जो कि चीनी सरकार और वाणिज्यिक बैंकों ने अतीत में किया है। विश्लेषण में कहा गया है कि अगर पाकिस्तान इन दायित्वों को पूरा करने में कामयाब भी हो जाता है, तो अगला वित्त वर्ष अधिक चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि कर्ज अदायगी बढ़कर करीब 25 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी। इसमें 15 अरब डॉला का अल्पकालिक ऋण और 7 अरब डॉलर का दीर्घकालिक ऋण शामिल है, जिसमें चौथी तिमाही में यूरोबॉन्ड पर 1अरब डॉलर का महत्वपूर्ण पुनर्भुगतान शामिल है। अल्पकालिक ऋण चुकौती में 4 अरब डॉलर चीनी सेफ डिपॉजिट, 3 अरब डॉलर सऊदी डिपॉजिट और 2 अरब डॉलर यूएई डिपॉजिट शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार मानती है कि उन्हें हर साल लेनदारों द्वारा लुढ़का दिया जाएगा। अलग से, पाकिस्तान को चीनी बैंकों को 1.1 अरब डॉलर का दीर्घकालिक वाणिज्यिक ऋण चुकाने की आवश्यकता होगी। 2024-25 में, पाकिस्तान की ऋण चुकौती लगभग 24.6 अरब डॉलर होने की संभावना है, जिसमें 8.2 अरब डॉलर का दीर्घकालिक ऋण पुनर्भुगतान और अन्य 14.5 अरब डॉलर का अल्पकालिक ऋण पुनर्भुगतान शामिल है।

इस साल आटे का दाम नहीं बढ़ेगा

पिछले साल से भी ज्यादा हो रहा है गेहूं का उत्पादन, जानिए पूरी बात

नई दिल्लीः इस साल गेहूं की कोई कमी नहीं रहेगी। यह कहना है भारतीय खाद्य निगम के सीएमडी अशोक कुमार मीणा का। उनका कहना है कि इस साल भले ही बेमौसम की बारिश से गेहूं की फसल खराब हुई हो, लेकिन गेहूं की सरकारी खरीद में कोई कमी नहीं होगी।

उन्होंने बताया है कि एफसीआई अभी तक 7 लाख टन गेहूं की खरीद कर चुकी है। एफसीआई इस साल 342 लाख टन खरीद की ओर अग्रसर है।अशोक मीणा का कहना है कि सरकार और प्राइवेट सेक्टर मिल कर काम करेगी। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि गेहूं और इसके आटे की कीमतें स्थिर रहे। सरकार के पास अभी तक जो इनपुट मिला है, वह निराशाजनक नहीं है। इस साल पिछले साल से भी ज्यादा गेहूं के उत्पादन होने का अनुमान आया है। हालांकि गेहूं की क्वालिटी में कुछ फर्क आ सकता है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह ने भी कहा है कि इस साल गेहूं की उपज बढ़ रही है। कल एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि मंत्रालय और निजी क्षेत्र दोनों के अनुमान इस बात के संकेत दे रहे हैं। इस साल मार्च-अप्रैल में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के बावजूद, इस साल गेहूं का अधिक उत्पादन होगा। गेहूं के उत्पादन में 4-5 प्रतिशत अधिक होने की उम्मीद है।'एग्री वॉच' द्वारा तैयार एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में भी गेहूं की उपज बढ़ने की बात कही गई है।

फडणवीस की पत्नी को ब्लैकमेल करने का आरोपी अनिल जयसिंघानी अब ईडी के शिकंजे में फंसा

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में संदिग्ध बुकी अनिल जयसिंघानी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को रिश्वत देने की कोशिश करने और ब्लैकमेल करने की साजिश रचने के आरोप में जयसिंघानी और उसकी बेटी अनिक्षा को हाल में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि अमृता ने अनिक्षा के पिता अनिल जयसिंघानी को उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों में बचाने से इनकार किया, तो उनसे पैसे ऐंठने की भी कोशिश की गई। ईडी के अहमदाबाद कार्यालय ने शुक्रवार को पेशी वारंट के साथ मुंबई की एक अदालत का रुख किया और जयसिंघानी को हिरासत में लिया। जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उसकी हिरासत की मांग की।

अहमदाबाद की एक अदालत ने 2015 में जयसिंघानी के खिलाफ जारी किया था गैर-जमानती वारंट

ईडी अहमदाबाद की एक अदालत की ओर से जयसिंघानी के खिलाफ पूर्व में जारी एक गैर-जमानती वारंट पर कार्रवाई कर रही थी। यह वारंट आईपीएल मैचों में कथित सट्टेबाजी से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में 2015 में जारी किया गया था। इस मामले की जांच संघीय एजेंसी कर रही है। समझा जाता है कि शुक्रवार को जयसिंघानी को हिरासत में लेने के बाद एजेंसी इस मामले में उसका बयान दर्ज कर रही है। जयसिंघानी को शराब के कथित अवैध कारोबार के एक मामले में हाल में मध्य प्रदेश पुलिस ने भी हिरासत में लिया था।पिता-पुत्री पर आरोप है कि उन्होंने एक साजिश रची, जिसके तहत अनिक्षा ने अमृता फडणवीस के साथ दोस्ताना संबंध बनाए और फिर उनसे 'अपने पिता को उसके खिलाफ लंबित कई आपराधिक मामलों से बचाने' का अनुरोध किया, क्योंकि अमृता के पति लोक सेवक (उपमुख्यमंत्री) हैं। अनिक्षा ने अमृता फडणवीस को एक करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश की। दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल थाने ने 20 फरवरी को अनिल जयसिंघानी और अनिक्षा के खिलाफ कुछ ऑडियो और वीडियो क्लिप सार्वजनिक करने की धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी, जिनमें अमृता फडणवीस अनिक्षा से कथित रूप से लाभ लेते हुए नजर आ रही हैं।

20 लाख नौकरियां देने जा रही सरकार !

इन राज्यों में लगाए जाएंगे 7 नए मेगा टेक्सटाइल प्लांट

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मेक इन इंडिया के तहत केंद्र सरकार ने देश में सात टेक्सटाइल प्लांट लगाने के प्लान की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मित्र योजना के तहत ये सातों प्लांट तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लगाए जाएंगे। केंद्र सरकार का कहना है कि इस कारोबार से 20 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। पीएम मित्र योजना को अक्टूबर 2021 में 4,445 करोड़ रुपये के खर्च के साथ शुरू किया गया था और 2023-24 के बजट में परियोजना के लिए प्रारंभिक आवंटन 200 करोड़ रुपये है। 17 मार्च को पीएम मोदी ने कहा था कि पीएम टेक्स्टाइल सेक्टर को एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइड कराएगा। उन्होने कहा था कि इसमें करोड़ों रुपये के निवेश से लाखों की संख्या में नौकरियां पैदा होंगी। यह मेक इन इंडिया और मेक फॉर वल्ड का ग्रेट एग्जाम्पल है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इसके तहत 70 हजार करोड़ रुपये के निवेश की योजना है और 20 लाख नौकरी पैदा करने का टारगेट रखा गया है। एएनआई ने मंत्री के हवाले से कहा कि कपड़ा उद्योग देश में असंगठित रहा है। इस बढ़ी हुई खर्च और रसद लागत ने देश के कपड़ा क्षेत्र को प्रभावित किया है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का ये कमद कई समस्याओं का समाधान करेगा। कपड़ा सचिव रचना शाह ने सात स्थलों के चयर की योग्यता के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके मंत्रालय ने 13 राज्यों के 18 प्रस्तावों पर विचार करने के बाद पारदर्शी तरीके से स्थलों का चयन किया है।

बेटी की पढ़ाई और शादी के खर्च की चिंता खत्म!

21 साल की उम्र में इकट्ठे हो जाएंगे 69 लाख रुपये

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई तरह की योजनाएं चलाती है। उन्हीं में से एक योजना का नाम है सुकन्या समृद्धि योजना हाल ही में केंद्र सरकार ने कई स्मॉल सेविंग स्कीम की ब्याज दरों में इजाफा किया है। सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़त के बाद इस स्कीम के कहत 7.60 फीसदी के बजाय 8.00 फीसदी ब्याज दर मिलेगा। यह दरें वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के लिए लागू की गई है। बच्ची के जन्म के बाद से ही हर माता-पिता को बच्ची की पढ़ाई और शादी के खर्च की चिंता रहती है। ऐसे में इस चिंता को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत निवेश करने पर बच्ची 21 साल की उम्र में लाखों की मालकिन बन सकती है। आप इस योजना के लिए 69 लाख रुपये इकट्ठा कर सकते हैं। आइए जानते हैं इस योजना में निवेश करने के तरीके और पात्रता के बारे में- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 10 वर्ष से कम उम्र के बच्ची के नाम पर माता पिता खाता खुलवा सकते हैं।

अगर आप बच्ची के जन्म के तुरंत बाद ही खाता खुलवाते हैं तो आप इस स्कीम में बच्ची के 15 साल के होने तक निवेश किया जा सकता है। इसके बाद बच्ची के 18 वर्ष की आयु के बाद खाते में जमा कुल राशि का 50 फीसदी हिस्सा आप विड्रॉल कर सकते हैं।

दुनिया की सबसे छोटी शालिग्राम की मूर्ति

कैसे 4 साल के बच्चे को मिलती है युवराज की गद्दी, क्या है निम्बार्क संप्रदाय

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 5 हजार साल पुराना एक संप्रदाय जिसके पास दुनिया की सबसे छोटी सर्वेश्वर प्रभु का शालिग्राम की मूर्ति है। इतनी छोटी कि बिना लेंस के आप नहीं देख सकते। महज चार साल की उम्र में ही कुंडली देखकर गद्दी का युवराज चुन लिया जाता है।

मान्यता ये कि इस संप्रदाय के पहले आचार्य ने शाम ढलने के बाद भी नीम के पेड़ पर एक संन्यासी को भगवान सूर्य के दर्शन कराए थे। वह संप्रदाय है निम्बार्क यानी नीम पर सूर्य।

सुबह 7 बजे का वक्त। राजस्थान के अजमेर से करीब 50 किलोमीटर दूर सलेमाबाद (अब श्रीनिम्बार्क तीर्थ) जाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा नहीं है। कोविड के बाद से ही यहां बसें बंद हैं। मैं एक निजी वाहन से श्रीनिम्बार्क तीर्थ के लिए निकल जाती हूं। संकरी सड़क, दोनों तरफ बेर के पेड़ और बकरियों के झुंड। करीब सवा घंटे के सफर के बाद श्रीनिम्बार्क तीर्थ पहुंची। श्रीनिम्बार्क तीर्थ मंदिर का बड़ा सा भव्य द्वार है, जिसके ऊपर संप्रदाय के प्रतीक चिन्ह यानी सुदर्शन चक्र, शंख और तिलक बने हुए हैं। निम्बार्काचार्य को सुदर्शन चक्र का अवतार माना जाता है। दीवारों पर दोनों तरफ श्रीराधेश्याम लिखा है।

अंदर जाने पर मंदिर किसी बड़ी हवेली जैसा दिखता है। दीवारों पर हाथियों की पेंटिग्स उकेरी गई हैं। एक कतार से तीन मंदिर हैं। पहला मंदिर निम्बार्क परंपरा के आचार्यों का है, फिर राधा-माधव का और उसके बाद सर्वेश्वर भगवान का मंदिर है।

राधा-माधव यानी भगवान का युगल रूप राधा और कृष्ण। निम्बार्क संप्रदाय युगल रूप में ही भगवान की उपासना करता है।

राधा-माधव यानी राधा-कृष्ण की मूर्ति। निम्बार्क संप्रदाय युगल रूप में ही भगवान की उपासना करता है।

इस मंदिर के दरवाजे चांदी के बने हैं। उसके ऊपर भगवान कृष्ण की लीलाएं उकेरी गई हैं।

सोने-चांदी और हीरे से जड़े गहनों से सजे राधा-कृष्ण चांदी के सिंहासन पर विराजमान हैं। राधा जी की मूर्ति खास अष्ट धातु की बनी है। जबकि कृष्ण जी की मूर्ति के बारे में कहा जाता है कि वह स्वयंभू हैं यानी खुद ही प्रकट हुए हैं। मंदिर के पुजारी नारायणजी इसकी कहानी बताते हैं, 'मुगलकाल में मंदिरों पर हमले हो रहे थे। तब भगवान कृष्ण की मूर्ति यहां से ले जाकर रूपनगढ़ के किले में रख दी गई। वहां मूर्ति कई महीनों तक रही। जब माहौल ठीक हुआ तो वहां के राजा ने तय किया कि कृष्ण जी बहुत दिन अकेले रह लिए, अब वे राधा जी के साथ ही यहां से जाएंगे। इसके बाद राधा जी की अष्ट धातु की मूर्ति बनाई गई। बारात निकाली गई। कृष्ण के साथ उनका विवाह कराया गया। इसके बाद फिर से श्रीनिम्बार्क क्षेत्र में दोनों की मूर्ति स्थापित की गई।'राधा-माधव भगवान के ठीक बगल में सर्वेश्वर भगवान का मंदिर है। वे सोने के सिंहासन पर विराजमान हैं। जिन्हें लाल रंग के छोटे पर्दे में रखा गया है। राधा-कृष्ण की युगल मूर्ति के प्रतीक के रूप में सर्वेश्वर शालिग्राम की पूजा होती है।

यहां दुनिया के सबसे छोटी मूर्तियों में से एक भगवान सर्वेश्वर की एक मूर्ति है, जो आधे चने के

भगवान सर्वेश्वर की मूर्ति। इसे लेंस के जरिए ही देखा जा सकता है।

दाने के बराबर है। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया है।

मंदिर के पुजारी रूई के फाहे पर मूर्ति लेकर बैठे हैं। मैग्नीफाइड ग्लास की मदद से बारी-बारी से भक्तों को सर्वेश्वर भगवान के दर्शन करा रहे हैं। कहते हैं- 'इनका दर्शन करना सौभाग्य की बात है। किस्मत वालों को ही इनका दर्शन करने को मिलता है।'

मंदिर में चहल-पहल है, लेकिन बहुत भीड़ नहीं है। मंदिर के पुजारी बताते हैं- 'यहां भीड़ इतनी होती है कि पैर रखने की भी जगह नहीं होती। अभी मुख्य आचार्य ऑस्ट्रेलिया गए हैं कथा करने के लिए। इसी वजह से लोगों की भीड़ कम है।

वे बताते हैं, 'हर दिन पांच आरती होती हैं। सुबह 5.30 बजे मंगला आरती होती है। उसके बाद दूध और पंचामृत से अभिषेक किया जाता है। फिर भगवान का श्रृंगार किया जाता है। सुबह माखन-मिश्री का भोग लगता है। इसके बाद सुबह 8.30 बजे श्रृंगार आरती होती है। उसमें हलवा का भोग लगता है।

दोपहर 12 बजे राजभोग आरती लगती है। इसमें पूड़ी, सब्जी और खीर का भोग लगता है। शाम 7 बजे संध्या आरती में फल और मेवे और 8.30 बजे शयन आरती में दूध, पूड़ी, सब्जी और खीर का भोग लगता है। भोग पकाने के लिए सिर्फ कुएं के पानी का ही इस्तेमाल किया जाता है।

थोड़ी आगे बढ़ती हूं, तो संस्कृत के श्लोक कानों में गूंजने लगते हैं। मंदिर परिसर में ही एक संस्कृत विद्यालय है, जहां 9वीं से लेकर ग्रेजुएशन (शास्त्री) तक की पढ़ाई मुफ्त होती है। छात्रों के रहने और खाने की सुविधा भी मुफ्त है। यहां भोजन छात्रों की देखरेख में ही बनता है। मंदिर में एक विशाल गौशाला भी है। यहां आने वाले भक्तों को गाय की छाछ पिलाई जाती है। जितनी मर्जी उतनी पियो। मैंने भी छाछ का स्वाद लिया।

मंदिर में दर्शन के लिए आईं एक भक्त बताती हैं, 'हर साल मैं यहां आती हूं। जन्माष्टमी के मौके पर तो आना ही आना होता है, क्योंकि यहां की जन्माष्टमी खास होती है। इसे देखने के लिए विदेशों से भी लोग आते हैं।

सात दिन पहले से ही भव्य रासलीला शुरू हो जाती है। जिसमें बड़े-बड़े कलाकार आते हैं। जन्माष्टमी के दिन शाम में आंगन में एक मलखंब (खंभा) बनाया जाता है। उस पर मुल्तानी मिट्टी की मोटी परत चढ़ा दी जाती है। लगातार पानी गिराकर उसे फिसलनदार बना दिया जाता है। खंभे के सबसे ऊपर फल, मिठाइयां, दही और खिलौने बांध दिए जाते हैं। इसके बाद यादव परिवार के युवा खंभे पर चढ़ते हैं और बार-बार नीचे फिसल जाते हैं। आखिर में जो ऊपर चढ़ने में कामयाब होता है, उसे सारे फल, मिठाइयां और खिलौने इनाम के रूप में मिलते हैं। इसी तरह जल कुंड में भी प्रतियोगिता होती है। उसमें आचार्य ऊपर से नारियल फेंकते हैं और युवा तैरकर नारियल इकट्ठा करते हैं।

जन्माष्टमी और राधा अष्टमी पर यहां के पवित्र सरोवर में स्नान किया जाता है। सरोवर के ही पास निम्बार्क संप्रदाय के पूर्व आचार्यों की समाधियां भी हैं। भक्त यहां दीया जला रहे हैं। उनकी मान्यता है कि यहां 108 बार परिक्रमा करने से बीमारियां दूर हो जाती हैं।

शेरशाह सूरी ने बेटे के नाम पर रखा सलेमाबाद नाम

मंदिर के पुजारी नारायण के मुताबिक इस शहर का पुराना नाम श्रीनिम्बार्क क्षेत्र था। 16वीं सदी में सूरी सम्राज्य के राजा शेरशाह सूरी ने इस शहर का नाम सलेमाबाद रखा था। इसको लेकर वे एक किस्सा भी सुनाते हैं-

''एक बार शेरशाह यहां मंदिर में आए थे। लोगों के कहने पर उन्होंने तीर्थ के तत्कालीन आचार्य परशुरामदेवाचार्य के दर्शन किए। शेरशाह ने आचार्य को एक महंगी दुशाला भेंट की।

आचार्य ने दुशाला अग्निकुंड में डाल दी। इस पर शेरशाह ने कहा कि इतनी महंगी दुशाला आपने अग्निकुंड में क्यों डाल दी। आचार्य ने मुस्कुराते हुए अग्निकुंड से कई दुशालाएं निकाल दीं। शेरशाह आचार्य के चमत्कार से बहुत प्रभावित हुए।

उन्होंने मंदिर में कलावा बांधा और बेटा होने की मन्नत मांगी। कुछ साल बाद शेरशाह को बेटा हुआ। जिसका नाम सलीम रखा गया। उसी के नाम पर इस शहर का नाम सलेमाबाद हो गया। बाद में इसे फिर से श्रीनिम्बार्क क्षेत्र किया गया।''

निम्बार्क पीठ की स्थापना की कहानी

पुजारी नारायणजी बताते हैं, 'श्रीनिम्बार्क क्षेत्र में एक सरोवर है। पहले पुष्कर जाने वाले भक्त यहां स्नान करते थे फिर पुष्कर जाते थे। उन दिनों एक तांत्रिक रास्ते में भक्तों को तंग करता था। परेशान होकर भक्तों ने संप्रदाय के श्री हरिव्यासदेवाचार्यजी महाराज से गुहार लगाई, जो उस वक्त मथुरा में थे।

उन्होंने अपने शिष्य और 36वें आचार्य श्री परशुरामाचार्यजी को इस काम के लिए श्रीनिम्बार्क क्षेत्र भेजा। परशुरामाचार्य जी ने यहां से तांत्रिक को भगाया। फिर वे यहीं बस गए। उन्होंने यहां आचार्य पीठ की स्थापना की। इस तरह यहां अखिल भारतीय श्री निम्बार्काचार्य पीठ की स्थापना हुई।

सबसे पहले ब्रह्मा जी ने दिया था उपदेश

वैष्णव संप्रदाय में चार मत हैं। श्री संप्रदाय, ब्रह्म संप्रदाय, रुद्र संप्रदाय और निम्बार्क संप्रदाय। निम्बार्क संप्रदाय की स्थापना निम्बार्काचार्य ने की थी। इसे हंस, सनकादि और देवर्षि संप्रदाय भी कहते हैं। कई विद्वानों का मानना है कि इस संप्रदाय की स्थापना 5 हजार साल पहले हुई थी।

सबसे पहले ब्रह्मा जी ने इसका उपदेश अपने मानस पुत्र सनकादि को दिया। सनकादि ने देवर्षि नारद को उपदेश दिया। इसके बाद देवर्षि नारद ने निम्बार्काचार्य को उपदेश दिया। तब से यह परंपरा चली आ रही है। निम्बार्काचार्य के जन्म को लेकर भी विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। कुछ लोग इनका जन्म 3096 ईसापूर्व मानते हैं, जबकि कुछ विद्वानों का मत है कि इनका जन्म 12वीं सदी में हुआ था। मथुरा में ध्रुव टीले पर इस संप्रदाय का सबसे पुराना मंदिर है। इन दिनों आचार्यश्री श्रीश्यामशरण देवाचार्यजी महाराज पीठासीन हैं। इनसे ही गुरुमंत्र लिया जाता है। गुरुमंत्र के बाद तुलसी की माला धारण करनी होती है।

सरकारी कर्मचारियों की पहली पसंद ओल्ड पेंशन स्कीम

एक्सपर्ट बोले- इसमें कोई बदलाव नहीं होगा इसकी गारंटी नहीं, बीजेपी और कांग्रेस में जुबानी जंग

रायपुर, 8 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों के लिए ओपीएस और एनपीएस चयन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम और एनपीएस यानी न्यू पेंशन स्कीम। प्रदेश के ज्यादातर कर्मचारियों ने ओल्ड पेंशन स्कीम पर भरोसा जताया है। कर्मचारियों द्वारा किए गए चयन के आधार पर ही अब सरकार उन्हें सैलरी देगी। इधर पेंशन स्कीम को लेकर बीजेपी कांग्रेस की जुबानी जंग जारी है। प्रदेश के कर्मचारियों को सरकार ने दोनों विकल्पों में से किसी एक का चुनाव करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद 2 लाख 88 हजार 271 कर्मचारियों ने ओल्ड पेंशन स्कीम का चयन किया है। जबकि 2 हजार 272 कर्मचारी ऐसे हैं, जो न्यू पेंशन स्कीम में बने रहना चाहते हैं।

इसके अलावा 8 हजार 575 कर्मचारी ऐसे हैं जिन्होंने अब तक किसी भी स्कीम का चुनाव नहीं किया है। ऐसे कर्मचारियों के वेतन से फिलहाल किसी भी तरह की कटौती पेंशन को लेकर नहीं की जाएगी और जब दिए गए 2 विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुना जाएगा तब कटौती एरियर के रूप में की जाएगी। राज्य सरकार ने कर्मचारियों द्वारा किए गए चयन के आधार पर वेतन भुगतान का

निर्देश जारी कर दिया है। संचालनालय पेंशन और भविष्य निधि विभाग की तरफ से सभी ट्रेजरी को निर्देशित किया गया है कि पेंशन विकल्प के आधार पर वेतन तैयार किया जाए। एक्सपर्ट का कहना सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और आगे बदलाव नहीं होंगे इसकी भी कोई गारंटी नहीं। आर्थिक मामलों के एक्सपर्ट तपेश चंद्र गुप्ता का कहना है कि नई पेंशन योजना में किसी भी तरह के परिवर्तन की आवश्यकता नहीं थी।क्योंकि नियुक्ति की सेवा शर्तों के आधार पर ही नई पेंशन कर्मचारियों को दी जा रही थी। लेकिन कर्मचारियों के आधार पर जो फैसला लिया गया है। उससे सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। न्यू पेंशन स्कीम के अंतर्गत म्यूचुअल फंड में जो विनियोग हुआ करता था, उसमें कटौती होगी और पूंजी में गिरावट आएगी। जिसका नकारात्मक प्रभाव उद्योग और व्यापार में पड़ेगा। छत्तीसगढ़ में जिन कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम का फायदा मिलने जा रहा है। उनमें बड़ी संख्या शिक्षकों की है। शिक्षक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे का कहना है कि यह संख्या 1 लाख 60 हजार से ज्यादा हो सकती है। शिक्षाकर्मी से शिक्षक बने कर्मचारियों में नाराजगी है। इनका आरोप है कि सरकार शिक्षकों की पेंशन गणना को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दे रही है। साल 1998 में शिक्षाकर्मियों की नियुक्ति होनी शुरू हुई थी। शिक्षक एलबी संवर्ग की न्यू पेंशन योजना में 2012 से कटौती की गई है। सरकार ने संविलियन 2018 में किया और पेंशन की गणना भी उसी आधार पर की जा रही है। जबकि शिक्षकों ने बीते कई सालों में शिक्षाकर्मी के रूप में काम किया है। ऐसे में 2012 से न्यू पेंशन योजना के तहत काटी गई राशि को सरेंडर करने कहा जा रहा है। जिससे शिक्षकों को बड़ा नुकसान होगा। प्रदेश के ज्यादातर कर्मचारियों ने ओल्ड पेंशन स्कीम चुनी है जिसे लेकर कांग्रेस का कहना है कि कर्मचारियों ने भूपेश सरकार की योजनाओं पर भरोसा किया है। कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों और उनके परिजनों को कोई आर्थिक संकट न हो इसलिए ओल्ड पेंशन स्कीम शुरू की गई है।

केंद्र में पहले भी जब बीजेपी की सरकार थी। उस समय ओल्ड पेंशन स्कीम बंद की गई थी और अब कर्मचारियों के हित में जब भूपेश सरकार इसे राज्य में शुरू कर रही है तो इसे रोकने के लिए केन्द्र एनपीएस में जमा 17 हजार 240 करोड़ रुपए नहीं दे रही है।

झारखंड में सताने लगी गरमी

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य में बढ़ते तापमान का असर दिखने लगा है। तापमान में बढ़ोत्तरी होने से गर्म हवा का असर होने लगा है। मौसम में यह बदलाव दक्षिण-पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवा के कारण हो रहा है। हालांकि रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक कल यानी नौ अप्रैल को राज्य में हल्की बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। यह बारिश राजधानी रांची सहित राज्य के दक्षिणी, पश्चिमी व मध्य भाग में हो सकती है। हालांकि इस बारिश का कोई खासा असर देखने को नहीं मिलेगा। फिलहाल धूप का असर साफतौर पर दिख रहा है। मौसम में बदलव के साथ ही तापमान में दो से तीन डिग्री तक बढ़ोतरी हुई है। गर्मी का एहसास कुछ इस तरह है कि लोग बाहर निकलने से कतराने लगे हैं। खिली धूप से धीरे-धीरे मौसम का मिजाज बदलने लगा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद के मुताबिक पिछले 24 घंटों में पूरे झारखंड में मौसम शुष्क रहा।

कुत्तों ने 5 साल की बच्ची को नोचा, मौत

मासूम को घसीटकर ले गए, और तब तक नोचते रहे, जब तक मौत नहीं हुई

कोरिया, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरिया जिले के बैकुंठपुर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बिस्किट लेने दुकान गई 5 साल की बच्ची को आवारा कुत्तों के झुंड ने चीर-फाड़ डाला। कुत्तों का झुंड मासूम को तब तक नोचता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। जानकारी के मुताबिक, सरगुजा जिले के सीतापुर निवासी अजय मांझी और उसका परिवार ईंट भट्टे में काम करने के लिए बैकुंठपुर आया हुआ है। परिवार छिंदडांड में ढाबे के पास किराए के घर में रहता है। शुक्रवार को उसकी 5 साल की बेटी सुकांति बिस्किट लेने के लिए घर से निकली थी। लेकिन रास्ते में आवारा कुत्तों के झुंड ने बच्ची को घेर लिया।

कुत्तों ने सुकांति पर बुरी तरह से हमला कर दिया और उसके चेहरे को और शरीर के अन्य हिस्सों को नोंच डाला। बच्ची रोती,चीखती रही, लेकिन किसी ने उसकी आवाज नहीं सुनी। कुत्ते बच्ची को घसीटकर घर से दूर ले गए। घंटों बाद घर वालों ने बच्ची को खोजते हुए बाहर निकले। परिजनों ने देखा कि कुत्ते के मुंह में उनकी बच्ची थी। किसी तरह से मासूम को परिजनों ने छुड़ाया और उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जिला अस्पताल के डॉक्टर अभिषेक गढ़ेवाल के मुताबिक बच्ची को शुक्रवार दोपहर साढ़े 12 बजे जब अस्पताल लाया तो शव की जांच की गई, जिसमें पूरे शरीर पर डॉग बाइट के निशान थे। वहीं चेहरा भी बुरी तरह से नोचा हुआ था। बच्ची के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बैकुंठपुर थाना प्रभारी अश्विनी सिंह ने कहा कि हमला लावारिस और आवारा कुत्तों ने किया, तो ऐसे मामलों में एफआईआर नहीं होती है। पालतू कुत्ते के रहने पर मालिक के खिलाफ मामला दर्ज होता है। उन्होंने मुआवजे के बारे में तहसीलदार से चर्चा करने की बात कही। दो महीने पहले धमतरी जिले अरसीकन्हार रेंज के ठोठाझरिया में 2 नर भालुओं ने एक नाबालिग लड़की पर हमला कर दिया था। 13 साल की कुमारी कंचन अपने पिता के साथ जंगल में लकड़ी लाने के लिए गई थी। भालुओं ने उसके सिर के मांस को नोच लिया। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए नगरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामला सीतानदी उदंती टाइगर रिर्जव के अरसीकन्हार रेंज के ठोठाझरिया का था।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम टोटाझरिया की रहने वाली कंचन अपने पिता मुरली के साथ जंगल में लकड़ी लाने के लिए गई थी। इसी बीच अचानक दो नर और मादा भालुओं ने कंचन के ऊपर हमला कर दिया।

'हमारी उपलब्धियों का श्रेय भारत सरकार लेना चाहती है'

सीएम भूपेश ने साधा निशाना, बोले-हमारे कार्यकाल में ज्यादा घरों तक बिजली पहुंची

रायपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेताओं पर जमकर निशाना साधा है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार की उपलब्धियों का श्रेय भारत सरकार लेना चाहती है।

सीएम ने केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर आये एक विज्ञापन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज फिर भारत सरकार का विज्ञापन आया है। जिसमें कहा गया है कि पीएम मोदी ने जगदलपुर एयरपोर्ट शुरू किया, लेकिन वो बंद हो गया था और ये एयरपोर्ट राज्य सरकार द्वारा संचालित है। उस एयरपोर्ट का नामकरण मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर किया गया और उसके बाद दुबारा शुरू किया गया है। तब से लगातार वहां से हवाई उड़ाने चल रही है।

सीएम ने कहा कि पहले हैदराबाद और फिर रायपुर के लिए फ्लाइट चल रही है। उसके बाद विशाखापट्टनम की मांग हुई है। जिसकी शुरुआत अभी नहीं हुई

है। वहीं बिलासपुर एयरपोर्ट भी हमारे कार्यकाल में शुरू हुआ। बिलासपुर से इंदौर के लिए फ्लाइट चल रही थी। वह बंद कर दी गई है। उसे फिर से शुरू करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि दूसरी बात जो विज्ञापन में कहा गया है कि सौभाग्य योजना 2017-18 में 1 लाख 60 हजार घरों तक बिजली पहुंचाई गयी है। जबकि 2018 से अब तक 5 लाख 4 हजार 808 घरों तक हमने बिजली पहुंचाई है। इसका सीधा सा मतलब है कि हमारे कार्यकाल में ज्यादा विद्युतीकरण का काम हुआ है।

इसके अलावा सड़कों को लेकर सीएम ने कहा कि साल 2021- 22 में देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन हमारा रहा। हमें केंद्र सरकार से 271 करोड रुपए प्रोत्साहन राशि मिली। जो हमने बहुत अच्छा उत्कृष्ट काम किया, इसलिए भारत सरकार ने हमें ये राशि दी। उन्होंने कहा कि जितनी भी उपलब्धि है। वह इसी कार्यकाल की है। जिसका श्रेय भारत सरकार लेना चाहती और यहां भारतीय जनता पार्टी के लोग कहते हैं, यहां पर कोई काम नहीं हो रहा है। शराबबंदी को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बड़ा बयान सामने आया था। शुक्रवार को दुर्ग जिले में भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने यह कहा कि पैसा लोगों की जान से बढ़कर नहीं है, लेकिन लोगों की जान जोखिम में डालकर शराबबंदी नहीं हो सकती। सीएम ने कहा कि प्रदेश में शराबबंदी से पहले पीने वाले शराब पीना बंद करें। भूपेश बघेल की भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान एक महिला ने कहा कि वे शराबबंदी कर दें।

बोकारो में नक्सलियों का तांडव

1 जेसीबी और 4 ट्रैक्टर में नक्सलियों ने लगाई आग बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में थे नक्सली

बोकारो, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। नक्सलियों ने बोकारो जिले के गोमिया के केरी इलाके में देर रात तांडव मचाया है। रात के लगभग 11 बजे रामलोचन साव (लीला साव) के घर के बाहर खड़ी जेसीबी और चार ट्रैक्टर में आग लगा दिया। जेसीबी पूरी तरह जल गया। ट्रैक्टर पूरी तरह नहीं जले। ट्रैक्टर में एक जेनरेटर रखा गया था उसे भी आग के हवाले कर दिया गया।

पुलिस को इसकी सूचना दी गयी। पुलिस दमकल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। बताया जा रहा है कि लीला साव देर रात एक कार्यक्रम में आये थे। घर के पास उन्होंने बाइक रोकी तो वहां एक नक्सली वर्दी में मौजूद था। साथ सड़क निर्माम में लगे मुंशी को बैठाया था। नक्सली ने जैसे ही उसे देखा तो कहा, लीला साव आ गया। लीला साव यह सुनते ही समझ गये कि उनके साथ कोई घटना हो सकती है उसी वक्त बाइक की रफ्तार तेज की और फरार हो गये। इस बीच वाहनों में आग लगा दी गई।

लीला साव ने तुरंत अपने घरवालों को फोन किया और आगाह किया कि नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं इसलिए घर से ना निकलें। लीला साव के बेटे ने बताया कि उग्रवादी जोर से चिल्ला रहे थे, जो पाइपलाइन में काम करेगा, उसके साथ ऐसा होगा। दरअसल, केरी से थोड़ा आगे अइयर गांव के निकट एक पानी टंकी निर्माणाधीन है और पेयजलापूर्ति को पाइपलाइन बिछाया जा रहा है। इस काम में लीला साव के ट्रैक्टर और जेसीबी काम कर रहे थे। पुलिस ने अबतक इस मामले में नक्सली घटना की अबतक पुष्टि नहीं की है। लीला साव का पूरा परिवार डरा हुआ है, लीला साव भी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

सरना धार्मिक झंडा जलाने पर विवाद

रांची, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आदिवासियों के धार्मिक झंडे को जलाने पर झारखंड में हंगामा हो गया है। जनजातीय लोग सड़कों पर उतर आए हैं। जनजातीय लोगों ने शनिवार को एक दिन के बंद का एलान किया है। रांची की सड़कों पर शनिवार को जनजातीय लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। लोग झंडा जलाने के आरोपियों की गिरफ्तारी करने और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। बीती 25 मार्च को रांची के करम तोली के निचले इलाके में कुछ लोगों द्वारा सरना झंडा जलाने का मामला सामने आया था। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। आदिवासी लोगों ने घटना के विरोध में केंद्रीय सरना समिति के बैनर तले धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

उमेश पाल हत्याकांड- माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी शाइस्ता पर 50,000 का इनाम

प्रयागराज, 8 अप्रैल (एजेंसियां)।

उमेश पाल हत्याकांडः माफिया अतीक अहमद की फरार चल रही पत्नी शाइस्ता परवीन पर इनाम की राशि को बढ़ाकर अब 50 हजार कर दी गई है। तो अब अतीक अहमद का पता बताने वाले को 25 हजार नहीं, 50 हजार रुपये का इनाम मिलेगा। बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड में नामजद अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पर प्रयागराज की पुलिस ने इनाम की राथि बढ़ाकर 50 हजार कर दिया है। ये फैसला शुक्रवार की रात को लिया गया। पहले पुलिस ने उसके खिलाफ 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

कहीं नहीं मिल रहा शाइस्ता का पता

बता दें कि पुलिस की कई टीमें शाइस्ता परवीन की तलाश में जुटी हैं, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है। तमाम दबिश के बावजूद उसकी गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस ने शाइस्ता परवीन पर इनाम की राशि 25 हजार से बढ़ाकर 50 हजार कर दिया है। बता दें कि 24 फरवरी को राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले माफिया अतीक, उसके भाई अशरफ, पुत्रों सहित शाइस्ता पर भी मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसके बाद से ही वह फरार चल रही है।

दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

बलरामपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड से देवरिया जा रही कार को रात बलरामपुर-उतरौला मार्ग पर बजाज चीनी मिल गेट के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे कार सवार छह लोगों की मौत हो गई है। मृतकों के परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई है। बताया जाता है कि देवरिया जिले के श्रीरामपुर थाने के बंकुल गांव निवासी सोनू शाह परिवार के साथ कार से उत्तराखंड से देवरिया जा रहे थे। बलरामपुर से उतरौला मार्ग पर रात जब वह श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के बजाज चीनी मिल गेट के पास पहुंचे तो सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसके बाद टक्कर मारने वाला वाहन भाग निकला। वहीं, कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सोनू समेत परिवार के छह अन्य की मौत हो गई। रात में गश्त से लौट रही पुलिस टीम ने जब क्षतिग्रस्त कार को देखा तो आननफानन में कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी गई। मृतकों के शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। एसओ विपुल पांडेय ने बताया कि एक की पहचान हो गई है। उसके परिजनों को जानकारी दे दी गई है।

कार सवार शराब तस्करों ने होमगार्ड जवान को रौंदा

भागलपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लोदीपुर थाना क्षेत्र से शराब लेकर जा रहे कार सवार शराब तस्करों ने थाने के होमगार्ड कपिल कुमार को रौंद दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मायागंज अस्पताल लाया गया, जहां से उसे बेहतर उपचार के सिल्लीगुड़ी रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा कि दो युवक हुंडई कार से शराब लेकर आ रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली जिसके बाद पुलिस ने कार का पीछा किया। इस दौरान युवक कार लेकर भागने लगा, जिसकी सूचना लोदीपुर थाने को दी गई। लोदीपुर थाने के गेट पर वाहन जांच किया जाने लगा। इस दौरान कार सवार तस्कर थाने के होमगार्ड जवान कपिल को रौंदते हुए भागने लगे, लेकिन कुछ दूरी पर ही पुलिस ने दोनों युवक को पकड़ लिया।

कांग्रेस के समर्थन में बीएसपी चीफ मायावती

बीजेपी के लिए खड़ी की नई चुनौती, चुनावों में होगा बड़ा असर

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में बीते साल हुए चुनाव के दौरान पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का मुद्दा काफी चर्चा में रहा। कई कांग्रेस शासित राज्यों में इसे लागू भी किया गया है। हालांकि यूपी सरकार ने इस संबंध में अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। लेकिन शनिवार को बीएसपी चीफ मायावती ने इस मुद्दे पर पार्टी की मांग रखते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। बसपा सुप्रीमो ने शनिवार को अपने ट्वीट में बीजेपी पर सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, देश भर में आम लोगों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों का जीवन भी त्रस्त करती बढ़ती हुई महंगाई के

कारण केन्द्र व यूपी सहित विभिन्न राज्यों में पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की माँग लगातार ज़ोर पकड़ती जा रही है, जिसका समाधन होना बहुत ज़रूरी, बीएसपी की यह माँग।

डबल इंजन पर जुबानी तंज

मायावती ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, इसी क्रम में महंगाई के साथ-साथ गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि की जटिल समस्याओं के प्रति केन्द्र व यूपी सरकार को सही नीयत व नीति के साथ काम करना जरूरी। ऐसी जनसमस्यायें भाषणबाजी से नहीं हल होती हैं, खासकर तब जब यूपी में डबल इंजन की सरकार में जनता डबल परेशान है, समाधान जरूरी। अब मायावती ने अपने इस ताजा बयान के जरिए कांग्रेस की इस मांग को समर्थन दे दिया है। हालांकि बीते दिनों में कांग्रेस की जिन राज्यों में सरकार बनी है या फिर कांग्रेस सत्ता में है वहां इस योजना को लागू किया गया है। बीते दिनों चुनाव के दौरान भी कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना को काफी लागू करने का वादा किया था। इस साल कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी ये मुद्दा हावी रहने वाला है। यानी बीजेपी सरकार से कांग्रेस की पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। कांग्रेस की इस मांग को बीएसपी चीफ ने खुले तौर पर समर्थन कर सियासी हलचलों को और बढ़ा दिया है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी सरकार के लिए अब ये योजना नई चुनौती बन गई है।

'भाजपा सबसे बड़ी झूठी और दंगा कराने वाली पार्टी, बिहार में भी कराया बवाल'- भाई वीरेंद्र

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के दो जिलों में रामनवमी के मौके पर हुए भारी बवाल और हंगामा के बाद राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने भाजपा पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि इसके पीछे बीजेपी का हाथ है। दिल्ली में दंगा हुआ वहां पर तो शासन बीजेपी एनडीए की चलती है। प्रशासन की बागडोर भी भाजपा के द्वारा संभाली जाती है, वहां कैसे दंगा हुआ था। अब जब बिहार में दंगा हुआ बीजेपी हम से पूछ रही है, लेकिन बिहार की जनता भी जानती है कि भाजपा मतलब सबसे बड़का झूठा पार्टी और दंगा कराने वाली पार्टी के रूप में जानी जाती है। घटना को लेकर बिहार में राजनीति तेज गौरतलब हो कि रामनवमी के मौके पर बिहार के नालंदा और सासाराम में भारी दंगा और बवाल हुआ था। जिसमें काफी लोग घायल भी हुए थे और कई लोग की मौत हुई थी यहां तक कि असामाजिक तत्वों के द्वारा कई घरों को जलाया भी गया था हालांकि पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तारी भी की है। इसको लेकर बिहार डीजीपी आरएस भट्टी ने भी लगातार दोनों जिलों का दौरा किया और घटना को लेकर तमाम जानकारी भी ली। अब इस पर बिहार में राजनीति भी जोरों पर है।

वाराणसी में लालू यादव के बेटे तेज प्रताप से बदसलूकी

आधी रात को होटल से निकाला बाहर

वाराणसी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे और बिहार सरकार में मंत्री तेज प्रताप यादव के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है। घटना वाराणसी के सिगरा थाना क्षेत्र की है जहां रात आर्केडिया नाम के एक होटल से आधी रात को उन्हें बाहर निकाल दिया गया। जानकारी के मुताबिक जिसके बाद तेज प्रताप अपने कार से बनारस की सड़कों पर घूमते दिखे। वहीं दूसरी तरफ होटल संचालन की इस बदसलूकी के खिलाफ तेज प्रताप के सहायक मिशाल सिन्हा ने सिगरा थाने में इसकी लिखित शिकायत की है। पुलिस को दी गई शिकायत में ये लिखा गया है कि अरकेडिया होटल से बिना उन्हें किसी सूचना दिए होटल प्रबन्धक ने उनके सिक्योरिटी में लगे जवानों का सामान कमरे से निकालकर रिसेप्शन पर रख दिया। इसके अलावा वो तेज प्रताप यादव के कमरे में भी गए और उनका सामान भी निकाला। जिससे तेज प्रताप यादव काफी नाराज हुए। बताते चलें कि तेज प्रताप यादव निजी दौरे पर वाराणसी आए हुए थे और रात में घूमने के लिए अस्सी घाट गए थे, लेकिन जब वो वापस होटल पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। इस मामले में सिगरा थानाध्यक्ष राजू सिंह ने बताया कि उनके सहायक की ओर से इसकी लिखित शिकायत थाने पर की गई है। पुलिस इस मामले में होटल प्रबंधक से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा ये भी चेक कराया जा रहा है कि उनकी बुकिंग कब तक की थी। इन सभी पहलुओं पर जांच हो रही है। बाद इस मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी।

कुंडा विधायक राजा भैया के बेटे बृजराज सिंह कोरोना पॉजिटिव

रघुराज प्रताप सिंह की भी आई रिपोर्ट

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कोरोना के मामले दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहे हैं। इस बीच कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया के बेटे को भी कोरोना हो गया है। राजा भैया के बेटे का नाम बृजराज सिंह और वो लखनऊ में रहते है। अब उनके कोरोना पॉजिटिव होने की खबर आई है। जिसके बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। बेटे को कोरोना पॉजिटिव होने के बाद अब राजा भैया का सैंपल भी आरटीपीसीआर जांच के लिए लखनऊ भेजा गया है। कुंडा सीएचसी के कर्मचारियों ने राजा भैया का सैंपल जांच लिए भेजा है। लखनऊ में कोरोना तेजी से फैल रहा है। कोरोना केसों के मामले में लखनऊ, दिल्ली से सटे गौतमबुद्ध नगर के बाद दूसरे नंबर पर हैं। पिछले 24 घंटे में लखनऊ में 52 कोरोना के नए मामले दर्ज किए गए हैं। जिसके बाद लखनऊ में कुल एक्टिव केसों की संख्या 161 पर पहुंच गई है।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद रुटीन चेकअप के लिए सिंगापुर जा सकते हैं लालू, तेरह को होंगे रवाना!

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव अगले सप्ताह फिर सिंगापुर जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि किडनी प्रत्यारोपण के बाद वह रूटीन जांच के लिए सिंगापुर जाएंगे। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लालू अगले सप्ताह में 13 तारीख को सिंगापुर जा सकते हैं। उनके साथ उनकी बेटी और राज्यसभा सांसद डॉ मीसा भारती भी सिंगापुर जा सकती हैंजानकारी के अनुसार किडनी ट्रांसप्लांट के बाद संबंधित अस्पताल के डॉक्टर ने रूटीन जांच के लिए लालू प्रसाद को सिंगापुर बुलाया था। सिंगापुर में किडनी के प्रत्यारोपण होने के बाद लालू यादव अभी दिल्ली में ही है। वह मीसा भारती के सरकारी आवास पर रहकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।बेटी रोहिणी ने किया किडनी डोनेट आपको बताएं कि पिछले साल पांच दिसंबर को सिंगापुर में लालू प्रसाद की किडनी का ट्रांसप्लांट हुआ था। सिंगापुर में ही रहने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने अपनी एक किडनी पिता लालू यदाव को डोनेट किया था। किडनी ट्रांसप्लांट कराने के बाद लालू इस साल 11 फरवरी को सिंगापुर से भारत लौटे थे। अब किडनी प्रत्यारोपण के करीब दो माह बीत जाने के बाद लालू एक बार फिर जाएंगे और वहां स्वास्थ्य संबंधी रूटीन जांच कराने के बाद वापस अपने वतन लौट आएंगे।सिंगापुर में हुआ था किडनी प्रत्यारोपण किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद लालू प्रसाद पूरी तरीके से स्वस्थ हैं लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें तय समय पर अपनी जांच कराने की सलाह दी हुई है। इस सलाह के मद्देनजर लालू प्रसाद सिंगापुर जाएंगे। ज्ञात हो कि लालू प्रसाद यादव के किडनी का प्रत्यारोपण सिंगापुर के विश्व प्रसिद्ध माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में हुआ था।

'गले में हाथ डालकर फोटो खिंचवाते हैं प्रिंसिपल।' महिला टीचर ने बीएसए को सुनाई आपबीती

मथुरा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में अपर प्राइमरी स्कूल में तैनात प्रिंसिपल को बीएसए ने निलंबित कर दिया। आरोप है कि प्रिंसिपल करतार सिंह ने स्कूल की एक महिला टीचर के साथ कई बार छेड़छाड़ और अभद्रता की। जब महिला टीचर ने इसका विरोध किया तो प्रिंसिपल उन्हें स्कूल से निकाल देने की धमकी देने लगे। काफी दिन तक शिक्षिका ये सब सहती रही। लेकिन जब ये सब रोज-रोज होने लगा तो महिला टीचर ने एबीएसए से इसकी शिकायत की। मामला राया ब्लॉक का है। महिला टीचर ने बताया कि प्रिंसिपल करतार सिंह काफी दिनों से उनके साथ यह सब कर रहे थे। उन्होंने बताया, ''प्रिंसिपल सर मेरे गले में हाथ डालते थे। फिर छात्रों से कहते थे कि फोटो खींचो। घर जाने के समय भी मुझे जबरदस्ती अपनी कार में बैठने के लिए कहते थे। उनके साथ एक और शख्स भी होता था। उसके सामने भी वह मेरे साथ अश्लील हरकत करते थे।''

यूपी में बढ़ेगा तापमान, प्रयागराज-बांदा के आसपास साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय, छाए रहेंगे बादल

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। तेज धूप के साथ तापमान में बढ़ोतरी शुरु हो गई है। दिन भर तपिश से गर्मी बढ़ रही है। रात में भी पारा चढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 14 अप्रैल तक मौसम में कोई बदलाव नहीं होंगे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक मौसम में कोई खास बदलाव दर्ज नहीं होंगे। दो से तीन दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी होगी।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय होने के चलते छाए रहेंगे बादल

शनिवार से एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय हो रहा है। इसके चलते प्रदेश के प्रयागराज, बांदा, सोनभद्र, हमीरपुर, चित्रकूट, महोबा समेत दक्षिणी जिलों में रविवार तक बादलों की आवाजाही रहेगी। इन जिलों में तापमान में एक से दो डिग्री का परिवर्तन दर्ज किया जा सकता है। शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19.1 डिग्री सेल्सियस

पर दर्ज किया गया। तापमान 35 डिग्री के आसपास की दर्ज किया गया।

लखनऊ और आसपास के जिलों में साफ रहेगा आसमान

सर्वाधिक तापमान सुल्तानपुर में 37.6 डिग्री और प्रयागराज में 37.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। वही नजीबाबाद में न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री और बरेली में 15.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, लखनऊ और आसपास के जिलों में शनिवार को आसमान साफ रहेगा। दिन के समय तेज धूप होगी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज हो सकता है।

बरेली और आसपास के जिलों में करीब 40 डिग्री पहुंच सकता है तापमान

वर्षा के बाद बरेली वासियों को गर्मी से कुछ राहत मिली थी, सुबह के समय अभी भी तापमान में गिरावट महसूस होती है। मगर 15 अप्रैल के बाद तापमान में और भी तेजी से बढ़ोतरी होगी। इस वार अप्रैल में ही लू चलने संभावना जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक डा। आरके सिंह बताते हैं कि 11 अप्रैल तक तापमान में 35 से 36 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। लेकिन 15 अप्रैल के बाद यह तेजी से बढ़ना शुरू होगा। अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक तापमान करीब 40 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। जिसकी वजह गर्म हवाएं लू में परिवर्तित हो सकती हैं। अमूमन लू मई के पहले सप्ताह या फिर आधी मई से शुरू होती हैं। मगर इस बार मौसम में बदलाव की वजह से जल्दी शुरू हो रही हैं। इस बार अन्य वर्षों की तुलना में सर्वाधिक तापमान रहने की आंशका है।

अगले तीन दिनों में तीन डिग्री तापमान की बढ़ोतरी होगी

शुक्रवार को बरेली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया गया तो वहीं न्यूनतम तापमान 17 डिग्री रहा। शनिवार को यह बढ़कर 35 डिग्री होगा और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया जाएगा। इसी तरह से रविवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाएगा। अगले तीन दिनों में तीन डिग्री तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 45 डिग्री तापमान के बाद इंसान को लू लगने का खतरा होने लगता है। ऐसे में लोगों को उससे बचने की जरूरत होगी। हालांकि वर्षा, के बाद तापमान में गिरावट दर्ज होगी। मगर इस बार वर्षा के आसार भी अब जल्द दिखाई नहीं दे रहे हैं।

पीएम मोदी से मिले बीएसपी सांसद कुवंर दानिश अली

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अभी करीब एक साल का वक्त बचा हुआ है लेकिन बीएसपी के लिए चुनौती कम होने का नाम ही नहीं लेकर रही है। एक ओर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बीएसपी के कोर वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं पार्टी के नेताओं की सियासी मुलाकत ने दूसरी चुनौती खड़ी कर दी है। अब सांसद कुंवर दानिश अली ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। पीएम मोदी से बीएसपी सांसद की ये मुलाकात छह अप्रैल को हुई है। इस मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज हो गई। इस मुलाकात के बाद पीएम मोदी के साथ बीएसपी सांसद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए तस्वीर शेयर की है। हालांकि उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए उसके साथ एक चिट्ठी भी शेयर की है। उन्होंने मुलाकात की जानाकरी देते हुए ट्वीट किया, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद मोदी से मुलाकात की। बीएसपा सांसद ने मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए आगे लिखा, मैंने इस मुलाकात के दौरान जामिला मिलिया इस्लामिया और अपने निर्वाचन क्षेत्र अमरोहा से संबंधि मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने इन मुद्दों को गौर से सुना और वादा किया है। खास तौर पर अमरोहा में जल निकासी की समस्या पर बात हुई। उन्होंने चिट्ठी शेयर करते हुए लिखा, मैंने निम्नलिखित मुद्दों पर उनका ध्यान आकर्षित किया है। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों में दो और बीएसपी सांसदों ने विरोधी दलों के नेताओं से मुलाकात की है। पहले जौनपुर से सांसद श्याम सिंह यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। इसके बाद सांसद रितेश पांडेय ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। जिसके तस्वीरें भी सामने आई थीं।

यूनिवर्सिटी के लिए लीज पर ली थी जमीन और बनाया सपा ऑफिस

आजम खान से छिन सकता है दीवान ए आवाम

रामपुररामपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा के कद्दावर नेता आजम खान पर एक नई मुसीबत आन पड़ी है। पहले ही चोरी डकैती समेत अन्य कई तरह के मामलों में मुकदमे बाजी झेल चुके आजम खान एक मामले में सजा होने के बाद विधानसभा की सदस्यता गंवा चुके हैं। अब संभावना है कि लीज की जमीन पर बना उनका आफिस दीवान ए आवाम भी उनसे छिन जाएगा। फिलहाल मामले की जांच मुरादाबाद मंडलायुक्त के पास है। उन्हें जल्द से जल्द मामले की जांच के बाद कार्रवाई करते हुए सरकार को रिपोर्ट देनी है। इसके लिए उन्होंने अपने स्तर पर छानबीन भी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक सपा नेता आजम खान ने साल 2012 में यूनिवर्सिटी के नाम पर सरकार से 30 साल के लिए लीज पर जमीन लिया था। तय हुआ था कि इस जमीन के एवज में सरकार को 100 रुपये सालाना की दर से किराए का भुगतान किया जाएगा। आरोप है कि इस जमीन पर यूनिवर्सिटी की नींव रखने से पहले आजम खान ने यहां अपना ऑफिस बना लिया। इसके बाद इस ऑफिस को दीवान ए आवाम नाम देते हुए वह इसी आफिस में समाजवादी पार्टी का झंडा लगाकर जनसुनवाई करने लगे थे। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद प्रदेश सरकार ने मुरादाबाद के मंडलायुक्त को जांच के आदेश दिए हैं। वहीं सरकार के आदेश पर मंडलायुक्त ने खुद मामले की जांच भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि इस जांच के पूरी होते ही आजम खान से इस आफिस को खाली करा लिया जाएगा। बता दें कि पिछले ही साल हेट स्पीट मामले में आजम खान की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी। रामपुर कोर्ट ने इस मामले में आज को तीन साल की सजा सुनाई थी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान और उनके विधायक पुत्र अब्दुल्ला आजम की विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। स्वार टांडा विधानसभा से अब्दुल्ला विधायक थे।

कोरोना की बढ़ती रफ्तार के बीच बिहार में वैक्सीन खत्म

सीएम ने की केंद्र से जल्द उपलब्ध कराने की मांग

पटना, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में कोरोना पैर पसार रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अभी यहां कोरोना का टीका खत्म हो गया है। एक सप्ताह पहले तक टीकाकरण चल रहा था। केंद्र सरकार से टीका की मांग की गई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि वह वैक्सीन को जल्दी से उपलब्ध कराए। जिससे टीकाकरण चलता रहे। जितनी जल्दी वैक्सीन मिलेगी, उतना अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पटना समेत चार-पांच जिले में कोरोना के कुछ मामले सामने आए हैं। इसे लेकर शुरू से ही सरकार अलर्ट है। लोगों को यह सलाह दी गई है कि अस्पताल वगैरह जाने पर मास्क लगाकर ही जाएं। अपनी जेब से मास्क निकालकर दिखाते हुए उन्होंने कहा कि मेरे पास तो हमेशा मास्क रहता है। स्वास्थ्य विभाग के भवन के उद्घाटन और मेट्रो के सुरंग की खोदाई के उद्घाटन कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत के क्रम में उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2020 में कोरोना के शुरू होने से लेकर आज तक के प्रतिदिन की रिपोर्ट मेरे पास है। पूरे तीन साल की रिपोर्ट है। सीएम ने आगे बताया कि हर रोज मेरे पास इस संबंध में रिपोर्ट आती है। अभी पूरे देश में कोरोना की जितनी जांच हो रही है, उसमें एक तिहाई जांच अकेले बिहार में हो रही। देश में दस लाख की आबादी पर कोरोना की औसत जांच छह लाख के करीब है, जबकि बिहार में यह आठ लाख से अधिक है।

सीएम बोले-कोरोना को लेकर सरकार की पूरी तैयारी

नीतीश कुमार ने कहा कि कोरोना के मामले घटे या बढ़े, बिहार में निरंतर कोरोना जांच होती रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जगहों पर कोरोना जांच करते रहने का निर्देश हमने पहले से ही दिया हुआ है। इसे लेकर सभी को अलर्ट रहना है। इसको लेकर सरकार की पूरी तैयारी है। किसी को कोई दिक्कत नहीं होगी।

गया में कोरोना संक्रमित की मौत

राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान 20 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें सबसे अधिक नौ कोरोना पॉजिटिव पटना जिले में पाए गए हैं। इसके अलावा गया जिले में चार, रोहतास में दो, बेगूसराय, औरंगाबाद, पूर्वी चंपारण, सहरसा और सिवान जिले में एक-एक नए पाजिटिव मिले हैं। वहीं, गया में कोरोना संक्रमित एक महिला की मौत हो गई।

बम ब्लास्ट के पीड़ितों से मिले राठौड़

बोले-सत्ता में आए तो पीड़ितों को विशेष पैकेज देंगे

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। 13 मई 2008 में हुए जयपुर सीरियल बम ब्लास्ट के पीड़ितों से मिलने नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ जयपुर शहर में बीजेपी नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ उनके घर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

राठौड़ ने बम धमाके के पीड़ितों की समस्याएं सुनीं और कुशल क्षेम पूछा। राजस्थान हाईकोर्ट से बम धमाके के चारों दोषियों के बरी हो जाने पर पीड़ितों की प्रतिक्रिया पूछी और राजस्थान की कांग्रेस सरकार की ओर से कोर्ट में इस केस की गई पैरवी पर भी रिएक्शन लिया।

बीजेपी सत्ता में आई तो जयपुर बम ब्लास्ट पीड़ितों को विशेष पैकेज देगी

राठौड़ ने मीडिया से रूबरू होकर कहा कि जयपुर बम ब्लास्ट के कई पीड़ित एक कमरे के घर में रह रहे हैं, मजदूरी कर परिवार का पेट पाल रहे हैं। बीजेपी सत्ता में आई तो जयपुर बम ब्लास्ट पीड़ितों को विशेष पैकेज देगी। राठौड़ बोले कि राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से इस मामले में पैरवी करवानी चाहिए। बीजेपी ने भी इस मामले में अपनी रणनीति बनाई है। अगर पीड़ितों की ओर से हमारे पास कोई प्रार्थना आई, तो देश के नामचीन वकील खड़े करके हम सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की पैरवी करवाएंगे और पीड़ितों को इंसाफ दिलवाएंगे।

पीड़ितों के दिल की टीस और घावों की टीस पर सहानुभूति जताने आए

राठौड़ ने कहा पीड़ितों ने बातचीत में यह भी बताया है कि जब भी बारिश होती है तो इनके पुराने जख्मों में टीस चलती है। इसलिए उनके दिल की टीस और घावों की टीस पर सहानुभूति जताने हम उनके पास चलकर आए हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने जयपुर की राजहंस कॉलोनी, तुलसी मार्ग, पुरानी बस्ती, हवामहल क्षेत्र में जयपुर बम ब्लास्ट के पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान हवा महल विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी के पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक और शहर बीजेपी कार्यकर्ता भी उनके साथ मौजूद रहे।

सांसद दीया कुमारी ने नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ से की मुलाकात

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजसमंद सांसद दीया कुमारी ने भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ को राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। सांसद दीया कुमारी ने राजेंद्र राठौड़ से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान सांसद दीया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि राजेंद्र राठौड़ के कुशल नेतृत्व में राजस्थान भाजपा सशक्तता के साथ और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

बिल्डिंग से कूदे युवक की मौत

अजमेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले के ब्यावर में धर्मशाला की छत से कूदे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। शराब के नशे में युवक शुक्रवार शाम 6 बजे दूसरी मंजिल से नीचे कूदा गया था। ब्यावर सिटी थाना पुलिस ने परिजन को सूचना कर दी है। परिजन के आने पर पोस्टमार्टम होगा। फिलहाल बॉडी को अजमेर के जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय की मॉर्च्यूरी में रखवा दिया है। कारणों का भी फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

ब्यावर सिटी थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह जोधा ने बताया- मध्य प्रदेश के शिवपुरी निवासी निहाल सिंह (33) छत से नीचे कूदा। वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की तो पता चला युवक शराब के नशे में था। ट्रेन से उतर कर बाहर आया। धर्मशाला की छत पर चढ़ गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे रोकने की कोशिश भी की, लेकिन वह नीचे कूद गया।

ओडिशा की एक बिल्डिंग में मजदूरी करता मिला वांटेड शेर सिंह मीणा

राजस्थान एसओजी ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पेपर लीक मामले में राजस्थान एसओजी को एक और सफलता हाथ लगी है। वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक में आरोपी सरकारी स्कूल के वॉइस प्रिंसिपल अनिल उर्फ शेरसिंह मीणा को एसओजी ने गिरफ्तार किया है। वांटेड मीणा पर एक लाख रुपये का इनाम था। दावा किया जा रहा है कि आरोपी से कई खुलासे हुए हैं।

छिपने के लिए बदला भेष

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप राजस्थान ने बताया आरोपी शेरसिंह ने ओडिशा के कालाहांडी जिले के भवानीपट्टनम गांव में एक स्कूल की निर्माणाधीन बिल्डिंग में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। उसने छिपने के लिए मजदूरों

की तरह फटे मैले कपड़े पहन रखे थे। दाढ़ी-मूंछे बढ़ाकर राजस्थानी मजदूर बनकर रह रहा था। एक करोड़ रुपये में पेपर बचने वाले आरोपी को इस तरह मजदूरी करते देख एक बार तो एसओजी टीम भी धोखा खा गई।

एसपी विकास सांगवान और इंस्पेक्टर मोहन पोसवाल की टीम ओडिशा के भवानीपट्टनम गांव पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। गुरुवार सुबह ओडिशा से फ्लाइट के जरिए दिल्ली लाया गया। पुलिस के अनुसार अब आरोपी शेरसिंह के कॉल डिटेल और लोकेशन का एनालिसिस किया जाएगा, ताकि और कौन-कौन इसमें शामिल हैं उनका भी खुलासा किया जा सके।

अब सुरेश ढाका की तलाश

बता दें कि आरोपी शेरसिंह ने ही पेपर लीक के सरगना भूपेंद्र सारण को एक करोड़ रुपये में पेपर बेचा था। मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण के पकड़े जाने के बाद पहली बार शेरसिंह के नाम का खुलासा हुआ। वहीं पुलिस का कहना है कि इस मामले में अभी भी पेपर लीक का मास्टरमाइंड सुरेश ढाका की तलाश है। वो अभी भी फरार चल रहा है।

गरीब दिव्यांग के घर आईटी के नोटिस से हड़कंप

भीलवाड़ा में छोटी सी दुकान चलाने वाले को मिला 12 करोड़ का नोटिस

भीलवाड़ा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में स्टेशनरी की छोटी सी दुकान चलाने वाले युवक को करोड़ रुपए का इनकम टैक्स नोटिस मिला है। यह युवक दिव्यांग कृष्ण गोपाल छप्परवाल है। कृष्ण गोपाल को 12 करोड़, 23 लाख रुपए से ज्यादा की इनकम टैक्स वसूली का नोटिस मिलने पर हड़कंप मच गया। पीड़ित युवक का कहना है कि, 'मुझे 28 तारीख को 12 करोड़ 23 लाख 90 हजार रुपये का नोटिस मिला है। मुझे 10 अप्रैल तक भुगतान करना है। इसलिए मैं अनुरोध कर रहा हूं कि सुभाष नगर पुलिस स्टेशन में कानूनी तौर पर इसकी जांच की जाए, आईटी विभाग से मुझे कोई जवाब नहीं मिल रहा है। मैं बहुत परेशान हो

गया हूं- मैं अपनी दुकान खोलूं या इसके लिए भाग-दौड़ करूं।'

कृष्ण गोपाल ने नाम से करोड़ों रुपये का लेनदेन

बता दें कि कृष्ण गोपाल ने अब सूरत में शेट जेम्स प्राइवेट लिमिटेड और दुष्यंत वैष्णव के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। कथित तौर पर उनकी ओर से कृष्ण गोपाल ने नाम से करोड़ों रुपये का लेनदेन किया है। कृष्ण गोपाल के पड़ोसी और उन्हें जानने वाले लोग अपील कर रहे हैं कि अधिकारी उनके मामले को जल्द से जल्द सुनें और उसे हल करें।

आईटी के नोटिस से कृष्ण गोपाल का परिवार पीड़ित

पीड़ित के भाई मनीष छप्परवाल का कहना है कि, 'ये आईटी विभाग की ओर से अज्ञानता है जिसके कारण कृष्ण गोपाल का परिवार पीड़ित है। मैं सरकार से कृष्ण गोपाल और उनके परिवार को न्याय दिलाने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को होने से रोकने का अनुरोध करता हूं।' उधर, कृष्ण गोपाल की पड़ोसी रंजना सारास्वत कहा कहना है कि 'चार-पांच दिन बीत गए हैं लेकिन हालात पहले जैसे ही हैं। मैं प्रशासन से अनुरोध करती हूं कि उसकी हालत को ध्यान में रखा जाए और इसे सुलझाया जाए।' कृष्ण गोपाल शादियों और समारोहों में कभी-कभी फोटोग्राफर के रूप में भी काम करते हैं। उन्हें उम्मीद हैं कि जल्द ही इनकम टैक्स का नोटिस वापस ले लिया जाएगा। इस मामले में भीलवाड़ा में इनकम टैक्स विभाग ने पीटीआई के सवालों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

दलित महिला से रेप, जिंदा जलाने के लिए एसिड डाल लगा दी आग

बाड़मेर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर में एक दलित महिला से रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। महिला के साथ पड़ोसी युवक ने पहले रेप किया और फिर जिंदा जलाने की कोशिश की। महिला पर एसिड डालकर जान से मारना चाहा। यह रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात पचपदरा थाना क्षेत्र के बागुंडी गांव में एक ढाणी की है। दलित महिला के साथ बलात्कार के बाद आरोपी ने एसिड डालकर जला कर मौत के घाट उतारने की कोशिश की थी। एसिड हमले के बाद उसे गंभीर अवस्था में बालोतरा के निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। जहां से उसे गंभीर अवस्था में जोधपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान जोधपुर के एमजीएच हॉस्पिटल में देर रात पीड़िता की मौत हो गई ।

बाड़मेर पुलिस ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़िता के परिजनों की रिपोर्ट के बाद एक्शन लिया है। एससी एसटी एक्ट और आईपीसी की धारा 376 सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। रेप का आरोपी युवक शकूर खान भी गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दलित महिला के साथ बलात्कार के बाद आग की घटना ने पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है।

बीजेपी का विरोध प्रदर्शन, थानेदार को सस्पेंड करने की मांग

बालोतरा भाजपा जिला अध्यक्ष बाबू सिंह राजपुरोहित ने कहा कि शनिवार को बालोतरा मुख्यालय पर धरना देकर पार्टी कार्यकर्ता प्रदर्शन करेंगे । वहीं जिला अध्यक्ष ने इस घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि यह दिल दहलाने वाली घटना है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान है। वहीं एडीएम को ज्ञापन सौंपकर इस प्रकरण में जो भी लिप्त है उन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की जाएगी। बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार करने पर बालोतरा एसएचओ उगमराज सोनी को निलंबित करने की भी मांग भी की जा रही है।

6 साल और 9 महीने की बहनें जिंदा जलीं

खेत में बनी झोपड़ी में लगी आग, खेत में काम रहे थे मां-बाप

रानीवाड़ा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। खेत में बनी झोपड़ी में आग लगने से 6 साल और 9 महीने की बच्चियां जिंदा जल गईं। इनके मां-बाप खेत में काम कर रहे थे। वे फौरन झोपड़ी की तरफ भागे और शोर मचाया। आसपास के लोग भी दौड़े और आग बुझाने में जुटे, लेकिन सब नाकाम रहे। दोनों मासूम बच्चियों को बचाया नहीं जा सका। मामला जालोर के रानीवाड़ा तहसील क्षेत्र का है। ग्राम विकास अधिकारी हरीश चौधरी ने बताया कि रामपुरा ग्राम पंचायत के वगतापुरा गांव में रामाराम केवदाजी चौधरी के खेत में रमेश पुत्र मफाजी भील निवासी डूंगरी अपनी पत्नी के साथ काम कर रहा था। इस दौरान खेत में कुएं के पास बनी झोपड़ी में उसकी बेटियां भानु (6 साल) और बसंती (9 महीने) सो रही थीं। शनिवार सुबह करीब 9 बजे झोपड़ी में अचानक आग लग गई। 50-60 फीट की दूरी पर काम कर रहे पति-पत्नी को झोपड़ी से आग की लपटें उठती दिखीं तो दोनों भागकर मौके पर पहुंचे और शोर मचाने लगे।

आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान भी दौड़कर पहुंचे, लेकिन आग नहीं बुझा सके। झोपड़ी में सो रहीं दोनों बच्चियां जिंदा जल गईं। रानीवाड़ा थाने के हेड कॉन्स्टेबल किशोर सिंह, भू-अभिलेख निरीक्षक रमेश सुथार सहित अन्य विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। वहीं, बड़गांव ग्राम पंचायत की सरपंच करिश्मा देवड़ा ने कहा कि कृषि काम में आ रहे कुओं के मालिक की ओर से काश्तकार के लिए पक्का मकान बनाना चाहिए। कच्ची झोपड़ी में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, इसे रोका जाना चाहिए।

राजस्थान में खुलेंगे नए पुलिस कार्यालय

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में कानून व्यवस्था को अधिक मजबूत करने और आमजन तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार अहम निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में नए पुलिस कार्यालयों, थानों एवं चैकियों को खोलने की मंजूरी दी है। उन्होंने कार्यालयों के लिए 1369 पदों के सृजन और आवश्यक संसाधनों के लिए लगभग 201 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी दी है।

गहलोत के निर्णय से वैर (भरतपुर), परबतसर (नागौर), खैरवाड़ा (उदयपुर), एडीएफ (धौलपुर) एवं लालसोट (दौसा) में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोले जाएंगे। इन कार्यालयों हेतु प्रति कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक उप निरीक्षक एवं कनिष्ठ सहायक के 1-1 तथा कांस्टेबल मय ड्राइवर के 3-3 पद कुल 30 पद सृजित होंगे। इसी प्रकार अरनोद (प्रतापगढ़), तालेड़ा (बूंदी), पहाड़ी (भरतपुर), गंगाशहर (बीकानेर), रामसर (बाड़मेर), बौंली (सवाईमाधोपुर), खण्डेला (सीकर), अजीतगढ़ (सीकर), सिवाना (बाडमेर) एवं आहोर (जालौर) में उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोले जाएंगे। इनके लिए उप पुलिस अधीक्षक, हैड कांस्टेबल एवं कनिष्ठ सहायक के 1-1 तथा कांस्टेबल मय ड्राइवर के 4-4 पद कुल 63 पद सृजित होंगे।

शराब के शौकीनों को करनी होगी जेब ढीली

सरकार ने एमआरपी बढ़ाई, 60 रुपये तक बढ़े रेट

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में शराब के शौकीनों के लिए अच्छी खबर नहीं है। सरकार ने शराब की कीमत से अतिरिक्त आबकारी शुल्क जरूर हटा दिया, लेकिन इसका फायदा लोगों को न मिलकर शराब कंपनियों को मिला है। इसके चलते राजस्थान में अंग्रेजी शराब और बीयर महंगी हो गई है। इसके चलते शराब की बोतल पांच से लेकर 60 रुपये, बीयर 15 रुपये तक महंगी हो गई है।

दरअसल, राजस्थान में शराब एमआरपी (अधिकतम बिक्री मूल्य) आबकारी विभाग तय करता है। इसके लिए हर साल ब्रांड के अनुसार रेट लिस्ट जारी की जाती है। इस लिस्ट में निर्धारित एमआरपी पर शराब ठेकों में बेची जाती है। इस बार आबकारी विभाग ने जो रेट लिस्ट जारी की है, उसमें शराब की एमआरपी में 10 से

लेकर 60 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, एक्स डिस्टलरी प्राइज (ईडीपी) भी प्रति कार्टन 40 रुपये बढ़े हैं। इस कारण बीयर की कीमतों में 10 से 15 रुपये तक की बढ़त हुई है। 140 रुपये में मिलने वाली बीयर अब 150 रुपये की हो गई है।

नहीं उठे शराब के ठेके

सरकार की ओर से इस साल भी पूरे राज्य में 7665 दुकानों को रिन्यूअल और ऑक्शन के लिए रखा गया था। इनमें से 1100 दुकानें अब तक किसी ने नहीं ली हैं। पिछले दिनों विभाग ने भारत निर्मित अंग्रेजी शराब पर लगने वाली 30 प्रतिशत अतिरिक्त आबकारी ड्यूटी को हटाने का फैसला किया था। इस निर्णय के बाद अंग्रेजी शराब की बोतल 10 से 15 रुपये तक सस्ती होने की संभावना थी।

पीएम 12 अप्रैल को दिल्ली-जयपुर अजमेर वंदे भारत ट्रेन का करेंगे शुभारम्भ

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 अप्रैल को दोपहर 12:30 बजे नई दिल्ली से इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग से जयपुर स्टेशन पर आयोजित समारोह में लाइव जुड़ेंगे। उद्घाटन के दिन ट्रेन अजमेर की बजाय जयपुर से रवाना होगी। जयपुर से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे के जीएम विजय शर्मा समेत जयपुर में बीजेपी पदाधिकारी और शहर सांसद, विधायक भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

देश की 14वीं वंदे भारत ट्रेन होगी

वंदे भारत के शुभारंभ का फाइनल शेड्यूल शुक्रवार देर रात जारी किया गया। इसमें किराया और स्टॉपेज की अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अब यह देश की 14वीं वंदे भारत ट्रेन होगी। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भोपाल-नई दिल्ली के बीच 11वीं वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखा चुके हैं। पीएम शनिवार को चेन्नई-कोयंबटूर और सिकंदराबाद- तिरुपति के बीच भी इस कैटेगरी की 12 वीं और 13वीं वंदे भारत ट्रेन को रवाना करेंगे।

यह देश की पहली हाईराइज ट्रेन

इस ट्रेन में स्पेशल पैंटोग्राफ लगा है, इसलिए यह देश की पहली हाईराइज ट्रेन है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक पहले दिन उद्घाटन के अवसर पर रेलवे की ओर से आमंत्रित लोग ही ट्रेन में सफर करेंगे। यह ट्रेन जयपुर से रवाना होकर अलवर, रेवाड़ी, गुरुग्राम में ठहराव करते हुए नई दिल्ली तक पहुंचेगी। गुरुवार 13 अप्रैल से आम यात्रियों के लिए ट्रेन लगातार अजमेर से जयपुर होकर नई दिल्ली के बीच संचालित होगी। ट्रेन का किराया एक-दो दिन के भीतर तय कर दिया जाएगा।

इसका किराया शताब्दी ट्रेन से 30 फ़ीसदी तक ज्यादा रहने की उम्मीद है। इसमें सुविधाएं भी उससे कहीं ज्यादा हैं। फिलहाल शताब्दी ट्रेन की अधिकतम स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ही वंदे भारत ट्रेन दौड़ेगी। ट्रैक की क्षमता बढ़ाए जाने के बाद 130 से 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वंदे भारत ट्रेन दौड़ सकेगी।

इस ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे। इनमें 12 सामान्य चेयर कार और 2 एग्जीक्यूटिव चेयर कार और 2 ड्राइविंग कोच होंगे। वंदे भारत ट्रेन दोपहर 12:30 बजे जयपुर से रवाना होकर शाम 4:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी के वक्त शाम 6:10 पर रवाना होकर रात 10:10 पर जयपुर पहुंचेगी । इससे प्रदेश के लोगों को काफी फायदा होगा।

पैसे मांगने की शिकायत पर सीआई के क्वार्टर पर पहुंची एसीबी

सीआई बोला-मैं झुकूंगा नहीं

भीलवाड़ा, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के जहाजपुर थाना प्रभारी सीआई दुलीचंद गुर्जर के क्वार्टर पर शनिवार को अचानक पहुंची भीलवाड़ा एसीबी टीम को देख हड़कंप मच गया। यहां पहुंची एसीबी टीम ने अनुसंधान शुरू किया।

बताया जा रहा है कि ये कार्रवाई किसी शिकायत के बाद अमल में लाई गई है। भीलवाड़ा एडिशनल एसपी एसीबी गजराज सिंह के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई के बाद टीम मौके से रवाना हो गई। गजराज सिंह के अनुसार कोई आपत्तिजनक सामग्री टीम को नहीं मिली है। थाने में एसीबी टीम पहुंचने पर क्षेत्र में तरह-तरह के अफवाह का बाजार गर्म रहा।

जानकारी के अनुसार जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा के प्रतिनिधि कैलाश टेपण ने एसीबी को शिकायत दर्ज कराई की थानाधिकारी ने उससे ट्रैक्टर चलाने के एवज में पैसे की मांग की थी। इस शिकायत पर एसीबी ने भीलवाड़ा एडिशनल एसपी एसीबी गजराज सिंह को जांच सौंपी। भीलवाड़ा एडिशनल एसपी गजराज सिंह के नेतृत्व में अनुसंधान करने आई एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम जहाजपुर थाने पहुंची। वहां पर शिकायत को लेकर थानाधिकारी दुलीचंद गुर्जर से पूछताछ कर भीलवाड़ा रवाना हो गई। एंटी करप्शन ब्यूरो के एडिशनल एसपी गजराज सिंह ने बताया कि एसीबी में एक प्रकरण दर्ज हुआ था उसी मामले में जहाजपुर थाने में अनुसंधान के लिए आए थे। इस प्रकरण में मुझे जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, थानाधिकारी दुलीचंद गुर्जर ने इस शिकायत को बेबुनियाद एवं राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि दबाव में लेकर लोग मुझसे अनैतिक कार्य कराने की कोशिश करते हैं, लेकिन मैं उनके आगे झुकूंगा नहीं।

सड़कों पर उतरे अभिभावक, बोले-कानून बनाकर भूली सरकार

जयपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। बच्चों के पैरेंट्स जयपुर में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला को ज्ञापन देने उनके सरकारी निवास पर पहुंचे। संयुक्त अभिभावक संघ ने शुक्रवार को ही मंत्री बीडी कल्ला से अभिभावकों का पक्ष रखने के लिए समय मांगा था, जिस पर शिक्षा मंत्री ने शनिवार सुबह 9 बजे का समय दिया था। आरोप है कि अभिभावकों के पहुंचने से पहले ही शिक्षा मंत्री जयपुर से बीकानेर के लिए रवाना हो गए, जिससे अभिभावक गुस्सा हो गए। समझाइश के बाद संयम बरतते हुए अभिभावकों ने मंत्री आवास पर तैनात पुलिसकर्मी दीनदयाल से बातचीत की और ज्ञापन की कॉपी उन्हें मंत्री तक पहुंचाने के लिए सौंप दी।

राज्यमंत्री जाहिदा भी नहीं मिलीं तो कल्ला को बीकानेर भिजवाया ज्ञापन

जब शिक्षा मंत्री कल्ला से मुलाकात नहीं हुई तो सभी अभिभावक शिक्षा राज्यमंत्री जाहिदा खान के गांधी नगर आवास पर पहुंच गए। वहां पर भी मंत्री से मुलाकात नहीं हुई, तो संयुक्त अभिभावक संघ ने ज्ञापन की कॉपी बीकानेर ही पहुंचा दी। संघ की बीकानेर टीम ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर प्रदेशभर के अभिभावकों की मांगों को लेकर तैयार ज्ञापन मंत्री के हाथों में सौंपा और जल्द कार्रवाई की मांग की। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने बताया कि शिक्षा को लेकर प्रदेश का अभिभावक पीड़ित और प्रताड़ित हो रहा है। भले ही वह सरकारी स्कूल का मामला हो या निजी स्कूल का हो। अभिभावक और छात्र मानसिक प्रताड़ना झेलने पर मजबूर हो रहे हैं। सरकार कानून बनाकर भूल चुकी है, प्रशासन कानूनों की पालना नहीं करवा रहा है, स्कूल लगातार अपनी मनमानी कर रहे हैं। निजी स्कूल आरटीई में छात्रों के एडमिशन देने से मना कर रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों फीस के साथ-साथ स्कूलों ने किताबों, ड्रेस को लेकर भी दामों में भारी वृद्धि कर दी है, जिसके चलते अभिभावक ठोकरें खाने और आर्थिक भार उठाने पर मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि अभिभावकों ने सबसे पहले अपनी बात स्कूलों के सामने रखनी चाही, तो स्कूलों ने नही सुनी, उसके बाद विभाग में अपनी बात रखने पहुंचने तो वहां अभिभावकों की पीड़ाओं को नहीं सुना गया, उसके अधिकारियों से मुलाकात की उन्हे भी बात नहीं सुनी, अब मंत्री से समय लेकर आए तो शिक्षा मंत्री भी बात सुनने से पहले जयपुर छोड़कर भाग खड़े हुए।

...और अमित शाह कहते हैं लोकतंत्र खतरे में नहीं है!

सरकार के फैक्ट चेक निकाय बनाने पर बरसे सिब्बल

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने फर्जी खबरों से निपटने के लिए एक नियामक व्यवस्था बनाने का फैसला किया है। हालांकि सरकार के इस कदम की आलोचना भी शुरू हो गई है। अक्सर केंद्र सरकार को निशाने पर लेने वाले राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बार फिर इस मुद्दे पर सरकार को घेर लिया है। कपिल सिब्बल ने कहा कि अब सरकार तय करेगी कि क्या फर्जी है और क्या नहीं? और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है!

कपिल सिब्बल ने कहा कि अब पीआईबी फैसला करेगा कि क्या फर्जी है और क्या नहीं और वह इसे नोटिफाई भी करेगा। अगर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इसे नजरअंदाज करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब ये सरकार तय करेगी! ...और अमित शाह कहते हैं कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है। बीते दिनों राहुल गांधी के लंदन में दिए बयान में कहा था कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। इस पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा था कि लोकतंत्र खतरे में नहीं है बल्कि यह आपका (राहुल गांधी) परिवार और खानदानी राजनीति खतरे में है। माना जा रहा है कि कपिल सिब्बल ने अपने ताजा बयान में अमित शाह के उसी बयान को लेकर तंज कसा है।

बता दें कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बताया कि सरकार का फैक्ट चेक निकाय इंटरनेट फर्मों जैसे गूगल, फेसबुक और ट्विटर आदि को फर्जी खबर के बारे में जानकारी देगा।

अगर इंटरनेट कंपनियां सरकार के फैक्ट चेक नियामक के निर्देश को नजरअंदाज करते हैं और फर्जी खबरों को अपने प्लेटफॉर्म से नहीं हटाते हैं तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी।

आईटी मंत्रालय फैक्ट चेक निकाय का गठन करेगा, जो फर्जी खबरों पर लगाम लगाएगा। राजीव चंद्रशेखर ने आईटी रूल्स 2021 में संशोधन किया है। जिससे पीआईबी या सरकार द्वारा गठित निकाय को यह ताकत मिल जाएगी कि वह यह तय करेगा कि क्या खबर फर्जी है और क्या नहीं!

फैक्ट चेक निकाय बनाने के सरकार के फैसले की विपक्ष ने आलोचना शुरू कर दी है। कांग्रेस के साथ ही टीएमसी, राजद और सीपीआई (एम) आदि पार्टियां सरकार के इस कदम की तीखी आलोचना कर रही हैं। विपक्षी पार्टियां सरकार के कदम को सेंसरशिप लगाने के बराबर बता रही हैं। हालांकि सरकार ने विपक्ष के आरोपों को नकार दिया है। शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने आरोप लगाया है कि अपने खिलाफ खबरों को नियंत्रित करने के लिए सरकार यह कोशिश कर रही है।

एडिटर्स गिल्ड ने भी की आलोचना

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एडिटर्स गिल्ड ने भी सरकार द्वारा फैक्ट चेक निकाय के गठन की आलोचना की और केंद्र सरकार के इस कदम को कठोर और परेशान करने वाला बताया है। एडिटर्स गिल्ड ने आईटी मंत्रालय से फैक्ट चेक निकाय के गठन के लिए जारी नोटिफिकेशन को वापस लेने की मांग की।

रेवंत ने केटीआर के कानूनी नोटिस का जवाब दिया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज राज्य के उद्योग और आईटी मंत्री केटीआर द्वारा जारी कानूनी नोटिस का जवाब दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने उनके खिलाफ निराधार और मानहानिकारक बयान दिए थे। उन्होंने केटीआर से अपना कानूनी नोटिस वापस लेने को कहा और चेतावनी दी कि अगर नोटिस वापस नहीं लिया गया तो वह मंत्री के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू कर देंगे। रेवंत रेड्डी ने मंत्री से कहा कि अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित किया गया था और उनका मज़ाक उड़ाया कि केटीआर को इसकी जानकारी नहीं थी क्योंकि वह अलग तेलंगाना आंदोलन का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने राज्य के बेरोजगार युवाओं की ओर से टीएसपीएससी नौकरियों के बारे में बात की। यह स्पष्ट करते हुए कि टीएसपीएससी के तकनीकी पहलुओं को राज्य आईटी मंत्रालय द्वारा बनाए रखा जा रहा था ।

किरण रिजिजू की कार को ट्रक ने टक्कर मारी

बाल-बाल बचे केंद्रीय मंत्री, जम्मू से श्रीनगर जाते समय हादसा

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। किरन रिजिजू एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक इस हादसे में किसी को भी चोट नहीं आई है। केंद्रीय मंत्री भी पूरी तरह ठीक हैं। हादसे के बाद सुरक्षाकर्मियों ने केंद्रीय मंत्री रिजिजू को फौरन कार से उतारकर दूसरी गाड़ी में बैठाया और काफिला आगे बढ़ गया।

केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने खुद ट्वीट कर इस मामले की जानकारी दी। दरअसल, रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उनके काफिला को पास से जा रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। उनके सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। हालांकि हादसे में किसी को भी चोट नहीं आई।

इस घटना पर पुलिस ने कहा, कानून मंत्री किरण रिजिजू शनिवार को जम्मू-कश्मीर में एक ट्रक से अपनी कार की टक्कर में बाल-बाल बच गए। जम्मू में उधमपुर के पास पूरी तरह से लदे ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हादसे का वीडियो :

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस टीम ने भी मामले की जांट शुरू कर दी है। केंद्रीय मंत्री की कार के हादसे का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू की कार और टक्कर मारने वाला ट्रक साफ दिख रहा है। इसके अलावा किरन रिजिजू की कार के पास दौड़ते सुरक्षाकर्मी भी दिख रहे हैं। वीडियो में सुरक्षाकर्मी केंद्रीय मंत्री को कार से निकालकर दूसरी गाड़ी की तरफ ले जाते दिख रहे हैं। वहीं रिजिजू के काफिले के कुछ और लोग भी अफरा-तफरी में दिख रहे हैं।

रिजिजू आज जम्मू कश्मीर दौरे पर थे और एक कार्यक्रम में उन्होंने हिस्सा लिया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा था, डोगरी भाषा में भारत के संविधान के पहले संस्करण के रूप में जम्मू और कश्मीर के लिए बेहद गर्व का क्षण जम्मू विश्वविद्यालय में लॉन्च किया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीशों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शामिल होने पर खुशी हुई।

बिहार एशोसिएशन के प्रतिनिधियों ने की विधायक से भेंट

बिहार भवन के लिए भूमि आवंटन हेतु सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद प्रतिनिधिमंडल द्वारा कुतुबुल्लापुर के विधायक विवेक गौड़ से औपचारिक मुलाकात कर उन्हें बिहार भवन के लिए भूमि आवंटन हेतु तेलंगाना सरकार को ज्ञापन दिया गया जिसे माननीय विधायक, माननीय मुख्यमंत्री महोदय के समक्ष प्रस्तुत कर यथाशीघ्र भूमि आवंटन कराने का प्रयास करेंगे। ज्ञात हो कि विधायक के साथ प्रवासी बिहार वासियों के विषयों पर बिंदुवार चर्चा की गई। चर्चा में बिहार एसोसिएशन के भवन हेतु भूमि आवंटन को प्रमुखता से रखते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह द्वारा कहा गया कि पिछले कार्यकाल में ही माननीय मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जी ने हम लोगों को आश्वासन दिए थे की बिहार एसोसिएशन हैदराबाद को भवन हेतु भूमि आवंटन करा दिया जाएगा जो किसी कारण बस अभी भी लंबित है, माननीय विधायक महोदय ने इन विषयों पर संज्ञान लेते हुए प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त कराया की शीघ्र ही बिहार एसोसिएशन हैदराबाद को भवन हेतु भूमि आवंटन करा दिया जाएगा। इस अवसर पर एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष हरेराम सिंह, सचिव प्रभास कुमार, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, संरक्षक मानवेंद्र मिश्रा, अनुशासन समिति के प्रमुख दशरथ यादव, मदन सिंह, दिनेश सिंह इत्यादि अन्य गणमान्य शामिल थे।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में गत मीटिंग में लिए गए निर्णयों की समीक्षा एवं पिछली बैठक से आजतक के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन किया गया। गत 26 जनवरी को सम्पन्न सामूहिक उपनयन संस्कार की विस्तार से विवेचना की गई एवं कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त सभा के खातों की लेखा परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया। लेखा परीक्षा के लिए समाज के वरिष्ट सीए विजय किशोर मिश्रा की सेवाएं लेने का निर्णय हुआ। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन डॉ. रामकुमार तिवारी ने किया। बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ला, महामंत्री विजय पाल पाण्डेय, सहमंत्री भवानी प्रसाद तिवारी, विशेष आमंत्रित प्रेम सुन्दर शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य दुर्गाप्रसाद मिश्रा एवं सूर्यप्रकाश शुक्ला, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, सांस्कृतिक मंत्री रत्नकला मिश्रा, जन सम्पर्क मंत्री विनोद प्रसाद तिवारी, महिला विभाग मंत्री शोभा दुबे, युवा मामलों के मंत्री जयशंकर प्रसाद तिवारी ने भाग लिया। महामंत्री के धन्यवाद ज्ञापन से सभा सम्पन्न हुई।

हाईकोर्ट से नाबालिग लड़के को मिली दसवीं परीक्षा में बैठने की अनुमति

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के सनसनीखेज हिंदी भाषा के प्रश्नपत्र लीक मामले के एक आरोपी हरीश को तेलंगाना उच्च न्यायालय से बहुप्रतीक्षित राहत मिली है, जिसे दसवीं कक्षा की शेष परीक्षाओं में बैठने से रोक दिया गया था।

अदालत ने आज माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों को सोमवार से बची हुई परीक्षाओं में शामिल होने का निर्देश दिया। अदालत ने उनके पिता द्वारा दायर हाउस मोशन याचिका का जवाब देते हुए यह आदेश पारित किया। अपनी याचिका में, लड़के के पिता ने एचसी को बताया कि जब वह परीक्षा दे रहा था, तब एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके हाथों से हिंदी का पेपर छीन लिया था। उन्होंने एचसी को यह भी बताया कि कमलापुर मंडल पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी में हरीश के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था और कहा कि अधिकारियों ने उन्हें परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने एचसी से आग्रह किया कि हरीश को एसएससी परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति देने के लिए संबंधित बीआईई अधिकारियों को आदेश जारी किया जाए।

तेलंगाना का विकास भाजपा से ही संभव : गज्जला

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शेरीलिंगमपल्ली के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने सिकंदराबाद परेड मैदान में पीएम मोदी की एक विशाल जनसभा में भाग लेने के बाद कहा कि तेलंगाना का विकास भाजपा से ही संभव है। इसी के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में 11663 करोड़ रुपये की लागत से कई विकास कार्यों का शुभारंभ किया है। योगानंद ने कहा कि मोदी ने हैदराबाद से तिरुपति तक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, 715 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण की आधारशिला रखी और सिकंदराबाद-महबूबनगर रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य का उद्घाटन किया। योगानंद ने कहा कि नरेंद्र मोदी के शासन में देश समृद्ध है और कई विकास कार्यक्रम चल रहे हैं, लेकिन तेलंगाना में राज्य सरकार विकास के मामले में विफल रही है।

परशुराम जनमोत्सव को लेकर हुई बैठक

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सर्व ब्राह्मण परिषद और राजस्थानी ब्राह्मण द्धारा आगामी 22 अप्रैल को श्री परशुराम जनमोत्सव शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया। बैठक में संस्था द्वारा अलग-अलग समितियां बनाई गई जिसमें व्यवस्था, निमंत्रण, प्रसाद व्यवस्था समिति, का निर्माण किया गया, इसमें व्यवस्था समिति में अध्यक्ष पवन मिश्रा, विशाल शर्मा, लड्डू ओझा, रामदेव नगला, नारायणदास शर्मा, बंटी तिवारी, राकेश तिवारी, संदीप जयलवाल, गोविंद शर्मा, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, विजय ओझा, अजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ग्वारीघाट में पानी पर चलती दिखीं बूढ़ी अम्मा लोग मां नर्मदा मानकर करने लगे पूजा

जबलपुर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जबलपुर के ग्वारीघाट में नर्मदा नदी के जल पर चलने वाली एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। महिला की एक झलक पाने के लिए ग्वारीघाट नर्मदा तट पर हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। पिछले कई दिनों से महिला तिलवाराघाट और ग्वारीघाट सहित कई घाटों पर देखी जा रही है।

बता दें कि नर्मदा परिक्रमा के लिए निकली ये महिला जबलपुर में खूब चर्चा का विषय बनी हुई है। बुजुर्ग महिला का नर्मदा नदी के जल पर चलने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग उसे देवी नर्मदा का स्वरूप मान रहे हैं। इसे आस्था कहे या अंधविश्वास, क्योंकि हजारों की संख्या में लोग उसे देखने के लिए ग्वारीघाट पहुंच रहे हैं।

पानी पर चली महिला, लोग मान रहे मां नर्मदा...

सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली ये महिला लोगों को आशीर्वाद और उनकी प्रार्थना भी नर्मदा से कर रही है। ग्वारीघाट पर भीड़ देखकर पुलिस ने भी मोर्चा संभाल लिया है। महिला का नाम ज्योतिबाई रघुवंशी कल्लूखापा पिपरिया जिला होशंगाबाद की रहने वाली है।

थाने में दर्ज है महिला की गुमशुदगी...

बताया जाता है कि ज्योतिबाई रघुवंशी के बेटे रमन सिंह ने कल्लूखापा थापा में नौ मई 2022 को अपनी मां की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बेटे ने रिपोर्ट में बताया है कि उसकी मां पांच साल से मानसिक बीमारी से ग्रसित है। महिला के बेटे की शिकायत पर होशंगाबाद पुलिस महिला की तलाश कर रही है। इधर, जबलपुर की पुलिस महिला से पूछताछ करने के बजाय उसकी पूजा-पाठ में लगी हुई है।

मरम्मत के दौरान गिरने से सिंचाई कर्मचारी की मौत

निर्मल, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को कद्दामपेद्दूर मंडल केंद्र में कद्दाम नारायण रेड्डी सिंचाई परियोजना में एक रिसाव को ठीक करने के दौरान बाढ़ के गेट से गिरने से सिंचाई विभाग के एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि बद्दी गंगाधर (50) लीकेज ठीक करने के बाद बाढ़ गेट पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, तभी वह गंभीर रूप से गिर गए। शव को खानापुर के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है।

फारूक अब्दुल्ला बोले- इतिहास मिटाया नहीं जा सकता

एनसीईआरटी की किताबों से मुगलों के चैप्टर हटाने पर कहा- ताजमहल देखने आए लोगों को क्या बताओगे?

अनंतनाग, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता है। एनसीईआरटी की किताबों से मुगलों के चैप्टर भले ही हटा दिए गए हों, लेकिन शाहजहां, औरंगजेब, अकबर, बाबर, हुमायूं और जहांगीर को कैसे भूलेंगे। उन्होंने हम पर 800 सालों तक शासन किया है।

जब लोग ताजमहल देखने जाएंगे तो उन्हें क्या बताया जाएगा कि इसे किसने बनवाया था? फतेहपुर सीकरी के बारे में क्या कहेंगे, जहां मुगल ताज दिल्ली जाने से पहले था? वे हुमायूं के मकबरे और लाल किले को कैसे छिपाएंगे?

नेशनल कांफ्रेंस के नेता ने कहा कि वे अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इतिहास नहीं बदलेगा। हम नहीं रहेंगे, लेकिन इतिहास रहेगा। फारूक अब्दुल्ला शनिवार को एक शोकसभा में शामिल होने अनंतनाग जिले के लारनू में गए थे। यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने ये बातें कहीं।

बता दें कि नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग एनसीईआरटी ने हाल ही में 12वीं कक्षा के लिए इतिहास, नागरिक शास्त्र और हिन्दी के सिलेबस में कुछ बदलाव किए थे। इतिहास की किताब से मुगल साम्राज्य से जुड़ा चैप्टर हटा दिया गया। इसके अलावा हिंदी की बुक से कुछ कविताएं और पैराग्राफ हटाने का निर्णय लिया गया।

अपडेटेड सिलेबस के मुताबिक थीम्स ऑफ इंडियन हिस्ट्री-पार्ट II से मुगल दरबार (16वीं और 17वीं शताब्दी) और शासकों व उनके इतिहास से संबंधित अध्यायों को हटाया गया। नागरिक शास्त्र की किताब से "यूएस हेजेमनी इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स' और "द कोल्ड वॉर एरा' जैसे चैप्टर हटाए गए।

नगर में दिन का तापमान बढ़ने की भविष्यवाणी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के निवासियों को गर्म और शुष्क मौसम के लिए खुद को तैयार कर लेना चाहिए, क्योंकि गर्मी की बारिश रुकने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद के अनुसार, दिन का तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है, जिससे शहर भर के लोगों के लिए मौसम असहज हो जाएगा।

आईएमडी ने अगले कुछ दिनों तक शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की है, इस अवधि के दौरान कोई महत्वपूर्ण बारिश की उम्मीद नहीं है। बारिश की अनुपस्थिति शहर में बढ़ते तापमान को और बढ़ा सकती है, जिससे लोगों के लिए दिन के दौरान बाहर निकलना मुश्किल हो जाएगा। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, रात का तापमान भी 23 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। हालांकि निर्मल, आदिलाबाद, कुमुराम भीम आसिफाबाद, जगतियाल, निजामाबाद और मनचेरियल सहित कुछ जिलों में अगले तीन दिनों तक बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की उम्मीद है, अधिकतम तापमान सभी जिलों में बढ़ जाएगा।

श्री कुमावत शिक्षा ट्रस्ट, निमाजपाली (राजस्थान) के तत्वावधान में तेरहवां सामूहिक विवाह सम्मेलन 2 मई कें आयोजित किया जाएगा। इसमें विशेष अतिथि के रूप में पधारने के लिए सामूहिक विवाह के प्रधान शिवराम ऐकलिया ने कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत कें आमंत्रित किया।

पीएम नरेंद्र मोदी की परेड ग्राउंड में जनसभा में भाग लेने पहुंचे जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, अमर सिंह राजपुरोहित, जीतेंद्र तिवारी, रघु, रामकृष्ण व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

परिवारवादी बौखलाए हुए ...

कुछ मुट्ठी भर लोग विकास कार्यों से बौखलाए :

आज के नए भारत में देशवासियों की आशाओं को पूरा करना हमारी प्राथमिकता है लेकिन कुछ मुट्ठी भर लोग विकास के इन कार्यों से बहुत बौखलाए हुए हैं। ऐसे लोग जो परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को पोषित करते रहे उन्हें ईमानदारी से काम करने वालों से परेशानी हो रही है। इससे इनके तीन मतलब सिद्ध होते थे। पहला- इनके ही परिवार की जय जयकार होती रहे। दूसरा- करप्शन का पैसा इनके परिवार के पास ही आता रहे, तीसरा- जो पैसे गरीब के लिए भेजे जाते हैं वो इनके भ्रष्ट इको-सिस्टम में बांटने के काम आ जाए। लेकिन आज मोदी ने भ्रष्टाचार की जड़ पर ही प्रहार कर दिया है।

हमने देशभर में डिजिटल पेमेंट की व्यवस्था बढ़ाई है लेकिन ऐसा पहले क्यों नहीं हुआ? इस लिए नहीं हुआ क्योंकि परिवारवादी ताकतें व्यवस्था पर, सिस्टम पर अपना कंट्रोल छोड़ना नहीं चाहती थीं। किस लाभार्थी को क्या लाभ मिले, कितना मिले ये नियंत्रण ये परिवारवादी अपने पास ही रखना चाहते थे।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह साढ़े 11 बजे तेलंगाना पहुंचे। हैदराबाद के बेगम पेट हवाई अड्डे पर गवर्नर तमिलिसाई सुंदरराजन ने उनका स्वागत किया। वे सिकंदराबाद पहुंचे और तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह तेलंगाना से आंध्र प्रदेश के लिए दूसरी वंदे भारत ट्रेन है। 3 महीने पहले पीएम ने सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत लॉन्च की थी।

परेड ग्राउंड सिकंदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आम सभा में भाग लेते वरिष्ठ भाजपा नेता जिग्नेश दोशी, डी. गोपाल, राहुल अग्रवाल व अन्य।

दिल्ली ने गंवाया सीजन का तीसरा मुकाबला

राजस्थान 57 रन से जीती, जायसवाल-बटलर की फिफ्टी, बोल्ड ने झटके 3 विकेट

गुवाहाटी, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में खेल रही दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में तीसरा मुकाबला गंवा दिया है। टीम को राजस्थान रॉयल्स ने 57 रनों से हराया। यह राजस्थान की तीन मैचों में दूसरी जीत है। टीम पॉइंट टेबल के टॉप पर है। देखें पॉइंट्स टेबल

गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीता है और पहले बॉलिंग करने का फैसला लिया। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज 20 ओवर में 9 विकेट पर 142 रन ही बना सके।

ऐसे गिरे दिल्ली के विकेट...

पहला: पहले ओवर की तीसरी बॉल पर ट्रेंट बोल्ट ने पृथ्वी शॉ को विकेटकीपर संजू सैमसन के हाथों

कैच कराया। दूसरा : पहले ओवर की चौथी बॉल पर ट्रेंट बोल्ट ने मनीष पांडेय को एलबीडब्ल्यू किया। तीसरा : छठे ओवर की चौथी बॉल पर रविचंद्रन अश्विन ने राइली रूसो को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। चौथा: 13वें ओवर की आखिरी बॉल पर ट्रेंट बोल्ट ने ललित यादव को बोल्ड कर दिया। पांचवां : 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर युजवेंद्र चहल ने अक्षर पटेल को संजू सैमसन के हाथों स्टंपिंग कराया। छठा : 16वें ओवर की तीसरी बॉल पर अश्विन ने रोवमन पॉवेल को हेटमायर के हाथों कैच कराया।

ललित-वार्नर ने झटके से उबारा

पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद कप्तान डेविड वार्नर और ललित यादव ने टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। दोनों के बीच 44 गेंद पर 64 रन की साझेदारी हुई।

मैच की दूसरी पारी का पावरप्ले राजस्थानी गेंदबाजों के नाम रहा। ट्रेंट बोल्ड ने पहले ही ओवर में ओपनर पृथ्वी शॉ और मनीष पांडेय को पवेलियन लौटाया। तब टीम का खाता भी नहीं खुला था। उसके बाद रविचंद्रन अश्विन ने राइली रूसो को आउटकर पवेलियन की राह दिखाई। 6 ओवर में दिल्ली ने 38 रन बनाने में तीन विकेट गंवा दिए थे। गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीता और पहले बॉलिंग करने का फैसला लिया। राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन बनाए। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने मौजूदा सीजन में दूसरा लगातार अर्धशतक जमाया। ओवरऑल यह जायसवाल का 5वां अर्धशतक है। जायसवाल के अलावा, जोस बटलर ने लीग में 17वीं फिफ्टी पूरी की। दोनों के बीच 98 रनों की ओपनिंग साझेदारी हुई।

बाद में बटलर ने हेटमायर के साथ चौथे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। दिल्ली की ओर से मुकेश कुमार ने दो विकेट हासिल किए। कुलदीप यादव और रोवमन पॉवेल को एक-एक विकेट मिला।

राजस्थान के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने मौजूदा सीजन का दूसरा अर्धशतक जमाया। उन्होंने 25 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने खलील अहमद के पहले ओवर में 5 चौके जमाकर ताबड़तोड़ शुरुआत की। जायसवाल इस ने लीग में 5वां अर्धशतक जमाया। वे इस सीजन में दूसरा अर्धशतक जमाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। चेन्नई के गायकवाड़ भी दो अर्धशतक जमा चुके हैं। ओपनर्स ने राजस्थान को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने 4 ओवर में टीम का स्कोर 50 रन पहुंचा दिया। जायसवाल-बटलर के बीच अब तक 75+ की साझेदारी हो चुकी है। टीम ने पावरप्ले के खेल में 68 रन जोड़े। जायसवाल ने बटलर के साथ 51 गेंद पर 98 रन की साझेदारी की।

प्रियांशु ने ची यू जेन को हराया

पहली बार किसी सुपर-300 के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे

खेल डेस्क, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रियांशु ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय जापान के केंटा निशिमोतो को सीधे गेमों में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

प्रियांशु राजावत ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए ओरलिआंस मास्टर्स बैडमिंटन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर 61 चीनी ताईपे के ची यू जेन को सीधे गेमों में 21-18, 21-18 से 44 मिनट में पराजित किया। विश्व नंबर 58 प्रियांशु ने पहली बार किसी सुपर-300 के टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। जहां उनका मुकाबला आयरलैंड के नहात एनगुएन से होगा।

एनगुएन को इस्राइल के मिशा जिल्बरमैन से वॉकओवर मिला। प्रियांशु ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय जापान के केंटा निशिमोतो को सीधे गेमों में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। सातवीं वरीय जोड़ी एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने इससे पहले गुरुवार की रात जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को 21-15, 17-21, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जहां उन्हें दूसरी वरीय इंडोनेशिया के लियो रोली कारनाडो और डेनियल मार्टिन से खेलना है।

इंग्लैंड की महिला फ़ुटबॉल टीम ने जीता फिनालिसिमा खिताब

ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में हराया

खेल डेस्क, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड की टीम ने बेहद ही रोमांचक मुकाबले में ब्राजील को पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर महिलाओं के लिए पहली बार आयोजित फाइनलिसिमा फुटबाल टूर्नामेंट जीत लिया।

इंग्लैंड की टीम ने बेहद ही रोमांचक मुकाबले में ब्राजील को पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर महिलाओं के लिए पहली बार आयोजित फाइनलिसिमा फुटबाल टूर्नामेंट जीत लिया। इंग्लैंड पिछले 30 मैचों से हारा नहीं है।

शूटआउट के दौरान च्लोए कैली के गोल से इंग्लैंड की टीम चैंपियन बन गई और यहां वेंबले स्टेडियम में लगभग 83,132 प्रशंसकों की मौजूदगी में जश्न मनाया। क्लोए ने पिछले साल वेंबले में यूरो 2022 के फाइनल में भी गोल किया था। इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी ईर्प्स ने शूटआउट के दौरान पेनाल्टी बचाकर टीम की जीत में अपना योगदान दिया।

इंग्लैंड की एला टून ने 23वें मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई और पहले हाफ में 1-0 से बढ़त अपने नाम की। फिर दूसरे हाफ में एक समय लग रहा था कि मेजबान टीम यह खिताब इसी स्कोर से अपने नाम कर लेगी तभी ब्राजील की सब्सीट्यूट खिलाड़ी आंद्रेस्सा अलावेस ने इंजुरी समय (90+3वें मिनट) में गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया।

मैच का नतीजा निकालने के लिए अतिरिक्त समय का सहारा लिया गया, लेकिन दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं। इसके बाद शूटआउट में इंग्लैंड की टीम ने बाजी मार ली।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को तीसरे टी-20 में हराया

रोमांचक मैच में कीवियों ने 1 बॉल रहते जीत हासिल की, सीरीज पर कब्जा जमाया

खेल डेस्क, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को तीन टी-20 मैच की सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड तीन मैच की सीरीज 2-1 से जीत ली। क्वींसटाउन में शनिवार को खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 182 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में ही लक्ष्य का हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के टिम सेफर्ट ने अर्धशतक लगाया। टिम सेफर्ट को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में 10 रन की जरूरत थी जो उसने 1 बॉल शेष रहते हासिल कर लिया। इस दौरान उसने दो विकेट भी गंवाए।

श्रीलंका की पारी- कुसल मेंडिस ने लगाया अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की। पथुम निसंका और कुसल मेंडिस ओपनिंग करने उतरे। दोनों के बीच 76 रन की पार्टनरशिप हुई। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 73 रन की पारी खेली।

उनके अलावा कुसल परेरा 33, निसंका 25 और धनंजय डी सिल्वा ने 20 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। बेन लिस्टर को 2 और ईश सोढी और एडम मिल्ने को 1-1 विकेट मिला। चरित असलंका को मार्क चैपमैन और टॉम लाथम ने रन आउट किया।

न्यूजीलैंड के टिम सेफर्ट ने 88 रन की पारी खेली

न्यूजीलैंड ने आसानी से 183 रन का टारगेट हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के लिए टिम सेफर्ट ने 88 रन की पारी खेली। उनके अलावा कप्तान टॉम लाथम 31 ने बनाए।

लाहिरू कुमारा को 3 और प्रमोद मदुशन और महेश थीक्षाना को 1-1 विकेट मिला।

पिछले 4-5 महीने में क्रिकेट से ब्रेक का हुआ फायदा

क्रुणाल पंड्या ने कहा - ब्रेक के दौरान स्किल्स पर काम किया, इस साल लय में नजर आऊंगा

लखनऊ, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल में क्रुणाल पंड्या के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत शनिवार रात को लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 5 विकेट से हराया। क्रुणाल पंड्या दोहरा प्रदर्शन किया। पंड्या ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने हैदराबाद के टॉप ऑर्डर की कमर तोड़ दी।

उन्होंने कहा, 'मैंने पिछले 4 से 5 महीने में क्रिकेट से ब्रेक लिया। इससे मुझे गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिली। इस साल लय में नजर आऊंगा।'

हैदराबाद के खिलाफ क्रुणाल पंड्या ने तीन विकेट लिए। पहले उन्होंने मयंक अग्रवाल को आउट किया ,फिर अनमोलप्रीत सिंह को LBW किया। आखिर में उन्होंने पहली ही बॉल पर कप्तान मारक्रम को क्लीन बोल कर पवेलियन का रास्ता दिखाया।

पता था कि आज पूरे चार ओवर करूंगा - पंड्या

मैच के बाद पंड्या ने कहा, 'आज का दिन अच्छा था। हैदराबाद में राइट हैंड बल्लेबाजों के होने से मुझे पता था कि आज पूरे चार ओवर करने का मौका मिलेगा। मैं इसके लिए तैयार था। इस समय मैं एक अच्छे हेडस्पेस में हूं, मेरे पास इस बारे में स्पष्टता है कि मैं अपने खेल के बारे में कैसे जाना चाहता हूं, चाहे वह

बल्लेबाजी से हो या गेंदबाजी से। इसका रिजल्ट भी देखने को मिला।'

क्रिकेट से ब्रेक लिया - पंड्या

क्रुणाल ने आगे कहा, 'पिछले चार-पांच महीनों में मैंने क्रिकेट से ब्रेक लिया था, जहां मैं नहीं खेल रहा था। मैं सिर्फ अपनी स्किल्स पर काम करना चाहता था। गेंदबाजी पर खास ध्यान दिया। इस वजह से मैंने सिर्फ वाइट बॉल क्रिकेट खेला। पिछले 2-3 साल में मेरा एक्शन बिगड़ता चला गया था। इसलिए मैं सिर्फ अपने एक्शन पर काम करना चाहता था।'

लय में लौट रहा हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह याद करने की कोशिश कर रहा हूं कि मैंने पिछले 4-5 साल में कैसा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन साल में मुंबई इंडियंस में मेरी भूमिका पूरी तरह बदल गई थी। मैं शुरुआत में 4नंबर पर बल्लेबाजी करता था, लेकिन बाद में 7 नंबर पर आने लगा। इससे मेरा प्रदर्शन खराब होता चला गया। अब मैं वापस नंबर 4 पर बल्लेबाजी कर रहा हूं। इससे वापसी करने में मदद मिलेगी।'

बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन

लखनऊ के लिए पंड्या ने हैदराबाद के खिलाफ 23 बॉल में 34 रन की पारी खेली। उनसे ज्यादा 35 रन सिर्फ टीम के कप्तान केएल राहुल ही बना सके। पंड्या ने 147.82 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

लियाम लिविंगस्टोन के आईपीएल में आने की तारीख तय नहीं

मैनचेस्टर में रिहैब कर रहे है, ईसीबी की तरफ से मेडिकल क्लियरेंस नहीं मिला

मैनचेस्टर, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन इस समय इंग्लैंड में ही हैं। 5 अप्रैल को पंजाब का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुआ था। इस दौरान मैच के बाद पंजाब किंग्स के एक अधिकारी ने कहा था कि लियाम लिविंगस्टन अगले मैच में टीम में शामिल होंगे।

लिविंगस्टोन के आने की सम्भावना नहीं दिखा रही है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड और लांकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के ने बताया कि लियाम लिविंगस्टोन को टीम जॉइन करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लगेगा। पंजाब ने 11.5 करोड़ रुपए में खरीदा

पंजाब किंग्स ने विस्फोटक

ऑलराउंडर को 2022 में आईपीएल ऑक्शन में 11.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। लियाम लिविंगस्टोन बल्लेबाजी के साथ राइट आर्म ऑफ स्पिन करते हैं।

लिविंगस्टोन अभी पूरी तरह फिट नहीं

ईसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को बताया कि, लिविंगस्टोन अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं। लांकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब इस समय उनकी फिटनेस पर काम कर रहा है। उम्मीद है कि लिविंगस्टोन 15 अप्रैल के आस-पास खेलेंगे। टखने और घुटने में चोट की वजह से लिविंगस्टोन ने दिसंबर से क्रिकेट नहीं खेला है।

सोशल मीडिया पर कर रहे है टीम को चीयर

गुरुवार को लिविंगस्टोन ने स्काय स्पोर्ट्स से कहा - आईपीएल सीजन का इंतजार है। हालांकि, लिविंगस्टोन पंजाब टीम को सोशल मीडिया पर लगातार चीयर करते रहते हैं।

242 खिलाड़ियों को सीजन में सिर्फ 910.5 करोड़ मिल रहे

अकेले मीडिया राइट्स से बीसीसीआई सालाना 9,678 करोड़ तक कमा रहा

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। फुटबॉल, बेसबॉल जैसे खेलों को पछाड़ते हुए आईपीएल अमेरिकी एनएफएल के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अमीर स्पोर्ट्स लीग है। दो महीने के सीजन में जमकर पैसा बरसता है। बीसीसीआई, फ्रेंचाइजी और खिलाड़ियों की कमाई करोड़ों में होती है। हालांकि, चौंकाने वाली बात है कि करोड़ों रुपए की कमाई के बाद भी खिलाड़ियों को लीग की कमाई में उचित हिस्सेदारी नहीं मिल रही।

विश्व की दूसरी सबसे अमीर लीग में खिलाड़ियों की रेवेन्यू हिस्सेदारी अन्य लीग के मुकाबले आधी भी नहीं है। साथ ही, खिलाड़ियों की सैलरी भी लीग के मुनाफे के अनुसार नहीं बढ़ रही। दूसरी लीग से तुलना करें तो खिलाड़ियों की कमाई मौजूदा आमदनी से तीन गुना ज्यादा होनी चाहिए, लेकिन अभी हमारे खिलाड़ी काफी पिछड़ रहे हैं।सीजन में 242 खिलाड़ियों की कुल सैलरी 910.5 करोड़ रुपए है। सभी 10 टीमों का अधिकतम

सैलरी कैप 95 करोड़ तय है। यानी एक सीजन में सैलरी पर कुल 950 करोड़ से ज्यादा खर्च नहीं हो सकता। वहीं, बीसीसीआई मीडिया राइट्स से सालाना 9,678 करोड़ कमाता है, जो पिछली बार से 6 हजार करोड़ ज्यादा है।

राइट्स से मौजूदा कमाई खिलाड़ियों के सैलरी खर्च से 10 गुना तक ज्यादा है। राइट्स में खिलाड़ियों का कोई हिस्सा नहीं होता। उन्हें सिर्फ सैलरी मिलती है। ये सैलरी मुनाफे की रफ्तार से नहीं बढ़ती। मीडिया राइट्स की सालाना वैल्यू लगभग 6,408 करोड़ बढ़ने के बावजूद खिलाड़ियों का सैलरी कैप 50 करोड़ रुपए ही बढ़ा है।

विदेशी लीग में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 50% से ज्यादा, आईपीएल में सिर्फ 18%; डब्ल्यूपीएल के दो मैचों से पूरी टीम का खर्च निकला

एनबीए, एनएफएल, मेजर लीग बेसबॉल सबसे अमीर लीग हैं। अगर ये लीग सीजन में 2 मिलियन डॉलर कमाती हैं तो उसका 1 मिलियन डॉलर सैलरी पर खर्च होता है। प्रीमियर लीग ने 2020-21 सीजन में 71% मुनाफा सैलरी पर खर्च किया। आईपीएल में ऐसा नहीं है। सीजन में टीमें अकेले राइट्स से 4900 करोड़ तक कमाएंगी। स्पॉन्सरशिप, टिकट बिक्री, जर्सी बिक्री आदि से भी कमाई होगी, जिससे कुल कमाई 5300 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, खिलाड़ियों को अधिकतम 950 करोड़ ही मिल सकेंगे, यानी रेवेन्यू का 18 प्रतिशत। वीमेंस प्रीमियर लीग में भी हालात यही थे, जहां एक टीम का सैलरी कैप 12 करोड़ था। मीडिया राइट्स के अनुसार, डब्ल्यूपीएल के एक मैच की वैल्यू 7.5 करोड़ थी। यानी राइट्स, टिकट सेल्स व स्पॉन्सरशिप मिलाकर सिर्फ दो मैचों में ही पूरी टीम की सैलरी का खर्च निकल सकता था।

प्रीमियर लीग 71%, एमएलबी 54%, एनबीए 50%. एनएचएल 50%, एनएफएल 48. आईपीएल 18%

आईपीएल टीमें स्पॉन्सरशिप से 1200 करोड़ कमा रहीं, टी-शर्ट के दाम पायजामे से महंगे

आईपीएल टीमें विज्ञापनों से कुल 1000-1200 करोड़ तक कमा रही हैं। सबसे ज्यादा कमाई जर्सी पर फ्रंट लोगो, बैक लोगो, हेलमेट के लोगो से है, जिनकी कीमत सालाना 26-30 करोड़ तक है। बाजू व पायजामे पर विज्ञापन के लिए टीमें 2 से 10 करोड़ रुपए तक ले रही हैं।

इंडियन हॉकी टीम की कैप्टन की शादी

हरियाणा की सविता पूनिया का एनआईआई से विवाह

खेल डेस्क, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता पूनिया शादी के बंधन में बंध गई है। सिरसा के जोधकां गांव की रहने वाली सविता पूनिया ने कनाडा के अंकित बल्हारा से शादी की। शादी जीरकपुर में एक निजी पैलेस में हुई है। यह अरेंज मैरिज है। सविता के लिए वर की तलाश उसके परिजनों ने की। अंकित मूल रूप से सोनीपत के रहने वाले हैं। पिता महेंद्र पूनिया ने बताया कि उनका दामाद अंकित बल्हारा ने शादी में दहेज नहीं लिया और शगुन के रूप में केवल 1 रुपया लिया। अंकित हरियाणवी चंद्रावल फिल्म के डायरेक्टर और कलाकार भाल सिंह बल्हारा के बेटे हैं।

जहां पड़ा था धोनी का विजयी छक्का, वहीं बनेगा मेमोरियल

वानखेड़े स्टेडियम की 5 कुर्सियां हटेंगी; 28 साल बाद वर्ल्ड कप जीता था भारत

मुंबई, 8 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन 2011 वनडे वर्ल्ड कप के विजयी छक्के को यादगार बनाने जा रहा है। यह छक्का टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने लगाया था, जिसने भारत को 28 साल बाद खिताब जिताया था। जिस जगह पर छक्का लगा था, वहां एमसीए एक मेमोरियल बनाएगा।

मेमोरियल के लिए वानखेड़े स्टेडियम पवेलियन में लगी 5 कुर्सियों को हटाया जाएगा। ये कुर्सियां 'जे282' से 'J286' होंगी।

धोनी को एमसीए ने सम्मानित भी किया

शुक्रवार को एमसीए ने धोनी को उसी जगह सम्मानित भी किया, जहां छक्के के वक्त बॉल गिरी थी। दरअसल, 12 साल पहले 2 अप्रैल को इसी मैदान पर धोनी ने श्रीलंका के नुवान कुलसेकरा की बॉल पर लॉन्ग ऑन पर छक्का लगाया था। इस छक्के के बाद भारत ने 6 विकेट से मैच जीतकर ट्रॉफी उठाई थी।

धोनी ने फाइनल मुकाबले में

91 रन की नाबाद पारी खेली थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के 9 मैचों में 241 रन बनाए थे। युवराज सिंह उस दौरान में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे। उन्होंने तब 362 रन बनाने के साथ 15 विकेट भी लिए थे।

टीम इंडिया ने 2011 में भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप को 28 साल बाद जीता था। धोनी की कप्तानी वाली टीम इंडिया से पहले 1983 में कपिल देव की कप्तानी वाली टीम ने भारत को वर्ल्ड कप जिताया था। तब फाइनल में टीम ने वेस्टइंडीज को हराया था।

आईपीएल खेल रहे हैं धोनी

महेंद्र सिंह धोनी ने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह अब सिर्फ आईपीएल में नजर आते हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स टीम के कप्तान हैं और इस सीजन के 2 मैचों में 3 छक्के लगा चुके हैं।

धोनी के साथ 2011 वनडे वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा रहे 15 में से 13 खिलाड़ियों ने संन्यास ले लिया है। इनमें सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, हरभजन सिंह और जहीर खान जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। उस टीम से विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन ही फिलहाल टीम इंडिया के लिए खेल रहे हैं।

विकसित भारत के लिए तेलंगाना का तेजी से विकास जरूरी : पीएम

प्रधानमंत्री ने 11,300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया

परेड ग्राउंड में लोगों का अभिवादन करते हुए पीएम मोदी । प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए मंत्री जी. किशन रेड्डी तथा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का दृश्य ।

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में 11,300 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। परियोजनाओं में एम्स बीबीनगर का शिलान्यास, पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास शामिल हैं। मोदी ने रेलवे से जुड़ी अन्य विकास परियोजनाओं को भी समर्पित किया।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने तेलंगाना के विकास की गति को बढ़ाने का अवसर प्राप्त करने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने आज की रेलवे और सड़क संपर्क और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिए तेलंगाना के नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेलंगाना के विकास से संबंधित राज्य के नागरिकों के सपनों को साकार करना केंद्र का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि तेलंगाना पिछले नौ वर्षों में भारत के विकास मॉडल का अधिकतम लाभ उठा सके।

कोविड-19 महामारी और दो देशों के बीच चल रहे युद्ध के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं की अप्रत्याशितता को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत उन कुछ देशों में से एक है, जिन्होंने आधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए रिकॉर्ड निवेश किया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस साल के बजट में भारत में आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। मोदी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में, तेलंगाना के रेल बजट में 17 गुना वृद्धि हुई है और नई रेल लाइनें बिछाने, रेल लाइन दोहरीकरण और विद्युतीकरण सहित अन्य कार्य रिकॉर्ड समय में हुए हैं। उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद-महबूबनगर परियोजना का विद्युतीकरण इसका एक प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह हैदराबाद और बैंगलोर के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे के साथ-साथ तेलंगाना के राजमार्ग नेटवर्क को भी तेज गति से विकसित किया जा रहा है और उन चार राजमार्ग परियोजनाओं का उल्लेख किया जिनका आज शिलान्यास किया गया है। पीएम ने कहा कि तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 2014 में राज्य के गठन के समय से 2,500 किलोमीटर से दोगुनी होकर आज 5000 किलोमीटर से अधिक हो गई है, जहां केंद्र सरकार द्वारा 35,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना में 60,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है जिसमें गेम-चेंजिंग हैदराबाद रिंग रोड भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने दोहराया कि 2014 में केंद्र सरकार द्वारा वंशवादी राजनीति की बेड़ियों से मुक्त होने का परिणाम पूरा देश देख रहा है। उन्होंने बताया कि आज हमारी सरकार में 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन, 5 रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जा रहा है। गरीबों के लिए एक लाख, तेलंगाना के एक करोड़ परिवारों के जनधन बैंक खाते पहली बार खोले गए हैं, तेलंगाना के ढाई लाख छोटे उद्यमियों को बिना गारंटी के मुद्रा लोन मिला है, पांच लाख रेहड़ी-पटरी वालों को बैंक लोन मिला है पहली बार पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 40 लाख से ज्यादा छोटे किसानों को करीब 9,000 करोड़ रुपये मिले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सच्चे सामाजिक न्याय का जन्म तब होता है जब देश 'तुष्टिकरण' (तुष्टिकरण) से 'संतुष्टिकरण' (सभी की संतुष्टि) की ओर बढ़ता है। उन्होंने टिप्पणी की कि तेलंगाना सहित पूरा देश संतुष्टिकरण के मार्ग पर चलना चाहता है और सबका प्रयास के साथ विकास में योगदान देना चाहता है। प्रधानमंत्री ने निष्कर्ष निकाला, "आजादी का अमृत काल में एक विकसित भारत के निर्माण के लिए तेलंगाना का तेजी से विकास बहुत महत्वपूर्ण है।

इस मौके पर राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री जी

आंध्र प्रदेश के बंटवारे के वादों को पूरा करें पीएम : शर्मिला

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हैदराबाद यात्रा के अवसर पर आज वाईएस शर्मिला ने पीएम से लंबे समय से लंबित आंध्र प्रदेश विभाजन के वादों को पूरा करने और राज्य के लिए धन की घोषणा करने की मांग की।

तेलंगाना के लोग चुनौतियों, मुद्दों और अधूरे वादों की एक लंबी सूची के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत करते हैं। नौ साल हो गए हैं, लेकिन विभाजन के मुद्दों और वादों को आज तक संबोधित नहीं किया गया है। एनडीए सरकार के वार्षिक बजट में तेलंगाना और इसकी परियोजनाओं के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराने की जहमत नहीं उठाई जाती है। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री से उनकी प्रदेश दौरे के तहत राज्य और विभिन्न परियोजनाओं के लिए धन की घोषणा करने की अपील करते हैं।

अपने ट्वीट में शर्मिला ने कहा कि हम कालेश्वरम परियोजना भ्रष्टाचार के खिलाफ अथक संघर्ष कर रहे हैं। बीजेपी नेताओं ने खुद इस प्रोजेक्ट को सीएम केसीआर का एटीएम बताया, लेकिन न तो कोई कार्रवाई की और न ही कोई जांच शुरू की। हमने सीएजी और सीबीआई से शिकायत की है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। हम इस संबंध में ठोस कदमों की अपेक्षा करते हैं, जहां आप अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठें।

14 महीने में पीएम का 5वां दौरा, सीएम हर बार गैरहाजिर रहे

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक बार फिर राज्य के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) उनकी अगवानी के दौरान मौजूद नहीं थे। वे पीएम के कार्यक्रम में भी नहीं गए। पिछले 14 महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पांचवां तेलंगाना दौरा है। पांचों बार मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव उनकी अगवानी में नहीं आए। केसीआर ने अपने व्यस्त कार्यक्रम का हवाला देकर पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने में असमर्थता जताई है।

बंडी संजय कुमार पर एक्शन से सियासत गर्म

मोदी की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब तेलंगाना पुलिस ने 10वीं कक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में राज्य के भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंडी संजय कुमार को गिरफ्तार किया था। मंगलवार देर रात संजय की गिरफ्तारी के बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। हालांकि बाद में उन्हें जमानत मिल गई। भाजपा नेताओं का आरोप है कि राज्य की बीआरएस सरकार ने जानबूझकर प्रधानमंत्री के दौरे से ठीक पहले बंडी संजय पर यह कार्रवाई की है। बता दें कि मुख्यमंत्री केसीआर की बेटी के. कविता के खिलाफ दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी पूछताछ कर चुकी है।

हार्दिक आमंत्रण-अवतरण दिवस महोत्सव-संकीर्तन यात्रा

हरि ॐ जी

आप सबको पूज्य बापू जी के अवतरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस उपलक्ष में दिनांक 9 अप्रैल 2023, रविवार, शाम 4 बजे, बोवेंपल्ली में हरिनाम संकीर्तन यात्रा का आयोजन किया जाएगा। आप सभी साधक, सपरिवार आमंत्रित है।

कार्यक्रम : 3.00बजे - रथ डेकोरेशन, 4.00बजे - गुरु प्रार्थना, 4.10 बजे - यात्रा प्रारंभ, 5.15बजे - आरती व पूर्णाहुति, 5.30 बजे - भोजन प्रसादी

यात्रा रूट:- सिंडिकेट बैंक कॉलोनी (बोवेंपल्ली), CMR स्कूल, देवी फिलिंग स्टेशन, हसमत पेठ रोड, वापस सिंडिकेट बैंक कॉलोनी

संपर्क :
ठाकुर जयपाल सिंह नयाल
9849702915
सुंदर अग्रवाल
9246397993

कृपया समय पर पधारें
संचालक
हैदराबाद आश्रम
7093004116

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

प्रधानमंत्री ने पिछले नौ वर्षों में भारतीय रेलवे का कायापलट कर दिया : रेलमंत्री

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को वैश्विक मानकों पर विकसित किया जाएगा : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सिकंदराबाद स्टेशन में पीएम की सभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले नौ वर्षों में भारतीय रेलवे का कायापलट कर दिया है. उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेल विश्व स्तरीय स्टेशनों और गाड़ियों के साथ चौतरफा विकास कर रही है और नई लाइनों को बिछाने, रेल मार्गों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी से प्रगति कर रही है. उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में रेल नेटवर्क को सुदृढ करने की दिशा में केंद्र सरकार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि सिकंदराबाद-तिरुपति के बीच नई वंदे भारत सेवा के शुभारंभ से प्रत्येक मध्यम वर्गीय परिवार का सपना साकार हुआ, जिन्होंने कभी भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने का सपना देखा था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का सबसे बड़ा स्टेशन सिकंदराबाद स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ अत्याधुनिक बनाया जा रहा है, जो अगले 40 वर्षों तक जनता की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि माननीय प्रधान मंत्री जी के प्रयास से ही दोहरीकरण के साथ विद्युतीकृत सिकंदराबाद-महबूबनगर परियोजना को 1410 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जा सका है. इसके आगे किशन रेड्डी ने कहा कि आज प्रधान मंत्री द्वारा 13 नई एमएमटीएस गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई गई, जो तेलंगाना के लोगों, विशेष रूप से नगरद्वय क्षेत्र की जनता का लंबे समय से चला आ रहा सपना था। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि केंद्र सरकार सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर विकसित करेगी। इसमें तेलंगाना के मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष और सीईओ, रेलवे बोर्ड, अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य वरिष्ठ रेलवे पदाधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बेहद निराशाजनक रहा पीएम मोदी का तेलंगाना दौरा : उत्तम

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे पर निराशा व्यक्त की, क्योंकि प्रधानमंत्री ने राज्य के लिए किसी महत्वपूर्ण परियोजना की घोषणा नहीं की। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि पीएम मोदी द्वारा उद्घाटन की गई अधिकांश परियोजनाओं की घोषणा वर्षों पहले ही की जा चुकी थी और उनमें काफी देरी हुई थी। इन देरी को स्वीकार करने के बजाय, मोदी ने उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे कि वे नई पहल हों। उदाहरण के लिए, चार साल पहले स्वीकृत एम्स बीबीनगर परियोजना में मोदी सरकार की लापरवाही के कारण देरी हुई है। देरी के लिए माफी मांगने के बजाय, पीएम मोदी ने पूरी तरह से समय सीमा प्रदान किए बिना औपचारिक रूप से फिर से शिलान्यास किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एम्स बीबीनगर को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 17 दिसंबर, 2018 को रुपये के साथ मंजूरी दी गई थी। परियोजना के लिए 1,028 करोड़ रुपये आवंटित। केवल रु. अब तक 31.71 करोड़ जारी किए जा चुके हैं।

बीआरएस नेताओं ने एससीसीएल खदानों के निजीकरण का विरोध किया

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने कोयला ब्लॉकों के निजीकरण के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करते हुए तेलंगाना में सिंगरेनी कोलियरीज में विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन भूपालपल्ली, कोठागुडेम, मनचेरियाल, गोदावरीखानी, मंदमरी, एलांडु और सिंगरेनी कोलियरीज के अन्य नगर मुख्यालयों में आयोजित किए गए।

सिंगरेनी कोलियरीज की मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन और सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति से संबद्ध तेलंगाना बोग्गु गनी कर्मिका संघम (टीजीबीकेएस) के सहयोग से सिंगरेनी कोलियरीज के मजदूरों ने काले बैज लगाकर विरोध कार्यक्रमों में भाग लिया और कोयला ब्लॉकों के निजीकरण के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। कोत्तागुडेम में एससीसीएल खदानों के निजीकरण के खिलाफ 'महाधरना' का आयोजन किया गया। परिवहन मंत्री पी. अजय कुमार, सांसद वदिराजू रविचंद्र, खम्मम बीआरएस जिला अध्यक्ष टाटा मधुसूदन, पार्टी कोठागुडेम अध्यक्ष रीगा कांता राव, विधायक वनामा वेंकटेश्वर राव, के उपेंद्र रेड्डी, टीबीजीकेएस अध्यक्ष बी वेंकट राव और अन्य ने धरने में हिस्सा लिया।

राजेंद्रनगर में महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 8 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में अपने पति और ससुराल वालों के प्रताड़ना के कारण एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कहा कि नंदिनी अपने पति रत्नदीप और ससुराल वालों द्वारा अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करने से परेशान थी। और अधिक प्रताड़ना सहने में असमर्थ, उसने कथित तौर पर बेडरूम में छत के पंखे से लटक कर खुद को फांसी लगा ली। नंदिनी के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि उसकी हत्या उसके पति और ससुराल वालों ने की और इसे आत्महत्या बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उसे पीटा गया और परेशान किया गया। नंदिनी कर्नाटकके बीदर की मूल निवासी थी और उसके परिवार ने राजेंद्रनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने दहेज हत्या का मामला दर्ज किया और रत्नदीप को गिरफ्तार कर लिया। उसके माता-पिता विजया और लक्ष्मण राव को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओं का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.